शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | www.lagatar.in

जन्म 17 मई 1951

मृत्यु 26 फरवरी 2024

मंगलवार 27 फरवरी 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 03 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 310 * आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

दुनिया को अलविदा कह गए 'चिट्ठी आई है' गाने वाले पंकज उधास

शुभम संदेश नेटवर्क

लीजेंड्री सिंगर पंकज उधास का निधन हो गया. 72 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली. पंकज की बेटी नायाब उधास ने सिंगर की मौत की खबर शेयर की है. नायाब उधास ने पोस्ट में लिखा- बहुत दुख के साथ हमें ये आपको बताना पड़ रहा है कि पद्मश्री पंकज उधास का 26 फरवरी 2024 को निधन हो गया है. वो लंबे समय से बीमार थे. वो उम्र संबंधी बीमारियों और कैंसर रोग से जूझ रहे थे. 10 दिन पहले अस्पताल में भर्ती हुए थे. उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को किया जाएगा. पंकज उधास का निधन सोमवार की सुबह 11 बजे ब्रीच कैंडी अस्पताल में हुआ. पंकज जैसे गजल गायक का यूं दुनिया छोड़ जाना फैंस को गमगीन कर गया है.

हर कोई सोशल मीडिया पर नम आंखों से सिंगर को आखिरी श्रद्धांजलि दे रहा है. पंकज का जन्म 17 मई 1951 को गुजरात के जीतपुर में हुआ था. उनके पिता किसान थे. दोनों भाई भी सिंगर थे. पंकज बहुत सिंपल लाइफ जीते थे. साल 2006 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था. पर्सनल लाइफ की बात करें तो, पंकज ने फरीदा से शादी की. उनकी तीन बेटियां हैं.

-शेष पेज 7 पर

पद्मश्री से सम्मानित थे पंकज उधास

- संगीत की दुनिया में शानदार योगदान के लिए साल 2006 में भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया गया था- उनकी पत्नी फरीदा एक एयरहोस्टेस थीं, लेकिन उनकी दोनों बेटियां संगीत से जुड़ी हुई हैं
- पहली बेटी नायाब क्लासिकल सिंगर हैं और दूसरी बेटी रिवा भी म्यूजिक इंडस्ट्री से ही जुड़ी हैं.

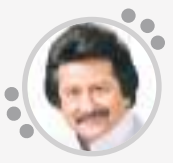

पंकज उधास की हिट गजलें

चिट्ठी आई है...चांदी जैसा रंग है तेरा...
ना कजरे की धार, न मोतियों की हार...
घूंघट को मत खोल...
थोड़ी थोड़ी पिया करो...
चुपके चुपके सखियों से वो बातें करना भूल गई...
और आहिस्ता कीजिए बातें...
निकलो न बेनकाब...
दीवारों से मिलकर रोना अच्छा लगता है...
एक तरफ उसका घर...

2024-25 का आर्थिक सर्वेक्षण विस में पेश: 7.7% की विकास दर से दौड़ेगा झारखंड

प्रतिव्यक्ति आय 1 लाख के पार

रवि भारती/प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य की आय 7.7 फीसदी की औसत वार्षिक दर से बढ़ेगी. चालू वित्तीय वर्ष में यह 7.1 फीसदी रहा. वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने सोमवार को सदन में 2023-24 का आर्थिक सर्वेक्षण रिर्पोट पेश किया. रिर्पोट में कहा गया है कि वर्ष 2020-21 में राज्य की प्रतिव्यक्ति आय में 51,464 रुपए स्थिर कीमत पर और 69963 मौजूदा कीमत पर थी. वर्ष 2022-23 में यह बढ़ कर के 60,033 स्थिर कीमत पर और 91874 मौजूदा दर पर पहुंच गयी. वर्ष 2023-24 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय रुपए 63443 स्थिर कीमतों पर और रुपए 98649 मौजूदा कीमत पर अनुमानित है. इसी प्रकार वर्ष 2024-25 में वर्तमान कीमतों पर 107027 रुपए तथा स्थिर कीमत पर इसका रुपए 98649 होने का अनुमान है.

झारखंड में मुद्रास्फीति दर 6 फीसदी से हो रही कम : झारखंड में, मुद्रास्फीति दर अधिकांशतः इस उच्चत्तम सीमा से कम रही है. झारखंड में मुद्रास्फीति की औसत दर वर्ष 2022-23 में 6.1 प्रतिशत थी. 2023-24 में (अक्टूबर, 2023 तक), जुलाई और अगस्त 2023 के महीनों को छोड़ कर, मुद्रास्फीति दर 6 प्रतिशत से कम रही है. झारखंड में, पिछले वित्तीय वर्ष (2022-23) अन्य वस्तुओं की तुलना में ईंधन और प्रकाश और कपड़ों और जूतों के मूल्य में बहुत तेजी से वृद्धि हुई हैं. इस अवधि के दौरान ईंधन मुद्रास्फीति 12.1 प्रतिशत औसत वार्षिक दर पर और कपड़े और जूते के मूल्य 9.1 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से बढ़े. इन दो कमोडिटी समूहों का योगदान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 13.4 प्रतिशत (क्रमशः 6.84 और 6.53) है, इसलिए इनके मूल्यों में वृद्धि ने इस अवधि के दौरान राज्य की मुद्रास्फीति दर को प्रभावित किया.

ग्रामीण अर्थव्यस्था ने पकड़ी तेजी : रिर्पोट के अनुसार राज्य के ग्रामीण विकास विभाग ने अच्छी प्रगति की है. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005, ग्रामीण इलाकों में आजीविका की सुरक्षा प्रदान करता है.

राज्य में कुल श्रमिकों के सक्रिय श्रमिकों का आंकड़ा वर्ष 2021-24 में 25 जनवरी, 2024 को करीब 45.9% था. मनरेगा के तहत जाति-जनजाति परिवारों के 14.4% परिवार 2023-24 (25 जनवरी, 2024 को) में इस योजना में कार्य कर रहे थे. इस अवधि में मनरेगा के तहत सृजित संपत्ति में झारखंड का अंश 4.34% रहा है. जनवरी 2024 में शुरू किये गए कामों की लगभग 47.67 लाख थी, जिनमें 40.77 लाख काम पूर्ण हो गए है.

-शेष पेज 7 पर

रामेश्वर उरांव आज पेश करेंगे राज्य का बजट

रांची। भाजपा विधायकों के वॉकआउट के बीच झारखंड सरकार का तीसरा 4981 करोड़ का अनुपूरक बजट सोमवार को सदन से पास हो गया. अब राज्य के वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव 27 फरवरी को आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 का वार्षिक बजट विधानसभा में पेश करेंगे. यह बजट चंपाई सोरेन सरकार का पहला और विधानसभा चुनाव के पहले अपना अंतिम वार्षिक बजट होगा. इस बजट में किसानों, ग्रामीणों, युवाओं और महिलाओं के लिए कई अहम घोषणा होने की उम्मदी है. बजट का योजना आकार बढ़ने की संभावना है.

पंचायती राज संस्थानों की प्रगति संतोषजनक

राज्य में स्थानीय स्वशासन और पंचायती राज संस्थानों की प्रगति काफी संतोषजनक रही है. 14वें वित्त आयोग के तहत कुल अनुदानों का लगभग 92 प्रतिशत प्राप्त हुआ है और 15वें वित्त आयोग के अनुदानों से ग्राम पंचायतों को लगभग 646.5 करोड़ रुपए का भुगतान भी शुरू किया गया है. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान और ग्राम पंचायत विकास योजनाओं के तहत प्रगति भी प्रेरणादायक हैं. आने वाले वित्तीय वर्ष में राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास की दिशा में वृद्धि होगी.

शहरी पेयजल पहुंचाने में आई तेजी

झारखंड में पाइप से जल आपूर्ति लेने वाले शहरी आवासों का अनुपात 2021-2022 में 20% जो 2022-2023 में बढ़कर 21.25% हो गया और सितंबर 2023 के अनुसार 2023-2024 में 22.43% तक बढ़ गया है. झारखंड के शहरी घरों का प्रतिशत जो शौचालय सुविधा का उपयोग करता है, वह 2021-2022 में 90.97 प्रतिशत के आंकड़े से आंगिक रूप से बढ़कर 2022-2023 में 91 प्रतिशत और फिर 2023-2024 (सितंबर 2023 तक) में 91.03 प्रतिशत हो गया है. शहरों और नगरों में नाली की व्यवस्था में भी सुधार हुआ है. कुल मिलाकर, झारखंड में 8262 किलोमीटर की नाली है, जिसमें से 6838 किलोमीटर पक्की नाली है.

फसल गहनता में उतार-चढ़ाव

झारखंड की फसल गहनता में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है. तीन वर्षों तक लगभग 144% के आस-पास स्थिर रहने के बाद, इसमें वर्ष 2021-22 में एक अल्प गिरावट दर्ज की गयी. तथापि 2022-23 ने एक रिकॉर्ड ऊंची छलांग लगाकर 71.58% दर्ज की जो राज्य की कृषि गहनता में वृद्धि को दर्शाती है. सिंचाई के साथ खाद्य फसलों की खेती के लिए कुल क्षेत्र 2020-21 में 2,37,862 हेक्टेयर से बढ़कर 2021-22 में 2,67,951 हेक्टेयर हो गया. यह राज्य में संसाधनों के उपयोग में सुधार की ओर इंगित करता है.

कृषि ऋण में सकारात्मक वृद्धि

2022-23 में केसीसी योजना के माध्यम से कृषि ऋण ने सकारात्मक वृद्धि दिखाई है. नए खातों की संख्या 1.87% बढ़ी है. इसमें 1,133 करोड़ रुपये के ऋण वितरण के साथ 9.91% बढ़ गई है. 8 लाख से अधिक रुपे कार्ड जारी किए गए, जिससे 66.5% खाता और 66.7% राशि के लक्ष्यों की पूर्ति हुई जिससे भविष्य में कृषि ऋण की उपलब्धता में सुधार और सुगमता की संभावना है. फसल बीमा योजना ने 19.4 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को 10,733 करोड़ रुपए से आच्छादित किया. 44 लाख से अधिक किसानों ने इसमें भाग निया, जिन्होंने 75 करोड़ रुपए का प्रीमियम भुगतान किया. 572 करोड़ रुपए का दावा होने के बावजूद, कार्यक्रम ने 98 करोड़ रुपए का था, जिससे यह योजना प्रभावशाली साबित हुई.

बेरोजगारी दर में आई कमी

5 वर्षों में श्रम शक्ति भागीदारी दर और श्रमिक जनसंख्या अनुपात ने सभी आयु समूहों में और ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में बढ़ोत्तरी की है. बेरोजगारी दर में कमी हुई है. सभी आयु समूहों में, वर्ष 2017-18 से 2022-23 तक, श्रमिक- अनुपात ने 7.8% की औसत वार्षिक दर वृद्धि की है, जबकि श्रम शक्ति भागीदारी दर 2017-18 से 2022-23 के बीच 5.3 प्रतिशत की दर से बढ़ी है. इसी समय सामान्य स्थिति में झारखंड में सभी आयु समूह में बेरोजगारी दर 2017-18 में 7.7 प्रतिशत थी, जो 2022-23 में 1.7 प्रतिशत हो गई है.

87.58 फीसदी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का काम पूरा

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत, झारखंड की सड़क पूर्ण करने की दर 87.58 प्रतिशत थी. राज्य सरकार उच्च और समरूपी तक मानकों को स्थापित करने और ग्रामीण सड़क नेटवर्क के सतत प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर योजना बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है. झारखंड में कुल स्वीकृत घरों का निर्माण पूर्ण करने का प्रति 18 दिसम्बर, 2023 को 97.8% था. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सृजन मिशन के तहत प्रदर्शन-आधारित सूचकांक पर राज्य की रैंकिंग और डेल्टा रंकिंग 82.25 के स्कोर के साथ थी. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों की कुल संख्या वर्षों के साथ कई 2018-19 वित्तीय वर्ष में राज्य में कुल लाभार्थियों की संख्या 2.72 करोड़ थी, यह आंकड़ा 2023-34 वितीय वर्ष (दिसम्बर) में 36 तक बढ़ गया है. वहीं जोहार परियोजना का लक्ष्य 17 जिलों के 68 ब्लॉक के 2 लाख ग्रामीण उत्पादक परिवारों की आय को दुगुना करना है.

कांग्रेस को लगा झटका, इकलौती सांसद बोलीं : बाय-बाय

गीता कोड़ा भाजपा में शामिल

प्रमुख संवाददाता। रांची

- बोलीं गीता कोड़ा- कांग्रेस में रहने का कोई औचित्य नहीं रह गया
- बोले बाबूलाल मरांडी- गीता और मधु तो साथ ही रहते हैं, दोनों पार्टी में

झारखंड में कांग्रेस की एकमात्र सांसद गीता कोड़ा अब भाजपा की हो गई हैं. सोमवार को गीता कोड़ा ने भाजपा का दामन थाम लिया. भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद गीता कोड़ा ने पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी सहित अन्य भाजपा नेताओं के प्रति आभार प्रकट किया. गीता कोड़ा ने कहा कि कांग्रेस परिवारवादी पार्टी है, ऐसे में उसके साथ रहने का अब औचित्य नहीं रह गया था. इस लिए मैंने भाजपा में आने का फैसला किया. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कांग्रेस ने जनभावनाओं का कभी सम्मान नहीं किया. अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में यह राज्य बना. कांग्रेस केवल एसटी के कल्याण के नाम पर सिर्फ झूठी रट लगाती है.

मधु कोड़ा को सीएम बना कर कांग्रेस ने खुद मधु खाया : बाबूलाल ने कहा कि मधु कोड़ा को सीएम बना कर कांग्रेस ने खुद मधु खाया, पर उन्हें कोड़ा खाने को छोड़ दिया. गीता और मधु कोड़ा हो समाज से आते हैं. वे सब चाईबासा के सीमित क्षेत्र में ही रहते हैं. पर कांग्रेसियों ने उनका साथ कभी नहीं दिया. हेमंत सोरेन ने यहां की संपदा लूटी. इसके लिए दिल्ली तक लोग बचाने में लगे हैं. महंगी -महंगी फीस देकर वकीलों की सेवा ले रहे हैं, जबकि सोरेन परिवार के पास तो इतनी जमीन है, जितनी रातू और पद्मा और अन्य पुराने महाराजों के पास भी नहीं होगी. मधु कोड़ा गरीब आदिवासी थे, उन्हें अकेला छोड़ दिया गया था.

गीता के आने से पार्टी को मिलेगी ताकत : बाबूलाल मरांडी ने गीता कोड़ा का पार्टी में स्वागत करते कहा कि वे पूर्व सीएम मधु कोड़ा की पत्नी हैं. दो बार जगन्नाथपुर विधानसभा सीट से प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं. यह महत्वपूर्ण है कि जिस राज्य में सत्तारूढ़ दल कांग्रेस की सरकार है, गीता उस पार्टी को छोड़ कर भाजपा में आयी हैं. यह बताता है कि मोदीजी के कामों के प्रति लोगों का झुकाव कितना है. अब गीता के आने से कोल्हान समेत राज्य के अन्य हिस्सों में भी पार्टी को ताकत मिलेगी. अब भाजपा की सभी 14 सीटों पर जीत तय है. मधु कोड़ा के पार्टी में शामिल होने के सवाल पर कहा कि वे और गीता तो साथ ही रहते हैं. ऐसे में वह भी अब भाजपा के साथ हैं. मधु कोड़ा से उनकी पुरानी पहचान है. कई लोग समय के साथ बिछुड़ गये थे, अब सब साथ जुट रहे हैं.

स्वागतम : गीता कोड़ा को सदस्यता दिलाते बाबूलाल मरांडी

भाजपा के लक्ष्मण गिलुआ को हरा कर बनीं थीं सांसद

पति के जेल जाने के बाद गीता कोड़ा सक्रिय राजनीति में आईं थीं. वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में गीता कोड़ा कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरी थीं. उन्होंने भाजपा के लक्ष्मण गिलुवा को हराया और पहली बार सांसद बनीं. वे झारखंड में कांग्रेस की एकमात्र प्रत्याशी थीं, जिन्होंने जीत हासिल की थी. गौरतलब है कि 2009 के विधानसभा चुनाव में गीता कोड़ा पहली बार चुनावी मैदान में उतरीं. वो जगन्नाथपुर सीट से भाजपा प्रत्याशी को हराकर पहली बार विधायक बनीं. 2014 में उन्होंने सिंहभूम लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं. 2014 में ही हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने एकबार फिर जीत दर्ज की. 2018 में वे कांग्रेस में शामिल हुईं. गीता कोड़ा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी हैं. उनका जन्म 26 सितंबर 1983 को झारखंड के मेघहातुबुरु में हुआ था. उन्होंने इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई की. फिर मधु कोड़ा से शादी की. मधु कोड़ा के जेल जाने के बाद गीता कोड़ा सक्रिय राजनीति में आईं.

गीता थाम सकती हैं भाजपा का दामन, सरयू की वापसी भी संभव

शुभम संदेश ने 25 अक्टूबर 2023 को ही छापी थी खबर

हाइवे पर गुड़गुड़ाया हुक्का, जमी चौपाल, बोले किसान-

हमारे लिए अब दिल्ली दूर नहीं...

कुमार माधवन

किसान आंदोलन के 15वें दिन यानी सोमवार को किसानों के समर्थन में संयुक्त किसान मोर्चा ने देश में ट्रैक्टर मार्च निकाला. पंजाब में किसानों ने नेशनल हाइवे पर ट्रैक्टर ट्रॉलियां खड़ी कीं. वहीं हरियाणा में टोल प्लाजों पर किसानों ने प्रदर्शन किया. इसके साथ किसानों ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) के पुतले भी फूंके.

बता दें कि किसान दिल्ली कूच का फैसला 29 तक टाल चुके हैं. हालांकि एमएसपी सहित कई मांगों को लेकर किसानों का प्रदर्शन 15वें दिन भी जारी है. भाकियू और अन्य किसान संगठनों ने सोमवार को ट्रैक्टरों के सहारे अपनी ताकत दिखाई. साथ ही किसानों ने डब्लूटीओ का पुतले फूंका. इस दौरान दिल्ली-देहरादून हाइवे पर ट्रैक्टरों की श्रृंखला बना कर हुंकार भरी. हरियाणा में टोल प्लाजा पर किसानों ने प्रदर्शन किया. किसान ट्रैक्टर श्रंखला बनाकर यह बताने बताने का प्रयास कर रहे है कि किसान गुस्से में हैं.

कृषि कर्ज माफी तक जारी रहेगा आंदोलन

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि सोमवार को हमने खनौरी और शंभू बॉर्डर पर डब्ल्यूटीओ के पुतला दहन का आयोजन किया. यह कार्यक्रम 13 राज्यों में आयोजित किया गया. हम स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि यह आंदोलन एमएसपी गारंटी कानून बनने और कृषि कर्जमाफी तक जारी रहेगा.

झारखंड को तोहफा कई रेल परियोजनाओं का प्रधानमंत्री ने किया ऑनलाइन शिलान्यास

मजबूत रेलवे से ही पूरा होगा नए भारत का संकल्प: मोदी

शुभम संदेश टीम। रांची/धनबाद

पीएम नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सोमवार को देशभर के 554 रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन में बदलने की आधारशिला रखी. इस योजना के तहत झारखंड के विभिन्न जिलों के कई स्टेशनों का भी पुनर्विकास किया जाएगा. इस दौरान रांची रेल मंडल की 26 और धनबाद रेल मंडल की 20 परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया गया. इसके लिए रांची के नामकुम रेलवे स्टेशन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें सांसद संजय सेठ, सांसद महुआ मांझी, मंत्री दीपक बिरूवा, डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा समेत कई रेलवे अधिकारी मौजूद थे.

रेलवे स्टेशनों पर मिलेंगी एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं : शिलान्यास के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि रेलवे को मजबूत करके ही हम नए भारत का संकल्प पूरा कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि एक दशक पहले तक वंदे भारत जैसी ट्रेन के बारे में किसी ने नहीं सोचा था. लेकिन आज यह रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल हो गया है. अब भारतीय रेलवे स्टेशनों पर एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं मिलेंगी. उन्होंने पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले रेल बजट 45 हजार करोड़ रुपये था लेकिन अब रेल बजट 2.5 लाख करोड़ रुपये है. उन्होंने देश के युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनका सपना मोदी का संकल्प है. पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दस साल में एनडीए सरकार ने भ्रष्टाचार पर पूरी तरह से काबू पा लिया है, इसलिए विकास कार्य जमीन पर दिख रहे हैं.

-शेष पेज 7

झारखंड के 18 स्टेशनों पर खर्च होंगे 578 करोड़

अमृत भारत योजना के तहत झारखंड के 18 स्टेशनों में नए स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण होना है, जिसमें कुल 578.95 करोड़ रुपये खर्च होंगे. इनमें टाटानगर रेलवे स्टेशन सहित चक्रधरपुर, गम्हरिया, सीनी, चाईबासा, डांगवापोसी, बड़ाजामदा, बालसिरिंग, बानो, गंगाघाट, रामगढ़ कैंट, गोविंदपुर रोड, ओरगा, मुरी, सिल्ली, लोहरदगा, टाटीसिलवाई व नामकुम स्टेशन शामिल हैं. इसके अलावा झारखंड परिक्षेत्र में 44 ओवरब्रिज व अंडर पास का भी निर्माण होना है जिसमें 546.01 करोड़ रुपये खर्च होंगे.

टाटानगर में 335 करोड़ से बनेगी नई स्टेशन बिल्डिंग

रेल प्रोजेक्ट के तहत टाटानगर स्टेशन की नई बिल्डिंग का 335 करोड़ से बनेगी. यह एयरपोर्ट की तर्ज पर बनेगा. इसमें सभी तरह की व्यवस्था जैसे बड़ी पार्किंग, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, लिफ्ट, एसक्लेटर, फूड कोर्ट, गेम जोन की सुविधा रहेगी. तीन मंजिली बिल्डिंग तीन साल में बन कर पूरी होगी.

इन प्रोजेक्ट को मिली हैं मंजूरी

- अब आठ प्लेटफॉर्म का होगा टाटानगर रेलवे स्टेशन
- बर्मामाइंस छोर पर बनाए जाएंगे तीन नए प्लेटफार्म, योजना को मिली स्वीकृति

झारखंड सरकार का तीसरा 4981 करोड़ का अनुपूरक बजट सदन से पास

राज्य को सूद मुक्त बनाना प्राथमिकता : डॉ. रामेश्वर उरांव

विशेष संवाददाता/रांची। भाजपा विधायकों के वॉकआउट के बीच झारखंड सरकार का तीसरा 4981 करोड़ का अनुपूरक बजट सोमवार को सदन से पास हो गया. अब राज्य के वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव 27 फरवरी को सदन में चंपाई सोरेन सरकार का पहला और विधानसभा चुनाव के पहले अपना अंतिम वार्षिक बजट पेश करेंगे. तीसरे अनुपूरक बजट पर सरकार का पक्ष रखते हुए वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि हम केवल बजट का आकार नहीं बढ़ा रहे हैं बल्कि उसे खर्च का पाई-पाई का हिसाब भी देते हैं. 2019 के पहले भले ही बजट का योजना आकर बढ़ा दिया जाता था, मगर राज्य के खजाने में बचत और खर्च का ब्योरा नहीं दिया जाता था. 2019 में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हमारी सरकार बनने के बाद हमने कई चीजों पर ध्यान देना शुरू किया. हमने खर्च बढ़ाया तो रेवन्यू भी बढ़ाया. खजाने पर भी ध्यान दिया. कम से कम लोन लेना पड़े और लिए गए लोन का सूद कम और खत्म करने की दिशा में काम शुरू किया. हमारा मकसद है कि न जनता पर एक भी लोन रहे और न सूद. झारखंड को सूद मुक्त राज्य बनाना पहली प्राथमिकता है. बचत किसी भी राज्य का अहम पार्ट होता है. हमें इस बात की खुशी है कि हमने बचत के तौर पर सिंकिंग फंड के तहत आरबीआई खाते में 1600 करोड़ रुपये रखें, ताकि कभी भी मुसीबत में उसका इस्तेमाल किया जा सके. 2020 के पहले खर्च का ऑडिट नहीं होता था, हमारी सरकार बनने के बाद हमने ऑडिट कराना शुरू किया ताकि खर्च का हिसाब दिया जास सके. हमारी सरकार दो मोर्चे पर एक साथ काम कर रही है. पहला लोककल्याणरी योजनाएं और आधारभूत संरचना को खड़ा करना, जिसे जो बोलना है बोल ले, जिसे लिखना है लिख ले, मगर चालू वित्तीय वर्ष का हमने 31 जनवरी तक 75,684 करोड़ रुपये खर्च कर लिए और इस वित्तीय वर्ष में कुल 25 हजार करोड़ खर्च करने का लक्ष्य है. इससे साबित होता है कि हम केवल पैसा लेते ही नहीं, उसे खर्च भी करते हैं और खर्च करने के बाद उसका ऑडिट और उचित मॉनिटरिंग भी करते हैं.

किसने क्या कहा

आज झारखंड में भी संदेशखाली जैसे हालात उत्पन्न हो रहे हैं : अनंत ओझा

तीसरे अनुपूरक बजट पर भाजपा विधायक अनंत ओझा ने कटौती प्रस्ताव रखते हुए कहा कि राज्य सरकार

वित्तीय वर्ष 2023-24 में जब बजट का 54 प्रतिशत ही राशि खर्च कर पाई है तो तीसरा अनुपूरक बजट लाने का औचित्य क्या है. पिछले बजट में घोषणा हुई 59 योजनाओं में केवल 10 पर काम हुआ. वित्त मंत्री डॉक्टर रामेश्वर उरांव के बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के सरकार में राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था काफी अच्छी थी को आधार बता कर अनंत ओझा ने सरकार पर उठाया सवाल. उन्होंने कहा कि झारखंड को पश्चिम बंगाल की तर्ज पर धकेला जा रहा है. आज यहां संदेशखाली की स्थिति बनती जा रही है. गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के लिए लाए अनुपूरक बजट पर कटौती प्रस्ताव को लेकर पुलिस प्रशासन पर उठाया सवाल. कहा कि सत्ता संरक्षण में अवैध खनन और खनिज संपदा की लूट हुई है. आदिवासी बच्चियों को प्रलोभन देकर लव जिहाद के लिए टारगेट किया जा रहा है और पुलिस प्रशासन चुप है. सब कुछ सरकार के संरक्षण में हो रहा है.

यूपी में प्रश्न पत्र लीक मामले में भाजपा सीबीआई जांच की मांग क्यों नहीं करती: सुदिव्य

सत्ता पक्ष से झामुमो विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि अगर पश्चिम बंगाल से घुसपैठ हो रहा है तो केंद्र

सरकार चुप क्यों बैठी है. भाजपा का काम केवल सरकार को बदनाम करना है. झारखंड में महिला के खिलाफ शोषण की बात करने वाले भाजपा नेता क्यों नहीं बताते हैं कि गुजरात में पिछले 5 सालों में 40,000 महिला गायब है. यह आंकड़ा एनसीआरबीआर का है. जेएसएससी परीक्षा में प्रश्न पत्र लीक मामले में सवाल उठाने वाले भाजपा वाले रिकॉर्ड समय में हुई 7वीं से 10वीं जेपीएससी परीक्षा की बात क्यों नहीं करते. सभी जानते हैं कि इस परीक्षा में ग्रिल बनाने वाले, पेपर बेचने वाले और आंगनबाड़ी सेविका के बच्चे अफसर बने हैं. उन्होंने सदन में भरोसा दिलाया कि जेएसएससी प्रश्न पत्र लीक मामले में सभी आरोपी पर सरकार कार्रवाई करेगी. उत्तर प्रदेश में पुलिस सेवा भर्ती के प्रश्न पत्र लीक हुए. 48 लाख बच्चे का भविष्य अधर में पड़ गया. वहां जाकर सीबीआई जांच की मांग क्यों नहीं करते हैं.

आज चंपाई सोरेन सरकार अपना पहला और विस चुनाव के पहले अंतिम वार्षिक बजट पेश करेगी

सरकार श्वेत पत्र जारी करके वित्तीय स्थिति स्पष्ट करे : लंबोदर

आजसू पार्टी विधायक लंबोदर महतो ने सरकार को खराब वित्तीय स्थिति का आरोप लगा कर घेरा. उन्होंने

कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-2024 को खत्म होने को केवल 34 दिन बचे हैं. सरकार बताए कि इन 34 दिनों में कैसे अपने कुल बजट का 48 प्रतिशत कैसे खर्च करेगी. सरकार 34 दिनों में 38 राजस्व प्राप्ति कैसे करेगी. इससे अच्छा तो होता कि सरकार श्वेत पत्र जारी कर वित्तीय स्थिति स्पष्ट करती.

बंद सारे 500 स्कूलों को सरकार फिर से खोले : उमाशंकर अकेला

कांग्रेस विधायक उमा शंकर अकेला ने अनुपूरक बजट पर चर्चा करते हुए कहा कि पिछली सरकार ने सुदूर गांव

में चलने वाले 500 से अधिक स्कूलों को बंद दिया. इसके कारण हमारे गरीब बच्चों की पढ़ाई बंद हो गयी. इसलिए सरकार पूववर्ती सरकार द्वारा बंद किए गए सारे स्कूलों को खोलने का काम करे. सरकार विस्थापन आयोग बनाकर विस्थापन का दंश झेल रहे लोगों को उनका हक व अधिकार देने का काम करे.

बजट का हो आंतरिक अंकेक्षण वित्तीय प्रबंधन जरूरी : सरयू राय

निर्दलीय विधायक सरयू राय ने कहा कि सरकार को खर्च करने के लिए अनुपूरक लेना पड़ता है. सरकार को

वित्तीय प्रबंधन की ओर भी ध्यान देना चाहिए. सीएजी तो ठीक है, मगर सरकार को अपने आंतरिक अंकेक्षण भी कराना चाहिए. इससे लिए जाने वाले पैसे और खर्च किए जाने वाले पैसा सही से ऑडिट हो पाएगा. आज बाघ पर करोड़ों खर्च किए जा रहे हैं. पर सच्चाई है कि केवल पयर्टकों के लिए बाघ रखे जाते हैं.

जेएसएससी पेपर लीक मामले में सदन में हंगामा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा बजट सत्र के दूसरे दिन 11 बजकर 9 मिनट पर सदन की कार्यवाही शुरू हुई. सत्र शुरू होते ही सदन में जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक का मामला गूंज उठा. भाजपा विधायक वेल में पहुंचकर जोरदार हंगामा करने लगे और पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की. इस बीच प्रश्नकाल में विरंची नारायण ने भी जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक का मामला उठाया. भाजपा विधायक ने कहा कि 25 से 30 लाख रुपये में पेपर बेचा गया. यह पूरे राज्य को शर्मसार करने वाली घटना है. यही नहीं आयोग के अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया. आखिर इस मामले का किंग पिन कौन है, राज्य की जनता यह जानना चाहती है. सरकार इस मामले की सीबीआई जांच कराये. इस पर संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि नौजवानों की जिंदगी से कोई खिलवाड़ नहीं होगा. एसआईटी का गठन किया गया है. अगर एसआईटी जांच सफल नहीं होती है तो आगे की कार्रवाई की जायेगी.

सरकार अपने लोगों को बचाने के लिए सीबीआई जांच से भाग रही : अमर बाउरी : भाजपा विधायक दल के नेता अमर बावरी ने कहा कि एसआईटी के बड़े लोगों तक पहुंचने से पहले मामले को दबा दिया जायेगा. इस मामले में विधानसभा के कर्मचारी भी संलिप्त है. गिरफ्तारी भी हो चुकी है। सरकार अपने लोगों को बचाने के लिए सीबीआई जांच से भाग रही है. इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए. कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने कहा कि जल्द से जल्द परीक्षा ली जानी चाहिए. इसके बाद भाजपा विधायक वेल में आ गये और नारेबाजी करने लगे. भाजपा विधायकों के हंगामे के कारण स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 12:30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी.

वित्त मंत्री ने 2023-24 का आर्थिक सर्वेक्षण रिर्पोट सदन में पेश किया : वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने सदन में वित्तीय वर्ष 2023-24 का आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट सदन में पेश की. सदन कार्यवाही दोपहर 12-34 बजे शुरू होते ही बीजेपी विधायक हंगामा करने लगे. वेल में घुस गए. पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच की मांग करने लगे. हंगामे के बीच ही स्पीकर ने शून्यकाल लिया.

सदन के बाहर भाजपा विधायकों ने प्रदर्शन किया : बजट सत्र शुरू होने से पहले भाजपा विधायकों ने सदन के बाहर जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले को लेकर धरना-प्रदर्शन किया. इस दौरान भाजपा विधायकों ने झारखंड सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. नौजवानों को धोखा दे, रोजगार दे ना सके, वो सरकार निकम्मी है, जो सरकार निकम्मी है, वो सरकार बदलनी है, चंपाई सोरेन सरकार हाय-हाय और हेमंत पार्ट 2 हाय-हाय के नारे लगाये.

शून्य काल

उमाशंकर अकेला : हजारीबाग में 2019 में हुई होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया पूरी करने की मांग की. कहा कि चार साल से बहाली की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है.

इरफान अंसारी : मदरसों की स्थित बदतर हो गई है. विद्यार्थियों की संख्या कम हो गई है. किताब, पोशाक, छात्रवृति नहीं मिल रही है. शिक्षकों की भी नियमित नियुक्ति नहीं हो पा रही है. सभी सुविधा उपलब्ध कराई जाए.

मंगल कालिंदी : पटंबा में मॉडल इंग्लिश स्कूल का भवन बन कर तैयार हो गया है. इसका जल्द संचालन शुरू किया जाए.

अंबा प्रसाद : जेएसएससी की पुन: परीक्षा तीन माह के अंदर ली जाए. साथ ही त्रुटिरहित परीक्षा के लिए कानून बनाया जाए.

शिल्पी नेहा तिर्की : राज्य की 42 हजार सहियाओं को सम्मानजनक मानदेय दिया जाए.

दीपिका पांडेय सिंह : पोषण सखियों को नियोजित किया जाए.

सरयू राय : जमशेदपुर औद्योगिक नगरी में मजदूरों के लिए एएसआई हॉस्पीटल खोला जाए.

समीर महंती : प्राथमिक शिक्षकों का गृह जिला में अविलंब स्थानांतरण किया जाए.

लंबोदर महतो : पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच कराई जाए.

भूषण तिर्की : राज्य में बने लैंड बैंक को रद्द किया जाए.

सुनीता चौधरी : अनिकेत के मौत के मामले की न्यायिक जांच हो.

इरफान की सरकार से मांग, 15 दिन के अंदर लें सारी परीक्षा

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन सदन में कार्यवाही चल रही है. सदन के बाहर कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने सरकार से 15 दिन के अंदर सारी नियुक्तियों की परीक्षा लेने की मांग की. कहा कि सदन में राज्य की जर्जर मदरसा भवन का मामला भी रखा है. कहा कि राज्य में हमारी सरकार है, लेकिन मदरसा पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है. वह कभी भी गिर सकता है. सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए. वहीं बरही विधायक उमाशंकर अकेला ने जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले में जल्द से जल्द सरकार कार्रवाई करने की मांग की. कहा कि बच्चे सड़क पर हैं. सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए.

जमशेदपुर की 1800 एकड़ में बसी बस्ती का मामला उठा

रांची। बजट सत्र के दूसरे दिन की पहली पाली में विधायक सरयू राय ने जमशेदपुर में 1800 एकड़ में बसी बस्ती का मामला उठाया, जिसे टाटा सबलीज से अलग कर दिया गया है. सरयू राय ने दिल्ली और इंदौर का उदाहरण देते हुए कहा कि इस मामले में 2018 को जारी की गई अधिसूचना रद्द कर दी जाये. सरकार अगर इस मामले में नई नीति बनाएगी तो सरकार को 500 करोड़ रुपये की आमदनी भी होगी. इस पर वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि अवैध कब्जा के सेटलमेंट के दो तरीके हैं. पहला अवैध कब्जाधारी को कुछ जमीन दे दी जाए. दूसरा सरकार नियमितीकरण कर दे. लेकिन 2018 में जो नीति बनी, उसमें 10 डिसमिल देने की ही बात कही गई है. इस पर सरयू राय ने कहा कि किसी का घर 15 डिसमिल में बना हुआ है तो पांच डिसमिल कौन देगा. इस जमीन पर 17986 आवास बने हुए हैं. इस मामले में अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति बनाई जाए. रामेश्वर उरांव ने कहा कि जब तक नई नीति नहीं बनती, तब तक यही नीति लागू रहेगी. किसी का घर टूटे नहीं, इस पर सरकार विचार कर सकती है.

मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट, 3 मार्च तक मौसम गड़बड़ रहेगा

आज फिर सूबे में बारिश की संभावना

संवाददाता। रांची

झारखंड में आने वाले कुछ दिनों तक बारिश का असर जारी रहेगा. ऐसे में लगातार बदलते मौसम और ठंड गर्मी के एहसास के बीच लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है. मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो राज्य में पश्चिमी विक्षोभ का असर देखा जा रहा है. इससे राज्य में तीन मार्च तक बारिश और थंडरिंग की संभावना है. मौसम केंद्र की मानें तो 27 फरवरी को राज्य के दक्षिणी, पश्चिमी और मध्य हिस्से में बारिश की संभावना है. इस दौरान इन जिलों में मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है. इसमें पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिहंभूम, सरायकेला खरसावां, सिमडेगा, पलामू, लातेहार, गढ़वा, चतरा, लोहरदगा, गुमला, रांची, खूंटी, धनबाद, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग जिला शामिल है. इन जिलों के मौसम विज्ञान केंद्र ने येलो अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में इस दौरान 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है. वहीं, 28, 29 फरवरी और एक मार्च को राज्य में बादल छाए रहेंगे. दो और तीन मार्च को राज्य के उत्तर पश्चिमी हिस्से में बारिश की संभावना है.

बाल अधिकार कार्यकर्ता बैद्यनाथ कुमार रत्नश्री अवार्ड से सम्मानित

संवाददाता। रांची

- बैद्यनाथ कुमार ने अब तक आठ हजार नाबालिगों का कराया है रेस्क्यू

बाल अधिकार कार्यकर्ता बैद्यनाथ कुमार को दिल्ली में रत्नश्री अवार्ड से सम्मानित किया गया है. बैद्यनाथ कुमार ने पिछले कई वर्षों से बाल तस्करी पर कार्य कर रहे हैं. अबतक उन्होंने आठ हजार से अधिक नाबालिग लड़के व लड़कियों को देश के अलग-अलग राज्यों से रेस्क्यू कराया है. साथ ही कई मानव तस्करों को जेल के सलाखों के पीछे भी भिजवाया है. बैद्यनाथ कुमार अपने शुरुआती दौर में खुद एक चाइल्ड लेबर थे.

पीएम झारखंड में रेल नेटवर्क विकसित करने के लिए हैं प्रतिबद्ध : राज्यपाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''स्वच्छ भारत अभियान'' जैसे उल्लेखनीय पहलों से रेलवे स्टेशनों, प्लेटफार्मों, प्रतीक्षा क्षेत्रों और स्टेशन परिसरों की स्वच्छता और कार्यक्षमता में अहम सुधार हुए हैं. पीएम झारखंड में रेलवे नेटवर्क विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. झारखंड में टाटानगर एवं अन्य रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास इसी दिशा में एक सार्थक कदम है. राज्यपाल सोमवार को ''अमृत भारत स्टेशन योजना'' के अंतर्गत 551 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास व 1500 रोड ओवरब्रिज-अंडरपास का शिलान्यास-उद्घाटन व राष्ट्र को समर्पण कार्यक्रम के अवसर पर टाटानगर रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'अमृत भारत स्टेशन योजना' भारतीय रेलवे नेटवर्क की दक्षता और बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में व्यापक प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

विश्वस्तरीय है भारतीय रेलवे नेटवर्क

भारतीय रेलवे नेटवर्क विश्व स्तर पर सबसे बड़ी व सबसे विकसित प्रणालियों में से एक है, जो देश भर में लोगों व वस्तुओं के आवागमन की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है. ''अमृत भारत स्टेशन योजना'' जैसी पहल विकसित भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है. उन्होंने विकसित भारत के लिए अन्य योजनाओं यथा- ''प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना'', ''जल जीवन मिशन योजना'', ''प्रधानमंत्री आवास योजना'' इत्यादि की शुरुआत की है जिससे लोगों को काफी सुविधा प्राप्त हो रही है. इस अवसर पर साउथ ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल, टाटा में आयोजित '2047 का विकसित भारत विकसित रेल' विषय पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया. इस कार्यक्रम के उपरांत राज्यपाल महोदय ने अन्नामृत फाउंडेशन में जाकर वहां की कार्यप्रणाली को देखा व वृक्षारोपण भी किया. अन्नामृत फाउंडेशन द्वारा बच्चों को मिड डे मील उपलब्ध कराया जाता है.

अपराधों की रोक को लेकर सीआईडी डीजी करेंगे समीक्षा

रांची। एनडीपीएस कांडों के सही ढंग से अनुसंधान और अपराध की रोकथाम को लेकर सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता समीक्षा करेंगे. इसको लेकर सीआइडी के द्वारा सभी जोनल आईजी और रेंज के डीआईजी को पत्र लिखा गया हैं. लिखे गये पत्र में कहा गया है कि 12 जनवरी को एनडीपीएस कांडों के सही ढंग से अनुसंधान और अपराध की रोकथाम के संदर्भ में एक ऑन-लाईन समीक्षा बैठक आयोजित की गयी थी. राज्य में एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत पिछले पांच वर्षों में दर्ज कांडों का आंकड़ा देते हुए एनडीपीएस कांडों के अनुसंधान और अपराध की रोकथाम के संदर्भ में कुल 10 बिन्दुओं पर ध्यान केन्द्रित करने का निर्देश दिया गया था. इन दिये गये निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा हेतु के लिए 27 फरवरी को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की जायेगी.

CLASSIFIED

EDUCATION
TO-LET
BUSINESS
REAL ESTATE
RECRUITMENT
MATRIMONY & Many More
Book your CLASSIFIED ADS IN
हिन्दी दैनिक शुभम संदेश
एक राज्य-एक अखबार
Contact : 9835511272, 9905709361, 9546277001, 7004715743

www.lagatar.in मंगलवार 27 फरवरी 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 03 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 310

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

भारतीय आर्मी खुश बार्बी आर्मी के चेहरे उतरे | मैच में चौथे दिन इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ी भिड़ते नजर आए. हार देख कर जेम्स एंडरसन रोहित शर्मा से भिड़ते नजर आए, तो दूसरी ओर कई बार ऐसा हुआ कि बिना बात के इंग्लिश खिलाड़ी अपील करते दिखे. मैदान के बाहर भी इंग्लैंड की सपोर्टर बार्बी आर्मी और भारत की सपोर्टर आर्मी अपनी टीम का उत्साह बढ़ाती दिखी. मैच की समाप्ति के बाद भारत के सपोर्टरों पर खुशी छा गयी. लेकिन विदेशी मेहमानों को हार के बाद रांची से मायूसी के साथ लौटना पड़ा.

रांची में टेस्ट में भी अपराजेय रहा भारत

रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराते हुए सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त ले ली है. इसके साथ जेएससीए में खेले गए टेस्ट मैच में भारत एक भी मैच नहीं हारा है. सीरीज का आखिरी हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा. भारत को चौथी पारी में 192 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे रोहित सेना ने 61 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाते हुए मैच और सीरीज दोनों अपने नाम कर ली. भारत के लिए दूसरी पारी में सबसे अधिक कप्तान रोहित शर्मा ने 55 और शुभमन गिल 124 गेंदों में 2 छक्के के दम पर 52 रन की मैच जिताऊ पारी खेली. वहीं ध्रुव जुरेल 77 गेंदों में 2 चौके के दम पर 39 रन बनाए.

स्टेडियम में गूंजा सारा का नाम : मैच के चौथे दिन भारत को पहला झटका यशस्वी जायसवाल के रूप में लगा. यशस्वी 37 रन बना कर आउट हुए. तीसरे नंबर पर बैटिंग करने शुभमन गिल मैदान में उतरे. शुभमन के आते ही पूरे स्टेडियम में सारा का नाम गूंज उठा. दर्शक हमारी भाभी कैसी हो सारा भाभी जैसी हो के नारे लगाने लगे.

रांची टेस्ट में जीत : दिग्गजों के बगैर टीम इंडिया ने इंग्लैंड को किया परास्त

शुभम किशोर। रांची

भारत ने रांची टेस्ट जीत इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है. रांची में खेले गए सीरीज़ के चौथे टेस्ट में टीम इंडिया ने सोमवार को इंग्लैंड को 5 विकेट से शिकस्त दी. भारतीय टीम सीरीज़ में विराट कोहली, मोहम्मद शमी और ऋषभ पंत जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ बगैर ही मैदान पर उतरी थी. पहले ही टीम इंडिया अनुभवी खिलाड़ियों की कमी से जूझ रही थी, जिसमें कुछ खिलाड़ियों की चोट ने और इज़ाफा कर दिया. हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट के बाद रवींद्र जडेजा और केएल राहुल इंजरी के चलते बाहर हो गए. हालांकि जडेजा ने राजकोट में खेले गए तीसरे टेस्ट के ज़रिए वापसी कर ली, लेकिन केएल राहुल चौथे टेस्ट तक टीम इंडिया से बाहर रहे. इसी बीच दूसरे टेस्ट के बाद श्रेयस अय्यर भी भारत का हिस्सा नहीं रहे. तो इन सब मुश्किलों के बावजूद कैसे भारत ने इंग्लैंड को सीरीज़ में शिकस्त दी. यहां हम आपको भारत के सीरीज़ जीतने पांच मुख्य कारण बताएंगे.

जानिए ये 5 वजहें, जिनसे भारत ने इंग्लैंड से जीत ली सीरीज

1. रोहित शर्मा की बेहतरीन कप्तानी

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक खेले जा चुके चारों टेस्ट में ही शानदार कप्तानी का मुज़ाहिरा पेश किया है. रांची टेस्ट में रोहित ने शानदार कप्तानी बदौलत इंग्लैंड से हारी हुई बाज़ी जीती. इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में स्पिनर्स के साथ शुरुआत कर रोहित शर्मा ने बड़ी चाल चली थी, जिसमें वो कामयाब भी रहे थे. स्पिनर्स ने ही सभी 10 विकेट लेकर इंग्लैंड को 145 रन के स्कोर पर समेट दिया था. इस दौरान भारत की तरफ से तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज ने सिर्फ 3 ओवर डाले थे. वहीं दूसरे पेसर आकाश दीप को एक भी ओवर करने का मौका नहीं मिला था.

2. यशस्वी जायसवाल ने संभाला मोर्चा

इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबलों में यशस्वी जायसवाल ने शानदार बैटिंग कर अच्छी शुरुआत दिलाई. चार मैच में जायसवाल 2 दोहरे शतक जड़ चुके हैं, जिसके साथ वो सीरीज़ में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बैटर हैं. भारतीय ओपनर 8 पारियों में 93 .57 की शानदार औसत से 655 रन बना चुके हैं.

3. युवा खिलाड़ी ध्रुव जुरेल का आना

शुरुआती दो टेस्ट में केएस भरत टीम इंडिया के लिए बतौर विकेटकीपर खेले, लेकिन तीसरे मुकाबले से उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर किया गया और ध्रुव जुरेल को मौका मिला. जुरेल ने राजकोट टेस्ट के ज़रिए भारतीय टेस्ट टीम के लिए डेब्यू किया, जिसके बाद वो दोनों ही मुकाबले में भारत के लिए उपयोगी साबित हुए. राजकोट टेस्ट में जुरेल ने इकलौती पारी में 46 रन बनाए और फिर रांची टेस्ट में उन्होंने 90 और 39* रनों की अहम पारियां खेलीं.

4. बुमराह ने की सटीक गेंदबाजी

जहां भारतीय पिचों पर स्पिनर्स का बोलबाला होता है, वहां जसप्रीत बुमराह तीसरे टेस्ट तक सीरीज़ में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ थे. जहां तेज़ गेंदबाज़ विकेट को तरस रहे थे, वहां बुमराह इंग्लिश बैटर्स का जीना हराम किए हुए थे.

टीम का एकजुट होना

अब तक खेले गए सभी चार मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ी एकजुट दिखाई दिए. यानी, भारतीय खिलाड़ियों का सभी मुकाबलों में टीम के लिए योगदान रहा, जो सीरीज़ जीतने में भारत के लिए बड़ा प्वाइंट रहा.

धौनी सिर्फ एक हैं: गावस्कर

खेल संवाददाता। रांची

आईआईएम रांची कैंपस में आईपीएल के प्रमोशन में पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर और वरुण एरोन पहुंचे. इस कार्यक्रम में स्टूडेंट्स के सवालों का उन्होंने जवाब दिया. कार्यक्रम में बताया गया की वरुण एरोन भी इस साल आईपीएल में कमेंट्री करते दिखेंगे. सुनील गावस्कर ने वरुण को कमेंट्री की एडवाइस देते हुए मजाकिया अंदाज में कहा की जब कोई 4 या 6 मारे तो बस कहना है वाह.. क्या शॉट मारा इसके पहले वाले 2-3 शब्द को नही बोलना है. गावस्कर ने धोनी को अपना फेवरेट प्लेयर बताया.

उन्होंने कहा की धौनी की बैटिंग स्टाइल की दुनिया दीवानी है, उनके कीपिंग का जवाब नहीं. क्रिकेटर्स उनकी कॉपी करते अक्सर मैदान में दिखते हैं, लेकिन धौनी सिर्फ एक ही हैं. उन्होंने धौनी में अपनी टी शर्ट पर लिए ऑटोग्राफ का किस्सा बताते हुए कहा की आईपीएल के एक मैच के दौरान मैं कमेंट्री कर रहा था. पिछले सीजन में चेन्नई ने मैच जीता था, ग्राउंड में टीम जश्न मना रही थी.. तब भीड़ का फायदा उठा कर मैं भी कमेंट्री करते हुए धौनी के पास गया और उनसे अपनी शर्ट पर ऑटोग्राफ ली थी. उनकी साइन की हुई शर्ट आज भी मेरे दिल के बेहद करीब है. इस कार्यक्रम में आईआईएम के स्टूडेंट्स के साथ आईपीएल पर डिस्कशन और क्विज राउंड हुआ और उनके सवालों का जवाब दिया. सुनील गावस्कर ने क्रिकेट से जुड़ी अपनी काफी यादें साझा की. स्टूडेंट्स ने पूछा कि वे रांची में हैं और धौनी फेवरेट हैं...ऐसे में आईपीएल में वे किस टीम को सपोर्ट करते हैं, उन्होंने कहा कि दो टीमें मेरी फेवरेट हैं...मैं मुंबई का रहने वाला हूं इसलिए मुंबई पसंदीदा टीम है...लेकिन चेन्नई का खेल मुझे बेहद पसंद है.

आरोप: गौशाला न्यास समिति को गोवंश के संवर्धन की चिंता नहीं

गो-माता के नाम पर लूट

- मिट्टी के भाव गौशाला की जमीन बेच डाली, खरीदार राजकुमार केडिया को ही बना दिया ट्रस्टी
- न्यास समिति के पुनीत पोद्दार, प्रदीप राजगढ़िया, रतन जालान पर मढ़ा मनमानी का आरोप
- कोर्ट में शिकायतवाद दर्ज कराएंगे, फिर भी बात नहीं सुनी गई तो सभी पर क्रिमिनल केस करेंगे

राजन बॉबी। रांची

गौशाला न्यास समिति गो-वंश के संवर्धन की चिंता छोड़, लूट-खसोट में लिप्त है. बाढ़, बुकरू स्थित गौशाला की जमीन मिट्टी के भाव राजकुमार केडिया को बेचकर उन्हें ट्रस्टी बना दिया. 135 लोगों से आजीवन सदस्यता देने के नाम पर पैसा लेकर उन्हें ठेंगा दिखा दिया गया. ट्रस्ट ने सभी सदस्यों से सदस्यता फार्म जमा कराकर उन्हें पावती रसीद भी दी गयी थी, लेकिन वर्ष 2021 के चुनाव के दौरान उन्हें वोट डालने के अधिकार ही नहीं दिया गया. इसके बाद आमसभा में अपनी बात रखने आये नये सदस्यों को यह कहते हुए बाहर निकाल दिया गया कि ये सदस्य हैं ही नहीं. ये आरोप गौशाला न्यास समिति के पूर्व सचिव ज्योति बजाज और ललित कुमार पोद्दार ने समिति के वर्तमान पदाधिकारियों पर लगाए हैं. यह भी कहा कि गोवंश की सेवा के बजाय ये उनके नाम पर आयी संपत्ति का वारा-न्यारा करने में जुटे हैं.

आरोप है कि जब गौशाला की दान में मिली जमीन बेचे जाने पर सवाल खड़े किए गए, तो समिति के कुछ पदाधिकारियों ने न उनसे दुर्व्यवहार किया, बल्कि बुरे परिणाम भुगतने की धमकी भी दी. दरअसल समिति के पदाधिकारी गो सेवा के नाम पर अपनी जेबें भरने में जुटे हैं. यानी उनमें होड़ मची है- गो माता के नाम गौशाला की संपत्ति लूट सको तो लूट. कहा कि पदाधिकारियों के खिलाफ कोर्ट भी जायेंगे और उनके खिलाफ थाने में आपराधिक केस भी दर्ज कराएंगे. ललित पोद्दार ने बताया कि समिति की अनियमितता की शिकायत गो सेवा आयोग और गृह मंत्रालय से भी लिखित तौर पर की जा चुकी है.

गो-माता की सेवा नहीं राजनीति कर रहे हैं ट्रस्टी

अग्रसेन भवन में सोमवार को मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व सचिव ज्योति बजाज और ललित कुमार पोद्दार ने कहा कि गौशाला न्यास समिति की लूट नीति व धांधली से सदस्य आहत हैं. पिछले कुछ वर्षों से गो माता की सेवा की आड़ में संस्था में राजनीति हो रही है. सेवा की भावना तो रह ही नहीं गयी है. सिर्फ दान में मिली संपत्ति की लूट-खसोट पर ही ध्यान केंद्रित है. समिति के कुछ पदधारी निजी स्वार्थ के लिए कार्य कर रहे हैं. ट्रस्ट को जागीर समझ लिया है. अपना आधिपत्य जमाए रखना चाहते हैं. लेकिन हम किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देंगे. 28 को होनेवाले चुनाव का बहिष्कार करने की अपील पूर्व सचिव ज्योति बजाज और ललित कुमार पोद्दार ने कहा कि नियम कानून को ताक पर रख कर पदाधिकारी अपनी सुविधानुसार चुनाव कराकर समिति पर कब्जा बरकरार रखना चाहते हैं, ताकि गौशाला की संपत्ति की लूट-खसोट का राजफाश न हो सके. उन्होंने सदस्यों से बुधवार 28 फरवरी को होने वाले चुनाव का बाहिष्कार कर गौशाला को बचाने की अपील की. कहा कि गौशाला को बचाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे.

पहली बार गौशाला से बाहर कराया जा रहा चुनाव

गौशाला न्यास समिति के सदस्य सुरेश चंद्र अग्रवाल, विनोद कुमार जैन, बेनी प्रसाद अग्रवाल, निरंजन सर्राफ , पवन पोद्दार, कौशल राजगढ़िया, पवन शर्मा, संजय सर्राफ, निर्भय शंकर हारित, अमित बजाज, विनीत जालान, अमित मुनका ने आरोप लगाया कि सदस्यों के हंगामे के डर से पहली बार न्यास समिति का चुनाव गौशाला से बाहर कराया जा रहा है. गौशाला में जगह की कोई कमी नहीं है. अबतक यही चुनाव होता रहा है. लेकिन पहली बार गौशाला से बाहर मोरहाबादी के मान्या पैलेस में चुनाव कराने का एकतरफा फैसला कर सदस्यों को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है. ऐसा कर गौशाला के पैसों को बर्बाद किया जा रहा है.

जैन, माहेश्वरी और ब्राह्मण समाज हुए किनारे

कुछ पदाधिकारी ट्रस्ट पर हमेशा कब्जा जमाये रखना चाहते हैं. इसी उद्देश्य से अपने पसंदीदा लोगों को ही सदस्य बनाते हैं, ताकि उनकी स्वार्थपूर्ति में कोई अड़चन न आये. ज्योति बजाज ने बताया कि ट्रस्ट में सिर्फ एक खेमा के लोग ही शामिल किये जा रहे हैं. अन्य समाज के लोगों को तो जोड़ा ही नहीं जा रही है. मारवाड़ी समाज के जैन, माहेश्वरी और ब्रह्मण को भी जानबूझ कर दूर रखा जा रहा है.

समिति को पॉकेट संस्था बना डाला

समिति के पदाधिकारियों की धांधली का प्रचार करेंगे

पदाधिकारियों की धांधली का प्रचार-प्रसार करेंगे. उनकी करतूतों का पर्दाफाश करेंगे. बताएंगे कि कैसे उन्होंने गौशाला की संपत्ति की लूट-खसोट कर दी है.

हमारे समाज के बुजुर्गों की धरोहर रही है गौशाला

गौशाला बुजुर्गों की धरोहर है, अभिभावकों ने समाज के हर वर्ग को इसमें जोड़ने की कोशिश की थी. इसी भावना से समाज के विभिन्न वर्गों के लोग तन, मन और धन से गो माता की सेवा करना चाहते हैं और इस संस्था से जुड़ना चाहते हैं, लेकिन ट्रस्ट के कुछ लोग मनमानी कर रहे हैं.

बिना आम सहमति के ही चुनाव कराने की घोषणा कर दी गई

नये सदस्य होने का दावा करने वाले पीड़ित लोगों के दबाव के कारण चार फरवरी को होनेवाला चुनाव स्थगित कर दिया गया था. ज्योति बजाज बताते हैं कि चुनाव की घोषणा के बाद जब वोटर लिस्ट जारी की गयी, तो उसमें इनलोगों का नाम नहीं था. 50 अघोषित लोगों को नया सदस्य बना कर लिस्ट जारी कर दी गयी थी. पुनः पीड़ित लोगों ने सदर अनुमंडल पदाधिकारी, रांची के पास शिकायत दर्ज करायी .एसडीओ ने चैयरमेन रतन लाल जालान को मामला सुलझाने को कहा. बाद में ट्रस्ट बोर्ड और समाजसेवियों के साथ वार्ता हुई. इसमें चुनाव स्थगित कर सर्वसम्मति बनाने का निर्णय लिया गया था, पर आम सहमति के बैगर ही चुनाव की घोषणा कर दी गयी, जो सरासर गलत है.

समाज के सौ से भी ज्यादा लोग हैं आहत

गौशाला न्यास समिति ट्रस्ट के फैसले से वैसे सौ से ज्यादा लोग आहत हैं, जिन लोगों को आजीवन सदस्यता की सारी प्रक्रिया करने के बाद भी सदस्यता नहीं दी गयी. उस समय भी नये सदस्य का फार्म जमा कराने वालों ने पदाधिकारियों को लीगल नोटिस भेजा था. सदर अनुमंडल पदाधिकारी, रांची के पास लिखित शिकायत भी दर्ज करायी थी,लेकिन किसी तरह की प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हुई.

स्वार्थ सिद्धि के लिए कर रहे बदनाम: रतन जालान

गौशाला न्यास समिति पर लगाये गये सारे आरोप निराधार और गलत है. कुछ लोग स्वार्थसिद्धि के लिए समिति को बदनाम कर रहे हैं. ट्रस्ट सेवा भावना के साथ पूरी पारदर्शिता से गौशाला का संचालन कर रही है. 135 लोगों को गलत प्रक्रिया से सदस्य बनाया जा रहा था. ट्रस्ट की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेकर 30 नए सदस्य बनाये गये हैं, जिनमें दावा करने वाले लगभग 28-30 लोगों को भी शामिल किया गया है. कहा कि जो लोग खुद को ठगा गया बता रहे, उन्हें किसी और ने भरमा दिया है. न्यास समिति की इसमें कोई गलती नहीं है. जिनके पास रसीद है, उन्हें पैसा लौटाया जा रहा है .सदस्य बनने के इच्छुक सेवा भावना से गौ माता की सेवा के लिए जुड़ रहे हैं. समय आने पर उन्हें भी जायज प्रक्रिया के तहत मौका दिया जाएगा.

गड़बड़ी की आईजी-डीआईजी ने, और भुगत रहे हैं एसपी

तबादले में पुलिस मैनुअल के रेंज व जोन का ध्यान नहीं रखा

सौरभ सिंह। रांची

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर हुए इंस्पेक्टर-दारोगा के तबादले में बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई है. एक आईजी और एक डीआईजी की भूमिका संदेह के घेरे में है, क्योंकि दो अफसरों ने ही तबादले की लिस्ट तैयार की थी. इन्हीं दोनों अफसरों ने डीजीपी समेत अन्य सीनियर अफसरों को अंधेरे में रखा, जिससे तबादले में गड़बड़ी हुई है. हड़बड़ी को लेकर चुनाव आयोग ने आपत्ति जतायी, तो बाद पूरे विभाग की फजीहत हो रही है. इसका खामियाजा जिलों के एसपी को भुगतना पड़ रहा है. ताजा सूचना कोडरमा जिले से है.

25 जनवरी को कोडरमा के एसपी ने वहां के डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी को एक पत्र लिखा है. पत्र की प्रति पुलिस मुख्यालय के अफसरों को भी भेजी है. पत्र से स्पष्ट होता है कि तबादले में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है और चुनाव आयोग के निर्देशों को नजरअंदाज किया गया है.

गिरिडीह-हजारीबाग का कुछ हिस्सा कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में आता है : पत्र के मुताबिक, गिरिडीह जिला का अधिकांश हिस्सा और हजारीबाग जिला का कुछ हिस्सा कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में आता है. साथ ही कोडरमा जिला का कुछ हिस्सा हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में आता है. कोडरमा जिला में पदस्थापित किये गये एक इंस्पेक्टर और 18 दारोगा हजारीबाग या गिरिडीह जिला से बदल कर आये हैं. एक इंस्पेक्टर और चार दारोगा हजारीबाग जिला से और 14 दारोगा गिरिडीह जिला बल से आये हैं. एसपी ने डीसी को पत्र लिखकर आगे की कार्रवाई का अनुरोध किया है.

तबादला सूची ने खड़े किये कई सवाल

तबादला सूची ने कई सवाल खड़े कर दिये हैं. पहला यह कि क्या मुख्यालय के दोनों अफसरों को इतना भी नहीं पता कि संसदीय क्षेत्र, जिलों की सीमा रेखा से बाहर है. दूसरा सवाल यह उठ रहा है कि बगल के जिले में तबादला करने की क्या मजबूरी थी. तीसरा सवाल यह है कि पुलिस मैनुअल के प्रावधानों के तहत तबादले में रेंज व जोन का ध्यान क्यों नहीं रखा गया. चौथा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि आखिर किस मापदंड और नियम के तहत ए ग्रेड के जिला से ए ग्रेड के जिला में ही तबादला किया गया.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ सीबी शर्मा
सर्जरीः	डॉ विनय प्रताप
ऑर्थोपेडिकः	डॉ जीके गुप्ता
न्यूरोसर्जरीः	डॉ आनंद प्रकाश
टीबी एवं चेस्टः	डॉ ब्रजेश मिश्रा
ईएनटीः	डॉ संदीप कुमार (पहली पाली), डॉ बिनोद कुमार सिन्हा (दूसरी पाली)
नेत्रः	डॉ राहुल कुमार
सायकेट्रीः	डॉ अजय बाखला
सीटीवीएसः	डॉ विनीत महाजन
कार्डियोलॉजीः	डॉ हेमंत नारायण
नेफ्रोलॉजीः	डॉ प्रज्ञा पंत

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार और डॉ सत्येंद्र
- सर्जरीः डॉ अजीत कुमार
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ विनीता जे एक्का और डॉ तान्या प्रिया
- पीडियाट्रिक (शिशु रोग): डॉ अभिषेक
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- ऑनकोलॉजीः डॉ गुंजेश
- नेफ्रोलॉजीः डॉ नवीन कुमार बर्णवाल

सदर थाना प्रभारी पर आदिवासी समाज को गाली देने का आरोप, सड़क से लेकर सदन तक उठी बर्खास्त करने की मांग

पुतला फूंका, लगाए नारे- आदिवासी विरोधी थानेदार हाय-हाय, हाय-हाय

संवाददाता। रांची

मणिपुर और मध्य प्रदेश में आदिवासी समाज के उपर हो रहे अत्याचार का मामला लोगों के जेहन से उतरा भी नहीं था कि झारखंड की राजधानी में एक थाना प्रभारी द्वारा आदिवासी समाज को गाली देने और अभद्र व्यवहार करने का मामला सामने आया है. इसका विडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है. इसे लेकर आदिवासी समाज द्वारा एससी-एसटी थाना में शिकायत भी दर्ज कराई गई है. थाना में जाकर भी काफी हंगामा किया है.

वहीं, आरोपी थाना प्रभारी के खिलाफ अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने से सरकार और प्रशासन के उपर अंगुली उठनी शुरू हो गई है. आदिवासी समाज के लोगों का गुस्सा सड़क पर दिखने लगा है. और यह मामला झारखंड में एक ज्वलंत मुद्दा का स्वरूप लेता जा रहा है. इस बीच सोमवार को विभिन्न आदिवासी समाज के लोगों द्वारा जयपाल सिंह मुंडा मैदान से रैली निकाली गई और अलबर्ट एक्का चौक पहुंच कर सदर थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत का पुतला जलाया गया. लोगों ने कहा कि झारखंड में ऐसे बेलगाम अधिकारी की सेवा नहीं चलेगी. आदिवासी समाज से गलत व्यवहार करने वाले लोगों को सबक सिखाने का काम किया जाएगा.

जमीन पर अवैध कब्जा की शिकायत करने के लिए थाना गए थे पीड़ित

मीना मुंडा व प्रवीण कच्छप ने बताया कि कोकर गढ़ा टोली शांति नगर में उनकी 18 डिसमिल जमीन है. इस जमीन पर अवैध तरीके से जमीन कारोबारी काम करना शुरू कर दिया था. इसकी शिकायत करने वह 22 फरवरी को पूरे परिवार के साथ सदर थाना पहुंची थी. लेकिन सदर थाना प्रभारी ने आवेदन लेने के बजाय पूरे परिवार को गंदी-गंदी गाली देते हुए थाना से भगा दिया.

राज्य सरकार नींद से जागे,नहीं तो तेज होगा आंदोलन : कुंदरसी मुंडा

अखिल आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष कुंदरसी मुंडा ने कहा कि सदर थानी प्रभारी लक्ष्मीकांत को अविलंब बर्खास्त किया जाए. थाना प्रभारी ने आदिवासियों को गाली दी है. मुंडा ने कहा कि सरकार की नींद तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं कि आदिवासियों के उपर हो रहे अत्याचार को रोकिए, नहीं तो चंपाई सरकार का भी सड़क पर पुतला जलाया जाएगा.

सदर थाना प्रभारी को अविलंब बर्खास्त करे सरकार : प्रवीण कच्छप

प्रवीण कच्छप ने कहा कि सदर थाना प्रभारी के पास जमीन के मामला को लेकर आवेदन देने गए थे. लेकिन, कार्रवाई करने के बजाय थाना प्रभारी ने आदिवासी समाज को गंदी-गंदी गाली देते हुए हैसियत में रहने की धमकी दी. उन्होंने एससी-एसटी एक्ट की अवलेना की है. ऐसे थाना प्रभारी के उपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करते हुए सरकार अविलंब बर्खास्त करे.

विधायक नेहा शिल्पी तिर्की ने विधानसभा में मामला उठाया

मांडर विधायक नेहा शिल्पी तिर्की ने सदर थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत द्वारा आदिवासी समाज के लोगों के साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार करने के मामले को विधानसभा के बजट सत्र में उठाया. उन्होंने कहा कि इस प्रकरण के चार दिन बीतने के बाद भी थाना प्रभारी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. मांडर विधायक ने सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कार्रवाई की मांग की.

माकपा के एसएसपी को पत्र लिख की कार्रवाई की मांग

माकपा के रांची जिला कमेटी और जनजातीय सुरक्षा मंच ने आदिवासियों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले सदर थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज करने की मांग की है. इसे लेकर माकपा के सचिव सुखनाथ लोहरा ने एसएसपी को पत्र लिखा है. जनजातीय सुरक्षा मंच के प्रदेश युवा संयोजक सन्नी उरांव ने कहा है कि अगर आरोपी थाना प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

कांग्रेस महासचिव से मिले मीर और ठाकुर

रांची। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव सह संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल से दिल्ली स्थित उनके आवास पर झारखंड प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सोमवार को मुलाकात की. इस दौरान झारखंड में संगठन और सरकार की ओर से किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी. साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के संदर्भ में विशेष चर्चा की.

राज्य समन्वय समिति के सदस्य का इस्तीफा

रांची। राज्य समन्वय समिति के सदस्य योगेंद्र प्रसाद ने अपने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपना इस्तीफा राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष शिबू सोरेन को भेजा था, जिसे कार्मिक विभाग को भेजा गया था. कार्मिक में इसे स्वीकार करते हुए अधिसूचना जारी कर दी है. बता दें कि योगेंद्र प्रसाद राज्य पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष बनाए गए हैं. इसके बाद प्रसाद समिति के सदस्य पद पर नहीं रह सकते थे. इसीलिए उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया. इनका इस्तीफा 23 जनवरी 2024 की तिथि से मंजूर कर लिया गया और इसे लेकर कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है.

हाथी से बचाव के लिए उठाएं प्रभावी कदम : बंधु

रांची। पूर्व मंत्री और झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि रांची जिले के बेड़ो प्रखंड सहित आसपास के क्षेत्र में हाथियों का उत्पात चरम पर है और उनसे बचाव के लिए वन विभाग को प्रभावी कदम उठाना चाहिए. उन्होंने निर्देश दिया कि वन विभाग, ग्रामीणों के साथ बैठक कर प्रभावी कदम उठाए और उनके मध्य पटाखे, किरासन तेल, टॉर्च एवं अन्य बचाव सामग्री का व्यापक स्तर पर वितरण करे. बंधु तिर्की ने बेड़ो के वन क्षेत्र पदाधिकारी से बात कर निर्देश दिया कि ग्रामीणों की फसल को हाथियों द्वारा की जा रही क्षति का उन्हें यथोचित मुआवजा देने के साथ ही संबंधित वनकर्मियों को सतर्कता के साथ काम करने का निर्देश दें.

जिला स्तरीय परामर्शदातृ समिति की बैठक में उपायुक्त ने दिए कई निर्देश

सीडी रेशियो पर जताई नाराजगी

संवाददाता। रांची

- वर्तमान में सीडी रेशियो 43 .97 % 60 % का लक्ष्य हासिल करने का रांची उपायुक्त ने दिया निर्देश

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने सोमवार को समाहरणालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यान्वयन सह परामर्शदातृ समिति की बैठक की. बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, मुद्रा ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए.

उपायुक्त ने ऋण जमा अनुपात (सीडी रेशियो) 43.97 % पर नाराजगी जताते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में कम से कम 60% ऋण जमा अनुपात पूरा करने का निर्देश सभी बैंक अधिकारियों को दिया.

शाखा प्रबंधकों को ससमय ऋण स्वीकृत करने का निर्देश : उपायुक्त ने स्वयं सहायता समूह, मुद्रा ऋण, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना आदि सामाजिक योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित सभी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए. सभी बैंकों के शाखा प्रबंधकों को तय लक्ष्य के मुताबिक ससमय ऋण स्वीकृत करने का निर्देश दिया. कहा कि ऋण स्वीकृत करने में किसी तरह की कोताही नहीं बरती जानी चाहिए. योजनाओं का लाभ हर हाल में आम लोगों को मिले, यह सुनिश्चित होना चाहिए.

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की अच्छी उपलब्धि को सराहा : उपायुक्त ने जिला स्तरीय परामर्शदातृ समिति की बैठक में बैंकों द्वारा सालाना वार्षिक योजना में दिए गए लक्ष्य की समीक्षा करते हुए मुख्य रूप से किसान क्रेडिट कार्ड से संबंधित जानकारी ली और सभी शाखा प्रबंधकों को लक्ष्य ससमय हासिल करने का निर्देश दिया.

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की अच्छी उपलब्धि की सराहना भी की. प्राथमिक क्षेत्र ऋण, जिसमें किसान क्रेडिट कार्ड ऋण के अलावा कृषि पर निवेश, मुर्गीपालन, बकरीपालन, मछली पालन, सुकर पालन पर विशेष ध्यान देते हुए इसके लाभुकों को लाभ देने और जल संसाधन कृषि यंत्रीकरण पर चर्चा करते हुए हर हाल में इसका लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया. बैठक में जिला विकास प्रबंधक (नाबार्ड) डीटी लुगुन, अग्रणी जिला अधिकारी (आरबीआई) रश्मि, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक राजीव रंजन, जिला कृषि पदाधिकारी रामशंकर सिंह, अग्रणी जिला प्रबंधक रांची संजीव कुमार चौधरी सहित सभी बैंकों के को-ऑर्डिनेटर और सभी संबंधित पदाधिकारी शामिल थे.

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने की कार्रवाई

आर्म्स एक्ट के आरोपियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृत

संवाददाता। रांची

- कोतवाली, कांके, अरगोड़ा और बुंडू थानों के आर्म्स एक्ट के आरोपियों के खिलाफ अभियोजन को मिली स्वीकृति

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने कोतवाली, कांके, अरगोड़ा व बुंडू थाना से संबंधित मामले में शस्त्र अधिनियम की धारा के तहत अभियोजन की स्वीकृति प्रदान की है. कांके थाना कांड संख्या 337/23, कोतवाली थाना कांड संख्या- 09/2024, अरगोड़ा थाना कांड संख्या 438/2023 एवं बुंडू थाना काण्ड संख्या- 68/23 के प्राथमिकी अभियुक्तों के खिलाफ संबंधित प्रतिवेदनों का अवलोकन करने के बाद शस्त्र अधिनियम की धारा के तहत अभियोजन की स्वीकृति प्रदान की गयी है.

कांके थाना कांड संख्या- 337/23 में बेड़ो के रहनेवाले सोमा उरांव के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम 25(1-बी)ए/26/35 के तहत अभियोजन की स्वीकृति प्रदान की गयी है. कोतवाली थाना कांड संख्या- 09/2024 में बेलदार मुहल्ला, डोरंडा निवासी गुलाम याजदानी के विरूद्ध शस्त्र अधिनियम की धारा-25 (1-बी)ए/26/35 के तहत अभियोजन की स्वीकृति दी गयी है. अरगोड़ा थाना कांड संख्या 438/2023 में पलामू जिला के रेहला थाना क्षेत्र के गुरहा गांव के मूल निवासी व वर्तमान में अरगोड़ा थाना क्षेत्र के 3/के2 आवास बोर्ड कार्यालय के पास (हरमू हाउसिंग कॉलोनी) निवासी ठाकुर धर्मेंद्र सिंह उर्फ बबलू सिंह और मूल रूप से पंजाब के होशियारपुर के जंडोली के रहनेवाले व वर्तमानमें 7/7, जनता फ्लैट, हरमू हाउसिंग कॉलोनी निवासी रवींद्र सिंह उर्फ बिट्टू सिंह के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम की धारा-25(1-बी)ए/26/27/35 के अन्तर्गत अभियोजन की स्वीकृति प्रदान की गयी है.बुंडू थाना कांड संख्या- 68/23 में निशान हन्नीपूर्ति, सुधीर बोदराव डहारु प्रधान के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम की धारा-25(1-बी)ए/26/27/35 के अन्तर्गत अभियोजन की स्वीकृति प्रदान की गयी है.

कोयला खनन में एनटीपीसी की ऊंची उड़ान

100 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन को हासिल किया

संवाददाता। रांची

एनटीपीसी लिमिटेड ने अपनी कोयला खनन सहायक कंपनी एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) के माध्यम से भारत की अग्रणी एकीकृत बिजली उपयोगिता में 25 फरवरी 2024 को 100 एमएमटी कोयला उत्पादन के उल्लेखनीय मील के पत्थर को पार करके एक और उपलब्धि हासिल की है. एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड ने 1 जनवरी 2017 को अपनी पहली कोयला खदान, पकरी बरवाडीह में कोयला उत्पादन शुरू होने के बाद से 100.04 एमएमटी कोयले का उत्पादन कर के 25 फरवरी 2024 को कोयला उत्पादन में 100 एमएमटी का आंकड़ा पार कर लिया.

उल्लेखनीय है कि कोयला उत्पादन में पहला 50 एमएमटी 1995 दिनों में 19 जून 2022 को हासिल किया गया था, लेकिन अगला 50 एमएमटी कोयला उत्पादन केवल 617 दिनों में हासिल किया गया है. कोयला उत्पादन में निरंतर वृद्धि हासिल करने के लिए, एनटीपीसी ने कई रणनीतियों और प्रौद्योगिकियों को लागू किया है. इनमें कड़े सुरक्षा उपायों को अपनाना, बेहतर खान योजना, उपकरण स्वचालन, कार्यबल प्रशिक्षण और निरंतर निगरानी और विश्लेषण प्रणालियों का कार्यान्वयन शामिल है.

वर्तमान में, एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के पास पांच परिचालन कैप्टिव कोयला खदानें हैं. इसमें झारखंड में पकरी बरवाडीह, चट्टी बरियातु और केरेडारी कोयला खदानें, ओडिशा में दुलंगा कोयला खदान और छत्तीसगढ़ में तलाईपल्ली कोयला खदान है. यह उत्कृष्ट प्रदर्शन एनटीपीसी की ईंधन सुरक्षा में योगदान देने वाली अपनी कैप्टिव खदानों से कोयला उत्पादन बढ़ाने और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रति एनटीपीसी माइनिंग की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड वर्ष 2030 तक प्रति वर्ष 100 एमएमटी कोयला उत्पादन का लक्ष्य रख रहा है.

8 माह से वेतन नहीं मिलने पर रिम्स के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों में आक्रोश

अधीक्षक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

रिम्स में काम कर रहे आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने कई महीने से वेतन ना मिलने के कारण सोमवार को रिम्स अधीक्षक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया. विरोध-प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें पिछले 8 महीनों से वेतन नहीं दिया गया हैं. वेतन मांगने पर सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है. कई कर्मचारियों ने कहा कि 8 महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण भुखमरी की स्थिति हो गई है. दुकानदार उधार देने से मना कर रहे हैं.

मंत्री ने दिया 10 दिनों में वेतन भुगतान का आश्वासन

स्टोर कीपर ऋतुराज मुंडा ने बताया कि हमने रिम्स अधीक्षक के समक्ष बात रखी, तो उन्होंने बताया कि मंत्री जी 10 दिनों में सभी का बकाया वेतन का भुगतान कर देंगे. इसके साथ मौके पर मौजूद अन्य कर्मियों ने बताया कि रिम्स अधीक्षक समेत सभी आला अधिकारी हम से ठीक ढंग से बात तक नहीं करते हैं. वेतन की मांग करने पर नौकरी से निकालने की धमकी देते रहते हैं.

आश्वासन मिला, तो काम पर लौटे कर्मी | विरोध-प्रदर्शन कर रहे कर्मियों को रिम्स अधीक्षक ने जल्द वेतन का भुगतान करवाने का आश्वासन दिया. आश्वासन सुनने के बाद आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने बोला कि अगर 10 दिनों के अंदर वेतन नहीं मिला, तो वह सभी मिलकर काम का बहिष्कार करेंगे.

रांची डीपीआरओ उर्वशी पांडे ने संभाला पदभार

रांची। उर्वशी पांडे ने सोमवार को जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, रांची के रूप में पदभार संभाला. डॉ प्रभात शंकर ने उन्हें पदभार सौंपा. उर्वशी पांडे झारखंड प्रशासनिक सेवा की चतुर्थ बैच की अधिकारी हैं. इससे पहले वे धनबाद में जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी के रूप में कार्यरत थीं. उन्होंने कहा कि जिला में पदाधिकारियों के साथ आपसी समन्वय और सामंजस्य स्थापित करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जायेगा.

मंजूनाथ भजंत्री मामले में झारखंड हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

सक्षम बेंच को मामला ट्रांसफर

संवाददाता। रांची

खास बातें

- ईसीआई ने पूर्व देवघर डीसी के खिलाफ दिया था निर्देश
- चुनाव कार्यों से अलग रखने को कहा गया था

झारखंड हाईकोर्ट में देवघर के पूर्व उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और चुनावी कार्यों से उन्हें अलग रखने के इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई. कोर्ट ने ईसीआई की इस दलील को नहीं माना कि इस मामले की सुनवाई सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (कैट) में होनी चाहिए.

हाईकोर्ट के न्यायाधीश राजेश शंकर की कोर्ट में मेंटीबिलिटी पर बहस हुई. कोर्ट ने कहा कि यह मामला रिट पिटीशन सर्विस (डब्ल्यूपीएस) का नहीं है. क्योंकि, सर्विस मैटर में एंप्लॉय एवं एंपलॉयर का संबंध रहता है. यह मामला रिट पिटीशन सिविल (डब्ल्यूपीसी) का है. इस मामले को डब्ल्यूपीसी के रूप में सुनवाई योग्य मानते हुए हाईकोर्ट ने सक्षम बेंच में ट्रांसफर करने का निर्देश दिया. बता दें कि मामले में ईसीआई की ओर से इसकी सुनवाई कैट में करने का आग्रह किया गया था. राज्य सरकार की ओर से बताया गया था कि प्रार्थी के पास इस मामले को हाईकोर्ट के अलावा कैट में भी ले जाने का भी विकल्प है.

याचिकाकर्ता मंजूनाथ की ओर से कहा गया कि उनके खिलाफ कोई प्रोसीडिंग कभी शुरू ही नहीं हुई है. इसलिए इस मामले को कैट में ले जाना उचित नहीं है. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिंह, प्रेरणा झुनझुनवाला व सुरभी ने पैरवी की.

AFFIDAVIT

I, Aditi Poddar Narsaria daughter of Sri Ashok Poddar and wife of Sri Rahul Ram Narsaria aged 31 years, residing at Vrindavan, Near Kali Mandir, Burdwan Compound, Ranchi - 834001, Jharkhand, do hereby solemnly affirm and declare as under :

1. That my maiden name is Aditi Poddar
2. That I got married to Sri Rahul Ram Narsaria on 07/05/2021 at Swarnabhumi Banquet Hall, Dangratoli, Ranchi.
3. After marriage my name is Aditi Poddar Narsaria and all the records have the same name.
4. I state that Aditi Poddar and the Aditi Poddar Narsaria is the name of one and the same person and that is myself.

I am executing this declaration to be submitted to the concerned authorities for the change of name. I hereby state that whatever is stated herein above are true to the best of my knowledge. Solemnly affirmed at Ranchi on this 15th day of Feb 2024.

Aff. No. 1100/15-02-24

अभियान

बिना लोभ, लालच और दबाव के स्वविवेक से मतदान करना ही नैतिक मतदान : के रवि कुमार

वीडियो सीरीज 'संस्कारी मास्टर जी' का हुआ विमोचन

संवाददाता। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने सोमवार को नैतिक मतदान के संदेश वाली वीडियो सीरीज 'संस्कारी मास्टर जी' का विमोचन किया. इस अवसर पर के. रवि कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग आम जनता को एथिकल वोटिंग के लिए प्रेरित करने का कार्य कर रही है. आम नागरिक किसी प्रलोभन में आकर किसी को वोट न करें, बल्कि योग्य उम्मीदवार को स्वविवेक से वोट दें.

इस उद्देश्य से आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए राज्य भर में एक सकारात्मक माहौल बनाने के लिए मुख्य निर्वाचन कार्यालय द्वारा वीडियो सीरीज 'संस्कारी मास्टर जी' को रिलीज किया जा रहा है.

शॉर्ट वीडियोज में नैतिक मतदान के मुद्दे पर है जोर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 'भाभी जी घर पर हैं' धारावाहिक से लोगों के बीच संस्कारी मास्टर जी के रूप में सुप्रसिद्ध किरदार से प्रेरित होकर मुख्य निर्वाचन कार्यालय द्वारा 'संस्कारी मास्टर जी' सीरीज का निर्माण किया गया है. इस वीडियो सीरीज के विभिन्न शॉर्ट वीडियोज में नैतिक मतदान के मुद्दे पर विशेष रूप से जोर दिया गया है. उन्होंने कहा कि इसे सोशल मीडिया पर सभी जिलों द्वारा प्रचारित-प्रसारित तो किया जा रहा है. साथ ही साथ पोस्टर व बैनर के माध्यम से भी इसका प्रचार किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि संविधान में अमीर, गरीब सभी को किसी जातीय भेदभाव के बगैर वोट देने का समान अधिकार प्राप्त है. इस अधिकार का इस्तेमाल किसी प्रकार के प्रलोभन में आकर नहीं करना चाहिए.

सोशल मीडिया हैशटैग कैम्पेन #संस्कारी मास्टरजी

संस्कारी मास्टर जी के वीडियो सीरीज को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मध्याह्न में सोशल मीडिया हैशटैग कैम्पेन #संस्कारी मास्टरजी भी चलाया गया जो सोसल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर पूरे दिन छाया रहा. इस अवसर पर 'भाभी जी घर पर हैं' धारावाहिक के विजय कुमार जी (संस्कारी मास्टर जी) ने मुख्य निर्वाचन कार्यालय को इस पुनीत कार्य करने का अवसर प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया. उन्होंने बताया कि झारखंड में ही उनका जन्म हुआ है. यहीं से उन्होंने पढ़ाई की. आज इस प्रदेश के लोगों को चुनाव के लिए जागरूक करने का अवसर प्राप्त हो रहा है. यह उनके लिए गौरवान्वित होने का विषय है. इस दौरान विजय सिंह के वयोवृद्ध पिता जगदीश सिंह, माता मूरत देवी तथा बहन किरण देवी भी मौजूद थीं. उनके परिजनों को भी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के दौरान अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नेहा अरोड़ा, संयुक्त सचिव सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी मुख्यालय संजय कुमार सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे.

भाकपा -माले की राज्य कमेटी की बैठक आज से

रांची। भाकपा माले की दो दिवसीय राज्य कमेटी की बैठक 27-28 फरवरी को रांची में होगी. इसमें राज्य के सभी जिलों से 50 से ज्यादा पार्टी नेता और कार्यकर्ता भाग लेंगे. बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य उपस्थित रहेंगे. इनके अलावा राज्य सचिव मनोज भक्त, विधायक विनोद कुमार सिंह, पोलित ब्यूरो सदस्य जनार्दन प्रसाद, गीता मंडल समेत छात्र, युवा, मजदूर, किसान व महिला संगठनों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे. बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति पर विचार किया जायगा. साथ ही कोडरमा चुनाव में पार्टी की तैयारी की समीक्षा होगी. इसके अलावा गिरिडीह एवं कोडरमा जिला के विभिन्न प्रखंडों एवं बूथों के लिए प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे.

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) का तीसरा दीक्षांत समारोह कल

राष्ट्रपति के दौरे को लेकर रांची में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

संवाददाता। रांची

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 28 फरवरी को सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) के तीसरे दीक्षांत कार्यक्रम में शामिल होंगी. राष्ट्रपति के आगमन को लेकर रांची जिला और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं. राष्ट्रपति का कारकेड जिस मार्ग से गुजरेगा, वहां पर तीन लेयर की सुरक्षा रहेगी. राष्ट्रपति की सुरक्षा में छह आईपीएस के अलावा 10 डीएसपी, 25 इंस्पेक्टर, 20 दारोगा के सहित लगभग दो हजार से अधिक अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है. साथ ही राष्ट्रपति की सुरक्षा में बम निरोधक दस्ता के अलावा जैप, आईआरबी, रैफ और जगुआर की टीम को तैनात किया गया है.

एसएसपी चंदन सिन्हा ने सोमवार को बताया कि राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर एयरपोर्ट से लेकर सेंट्रल यूनिवर्सिटी तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. उन्होंने बताया कि तैनात सभी पुलिस अफसरों और कर्मियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया. साथ ही सभी थानेदारों को निर्देश दिया है कि वे लगातार एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाएं. खास तौर पर राष्ट्रपति का जिस इलाके कार्यक्रम है, उन जगहों पर थानेदार को लगातार गश्त करने को कहा गया है. इसके अलावा होटल और लॉज पहुंचकर ठहरे लोगों का भी सत्यापन करने का निर्देश दिया गया है. ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों पर सीधी कार्रवाई की जाएगी.

जवानों की तैनाती की गई है

ऊंची भवनों को चिह्नित किया गया

राष्ट्रपति का कारकेड जिन-जिन मार्गों से गुजरेगा, वहां पर ऊंची भवनों को चिह्नित किया गया है. राष्ट्रपति के आगमन से पहले उन भवनों की छतों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी. राष्ट्रपति की सुरक्षा में कोई चूक न हो इसे देखते हुए पूरे शहर की निगरानी सीसीटीवी से की जाएगी.

वुशु लीग में झारखंड की आस्था को मिला गोल्ड मेडल

संवाददाता। रांची

खेलो इंडिया सीनियर नेशनल वीमेन वुशु लीग के तीसरे दिन सोमवार को झारखंड की आस्था उरांव स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही. लीग की समाप्ति तक आस्था उरांव ने स्वर्ण, प्रिया गाड़ी ने सिल्वर और सोनाली ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया. सोमवार को प्रतियोगिता की समाप्ति तक मणिपुर के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक पदक जीते. वहीं मंगलवार को प्रतियोगिता का समापन समारोह है. इस अवसर पर भारतीय खेल प्राधिकरण के किशन समानिया, वुशु एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के सुहेल अहमद सहित शंभू सेठ, अशोक मौकाशी, पी बेहरा, देवनाम कॉन्डया, चंचल भट्टाचार्य, शिवेंद्र दुबे, उदय साहू, शैलेन्द्र दुबे, डॉ कविता सिंह, मिथलेश साहू, सुनील शांकृत, शैलेन्द्र कुमार, मनोज साहू, अमर प्रियदर्शी मौजूद थे.

छात्रवृत्ति से जुड़ा डेटा विभाग के पास जमा ही नहीं किया

स्कूल प्रबंधन की सुस्ती से छात्रों को स्कॉलरशिप मिलने में हो रही है देरी

- स्कूल प्रशासन के काम की रफ्तार बड़ी धीमी
- 40 स्कूलों से डेटा एकत्र किया जाना बाकी है

तरुण कुमार चौबे। रांची

रांची में प्री-मैट्रिक छात्रों को छात्रवृत्ति मिलने में देरी हो रही हैं. इसका सबसे बड़ा कारण स्कूल प्रशासन के काम करने का रफ्तार हैं. लगभग 200 से अधिक स्कूल प्रबंधन द्वारा छात्रवृत्ति से जुड़ा डाटा विभाग के पास जमा नहीं किया है. जिसके कारण छात्रों को पैसे मिलने में देरी हो रही हैं. दरअसल, एकीकृत जनजातीय विकास न्यायाधिकरण के द्वारा प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत डेटा फीडिंग प्रक्रिया और राशि जारी करने में तेजी लाने के लिए सख्त निर्देश जारी किया गया था. जिसके बाद वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कुल 1,48,645 छात्रों का डेटा फीडिंग हुआ. इनमें 74,292 छात्रों को पहले ही धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है. हालांकि, अभी भी कुछ स्कूल ऐसे हैं, जहां डाटा फीडिंग का काम पूरा नहीं हो सका है.

कैसे मिलती है छात्रवृत्ति

सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करती है. कक्षा 1 से 7 तक के छात्रों के लिए, कोई पारिवारिक आय सीमा नहीं है. जबकि कक्षा 9 और 10 के छात्रों के लिए एसी/एसटी के लिए 2.5 लाख रुपये और पिछड़े वर्ग के लिए 1.5 लाख रुपये की पारिवारिक आय सीमा निर्धारित है. ई-कल्याण पोर्टल विभिन्न योजनाओं के तहत अलग-अलग वित्तीय सहायता राशि प्रदान करता है. जिसमें अधिकतम राशी 25,000 रुपये है. कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को 1,500 रुपये की वार्षिक छात्रवृत्ति मिलती है. जबकि कक्षा 6 से 8 तक एसी/एसटी और पिछड़े वर्ग के छात्रों को 2,500 रुपये मिलते हैं. इन श्रेणियों के छात्रावास के छात्रों को सालाना 2,000 रुपये मिलते हैं. कक्षा 9 और 10 के छात्रों को सालाना 4,500 रुपये मिलते हैं, चाहे वे डे बोर्डर हों या हॉस्टल निवासी.

स्कूल रिकॉर्ड में विसंगतियां

जिला कल्याण विभाग और जिला शिक्षा एवं साक्षरता विभाग किसी भी चुनौती से निपटने और छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं. डीडब्ल्यूओ के एक अधिकारी ने कहा, यह सामने आया है कि स्कूल रिकॉर्ड और आधार कार्ड के बीच छात्रों और अभिभावकों के नाम में विसंगतियां हैं. जिससे डेटा फीडिंग में दिक्कतें आ रही हैं. कई स्कूलों ने ऐसे मुद्दों की सूचना दी है. छात्रवृत्ति देने से पहले यह सुनिश्चित है कि छात्रों कि जानकारी सटीक दर्ज की जाए.

दो चरणों में छात्रवृत्ति राशि जारी की गई

प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति दो चरणों में जारी की गई है, और सभी ब्लॉकों में डेटा फीडिंग का काम चल रहा है. पर कुछ स्कूल प्रबंधन को छात्रों के पंजीकरण और आवश्यक जानकारी अपलोड करने में चुनौतियों आ रही हैं. लेकिन, वरिष्ठ अधिकारियों की फटकार के बाद लगभग 200 शेष स्कूलों में प्रक्रिया में तेजी लाने के प्रयासों के बावजूद भी लगभग 40 स्कूलों से डेटा एकत्र किया जाना बाकी है. इसके जवाब में जिला कल्याण विभाग ने जिला शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को निबंधन एवं फंड जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया है.

कैथोलिक सभा की नई कार्यकारिणी समिति का गठन

अजय जोसेफ टोप्पो बने सभापति

संवाददाता। रांची

रांची के पुरुलिया रोड में संत जोसेफ क्लब के सभागार में रांची पल्ली कैथोलिक सभा की नयी कार्यकारिणी समिति (2024-2026) का चुनाव हुआ. यह चुनाव संत मरिया महागिरजाघर के पल्ली पुरोहित श्रद्धेय फादर आनन्द बेविड खलखो, अन्य पुरोहितगण, माताएं एवं सामलौंग पल्ली के चुनाव पदाधिकारी अनिल पन्ना और अलेक्सीयुस लकड़ा की अगुवाई में संपन्न हुआ. इस चुनाव में 16 टोलों के कैथोलिक सभा के चुने हुए 147 प्रतिनिधिगण एवं अन्य पल्ली के विश्वासी उपस्थिति हुए. सभापति के उम्मीदवार में अजय जोसेफ टोप्पो एवं प्रदीप कुजूर खड़े हुए. जिनमें अजय जोसेफ टोप्पो ने कुल 147 मतों में 113 मत हासिल किये. वहीं विपक्षी प्रदीप कुजूर को केवल 34 मत मिले. इस प्रकार अजय जोसेफ टोप्पो रांची पल्ली कैथोलिक सभा के नये कार्यकारिणी समिति के सभापति चुने गये. बाकी सभी नौ पदों के उम्मीदवार निर्विरोध चुने गये. सभा के अंत में रांची पल्ली कैथोलिक सभा की नयी कार्यकारिणी समिति के नवनिर्वाचित सभापति अजय जोसेफ टोप्पो ने सभागार में उपस्थित सभी लोगों को संबोधित किया एवं अपना आभार व्यक्त कर धन्यवाद देते हुए सभा का समापन किया.

जानिए कौन-कौन बने रांची पल्ली कैथोलिक सभा की नई कार्यकारिणी के पदाधिकारी

1 सभापति - अजय जोसेफ टोप्पो
2 उप सभापति 1 - रंजीत बाडा
3 उप सभापति 2 - हेरमन टोप्पो
4 सचिव - सुनील खलखो
5 सह सचिव 1 - जॉर्ज लकड़ा
6 सह सचिव 2 - निर्मल तिर्की
7 संयुक्त सचिव - प्रकाश रुंडा
8 संगठन सचिव - सुनील लकड़ा
9 कोषाध्यक्ष - संतोष टोप्पो
10 सह कोषाध्यक्ष - सतीश कच्छप

पीठ थपथपाई और हौसला बढ़ाया, दिया आशीर्वाद

दिव्यांग गौरव से मिले सुनील गावस्कर

रांची। रांची में आयोजित चौथे टेस्ट मैच में सुनील गावस्कर कमेंट्री करने पहुंचे थे. उनके रांची में होने की सूचना मिलते ही दिव्यांग गौरव उनसे मिलने के लिए स्टेडियम हर दिन पहुंचता रहा. तीन दिनों तक मुलाकात नहीं हो सकी. फाइनली असें आलम के सहयोग के बाद दिव्यांग गौरव सुनील गावस्कर से मिलने में सफल हुए. गौरव ने व्हीलचेयर से ही सुनील गावस्कर को देखते ही हाथ उठाकर आवाज लगाई. गावस्कर ने इस युवा शुभचिंतक को निराश नहीं करना चाहा और वे व्हील चेयर पर बैठे गौरव के पास पहुंचे. गावस्कर ने गौरव से हाथ मिलाकर उन्हें आशीर्वाद दिया. पीठ थपथपाई और उनका हौसला बढ़ाया.

रांची विवि ने 2024 का छुट्टी कैलेंडर जारी किया

संवाददाता। रांची

रांची विवि ने 2024 का छुट्टी कैलेंडर जारी कर दिया हैं. इस साल विवि में 69 दिन व कार्यालयों में 53 दिन का अवकाश रखा गया है. इस साल रांची विवि में समर वेकेशन एक जून से 20 जून तक रहेगा. वहीं विंटर वेकेशन 24 से 31 दिसंबर तक रहेगा. दुर्गा पूजा अवकाश छह दिन का (सात से 12 अक्टूबर तक) रहेगा. वहीं धनतेरस, दीपावली, चित्रगुप्त पूजा, छठ पूजा की छुट्टी 12 दिन (28 अक्टूबर से नौ नवंबर तक) रहेगी. होली की छुट्टी 25 व 26 मार्च को सिर्फ दो दिन की होगी.

इस साल का अवकास कैलेंडर

- महाशिवरात्रि-आठ मार्च
- होली-25-26 माच 7
- गुड फ्राइडे-29 मार्च
- इद उल फितर, सरहुल-11-12 अप्रैल
- रामनवमी-17 अप्रैल
- मजदूर दिवस- एक मई
- बुद्ध पूर्णिमा-23 मई
- ग्रीष्मावकाश-01-20 जून
- मोहर्रम-17 जुलाई
- आदिवासी दिवस-09 अगस्त
- स्वतंत्रता दिवस-15 अगस्त
- रक्षा बंधन-19 अगस्त
- जन्माष्टमी-26 अगस्त
- गणेश चतुर्थी-सात सितंबर
- करमा पूजा-14 सितंबर
- इद उ मिलादुनबी-16 सितंबर
- विश्वकर्मा पूजा व अनंत चतुदर्शी-17 सितंबर
- गांधी जयंती- 2 अक्टूबर
- नवरात्रा- 3 अक्टूबर
- दुर्गा पूजा- 07 से 12 अक्टूबर
- धनतेरस, दीपावली, चित्रगुप्त पूजा, छठ पूजा 28 अक्टूबर से नौ नवंबर
- गुरूनानक जयंती, बिरसा जयंती, झारखंड स्थापना दिवस-15 नवंबर
- क्रिसमस व विंटर वेकेशन-24-31 दिसंबर

यंग इंडिया रैली में भाग लेने के लिए छात्र रवाना

संवाददाता। रांची

जंतर मंतर दिल्ली में 28 फरवरी को यंग इंडिया रैली में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को रांची से कई छात्र रवाना हुए. इस आयोजित रैली में झारखंड के विभिन्न जिलों से हजारों छात्र हिस्सा लेने जा रहे हैं. मौके पर मौजूद आइसा के राज्य सचिव त्रिलोकि नाथ ने कहा कि पिछले 10 सालों में शिक्षा-रोजगार के नाम पर मोदी सरकार ने केवल धोखा दिया है. झारखंड में लोहा, कोयला, जल-विद्युत प्राकृतिक संसाधनों को केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र को दे दिया गया. लेकिन बहाली ठप है. मोदी सरकार का हमला सिर्फ छात्र-युवाओं के रोजी रोजगार तक सीमित नहीं है.

आज लोकतंत्र संविधान, कोर्ट, चुनाव आयोग और अब तो संसद को भी सरकार के इशारे पर नचाया जा रहा है. देश में युवाओं के मुद्दे पर चुनाव हो, इस लिहाज से देश भर के युवा मोदी सरकार के 10 साल, यंग इंडिया के 10 सवाल! जुमला नहीं जवाब दो, 10 साल का हिसाब दो नारे के साथ हम जंतर मंतर दिल्ली में यंग इंडिया रैली में हिस्सा लेने जा रहे हैं.

विश्वनाथ मंदिर में होगा श्रीशिव बारात का स्वागत

रांची। विश्वनाथ शिव मंदिर में श्रीशिव बारात का भव्य स्वगात किया जायेगा. इसकी तैयारी को लेकर सोमवार को मंदिर परिसर में स्वागत समिति की बैठक हुई. इसमें तैयारियों का जायजा लिया गया. साथ ही कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर विचार-विमर्श किया गया.

प्रार्थना सर्वकलीसिया महिला समिति की बैठक 28 फरवरी को

एक मार्च को विश्व प्रार्थना दिवस

संवाददाता। रांची

कलीसिया विश्वासी सर्वकलीसिया महिला समिति (एसीसीआर) 28 फरवरी को बैठक करेगी. बैठक रांची के बहूबाजार स्थित एचपीडीसी हॉल में की जाएगी. इस बैठक में एसीसीआर समिति में रांची के सभी विश्वसी कलीसिया समुदाय की महिला सम्मलित होगीं. मुख्य रूप से इस बैठक में 1 मार्च को होने वाले विश्व प्रार्थना दिवस की बात की जाएगी.

सर्वकलीसिया महिला समिति की अध्यक्ष हिरामनी लकड़ा ने बताया कि विश्व प्रार्थना दिवस 2024 हर वर्ष मार्च के पहले शुक्रवार को पूरे विश्व में मनाया जाता है. इस दिन दुनिया के 170 से अधिक देशों के विश्वासी एक ही विषय पर प्रार्थना करते हैं. इस वर्ष रांची में यह प्रार्थना दिवस रांची के पुरूलिया रोड स्थित एसडीसी हॉल में 2:30 बजे की जाएगी. इसका संचालन रेव्य ममता बिलुंग के द्वारा किया जाएगा. विश्व प्रार्थना दिवस पर पूरे विश्व की कलीसिया एक ही विषय पर प्रार्थना करती हैं. इस वर्ष के प्रार्थना का विषय फ़िलिस्तीन देश की महिलाओं द्वारा प्रार्थना पत्रिका है. बता दें कि महिला विश्व प्रार्थना दिवस की शुरुआत 1887 में अमेरिका में हुई थी, जब ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क के डार्विन रश जेम्स की पत्नी मैरी एलेन फेयरचाइल्ड जेम्स ने घरेलू मिशनों के लिए एक दिन की प्रार्थना की शुरुआत की. मेथोडिस्ट महिलाओं ने एक सप्ताह की प्रार्थना का शुरुआत की. दो साल बाद, दो बैपटिस्टों ने मिलकर विश्व मिशन के लिए प्रार्थना दिवस मनाया. इन दो महिलाओं द्वारा शुरू किया गया प्रार्थना दिवस 1922 में कनाडा तक हुआ. फिर 1930 में ब्रिटिश द्वीपों तक फैल गया. फिर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सार्वभौमवाद और मेल-मिलाप पर आंदोलन के फोकस से विकास हुआ. बता दें कि 1927 से मार्च महीने में प्रार्थना के दिन को महिला विश्व प्रार्थना दिवस के रूप में जाना जाता है. 1967 में शुरू हुई दूसरी वेटिकन काउंसिल के बाद कैथोलिक महिलाएं इस आंदोलन में शामिल हो गईं. उन्होंने 1969 में मार्च में महिला विश्व प्रार्थना दिवस के साथ अपने मई के प्रार्थना दिवस को एकजुट किया.

WORLD NGO DAY

Nav Bharat Jagriti Kendra
NBJK
Amritnagar, P.O. Korrah
Dist. Hazaribag-825301 (Jharkhand)
Telefax : 06546-26332, E-mail : nbjkco@gmial.com
Er. Satish Girija
Secretary
Mob : 9431140508

Parvatiya Durgam Shiksha Vikash
DOMAIN. Agriculture. Education & Literacy. Health & Family Welfare. Land Resources.
Address. Shashi Vihar, Cheshair Home Road, Bariyatu, Ranchi-9, Jharkhand

भारतीय लोक कल्याण संस्थान
सोसाईटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 21/1860 के अंतर्गत
झारखण्ड सरकार से निबंधित
सामाजिक, कला, सांस्कृतिक
खेल-कूद, शैक्षणिक, स्वास्थ पब्लिकेशन
व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थान
राजनगर, पावर हाउस, धुर्वा, राँची

Chotanagpur Sanskritik Sangh
Estd.1968
HI-98, Harmu Housing Colony
Doranda Ranchi-834002
Phone - 9504900583
Dr. Sachi Kumari
Chief Executive
Chotanagpur Sanskritik Sangh

NACO TI-FSW/MSM/TG
ISACS
Funded By
Jharkhand State AIDS Control Society
Project Office : H/O Mrs. Reshmi Ghosh
By Lane, Opposite Student Girls Hostel
Peace Road, Lalpur, Ranchi-834001
TI PARTNER
JHARKHAND SWABHIMAN
A NGO Regiaded Under Society Registration Act. 21, 1860
Registered Office : B-34, Baldeo Sahay Lane, Church Road, Ranchi-834001

ब्रीफ खबरें

हेमंत सोरेन की याचिका पर फैसला सुरक्षित

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में पूर्व सीएम और बरहेट के विधायक हेमंत सोरेन द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें उन्होंने विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति मांगी थी. सोमवार को दोनों पक्षों की ओर से बहस सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. अब अदालत क्या फैसला सुनाता है, यह देखना काफी महत्वपूर्ण होगा. दरअसल हेमंत सोरेन ने रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कोर्ट ने उन्हें बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था.

घर में चोरी करने घुसे दो चोर धराये

कांके। कांके थाना के प्रेमनगर में सोमवार को दिन में खाली घर में चोरी करने घुसे दो चोर को पुलिस और ग्रामीणों ने पकड़ लिया. सुमन तिग्गा पति अरुण लकड़ा ड्यूटी में चली गईं थीं. जब उनका बेटा लगभग डेढ़ बजे घर लौटा तो देखा कि मुख्य दरवाजा टूटा हुआ है. उसकी आहट पाकर विक्की वर्मा 24 साल पिता रमेश प्रसाद छत से कूद कर भागने का प्रयास करने लगा. उसके दाएं पैर का निचला हिस्सा टूट गया. वहीं दिलीप कुमार बाउंड्री फांद कर भागने लगा.

विधायक ने सड़क निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

राहे। स्थानीय विधायक सुदेश महतो ने सोमवार को राहे प्रखंड के पुरानानगर - महेशपुर गांव में राहे-शिवटंगरा मंदिर सड़क निर्माण कार्य का आधारशिला रखी. ग्राम सड़क योजना के तहत राहे,पाठकडीह-महेशपुर-पुरानानगर- उरांवडीह तक 3.75 किलोमीटर सड़क का निर्माण 1 करोड़ 60 लाख से बनाया जायेगा.इस दौरान ग्राम सड़क योजना के तहत रोड पोआदिरी से गांव पोआदिरी तक 38 लाख से निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किये. शिलान्यास समारोह को सम्बोधित करते हुए विधायक सुदेश महतो ने कहा कि गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य पर गुणात्मक सुधार किया जा रहा है.

आजसू पार्टी बुद्धिजीवी मंच की बैठक संपन्न

तमाड़। प्रखंड पश्चिमी आजसू पार्टी बुद्धिजीवी मंच का सम्मेलन सालगाड़ीह तमाड़ में बुद्धिजीवी मंच के केंद्रीय अध्यक्ष डोमन सिंह मुंडा और केंद्रीय सचिव मुकुंद चंद्र मेहता के उपस्थिति में संपन्न हुआ. जिसमे सर्वसहमति से तमाड़ के जाने माने शिक्षा विद, समाज सेवी कन्हैया सिंह को अध्यक्ष चुना गया.उनके अध्यक्ष बनने से क्षेत्र में संगठन को और मजबूती मिलेगी. अध्यक्ष को विजय सिंह मानकी, हीरालाल दास, जगदीश गुप्ता, प्रदीप कांति, संतोष कुमार गुप्ता, राजकुमार गुप्ता ने बधाई दी.

राष्ट्रपति के रांची कार्यक्रम को लेकर नो फ्लाइंग जोन घोषित

रांची। 28 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का रांची के सीयूजे में कार्यक्रम है. सुरक्षा को लेकर डीसी राहुल कुमार सिन्हा के निर्देश पर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मनातु के आस-पास के क्षेत्रों में ड्रोन, पैराग्लाइडिंग, हॉट एयर बलून एवं अन्य संबंधित गतिविधियों पर रोक लगाते हुए सदर एसडीओ द्वारा नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है. सुरक्षा के दृष्टिकोण से एसडीओ ने 28 फरवरी की सुबह 5 से रात 10 बजे तक के लिए धारा-144 लागू किया गया. इस दौरान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से धुर्वा गोलचक्कर-सिठियो से बालालौंग, गुटुवा, आईटीबीपी चौक से केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मनातु के 500 मीटर की परिधि को ड्रोन, पैराग्लाइडिंग, हॉट एयर बलून पूर्णतः वर्जित रहेंगे.

उमाशंकर के लिए फरिश्ता बने ट्रेन यात्री

मुरी। मुरी रेलवे स्टेशन में सोमवार को जाको राखे साइयां, मार सके न कोए, वाली कहावत चरितार्थ होती दिखी. कहते हैं कि ईश्वर की इच्छा के बिना इस पृथ्वी पर कुछ नहीं होता है. यहां तक कि प्रभु की इच्छा के बिना एक तिनका भी नहीं हिलता. दरअसल, ऐसा ही कुछ आज मुरी रेलवे स्टेशन में हुआ. आपको बता दें कि, सोमवार तकरीबन साढ़े ग्यारह बजे जम्मू तवी टाटा डाउन एक्सप्रेस 18102 में कानपुर से सफर कर रहे यात्री उमाशंकर की चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान मुरी स्टेशन पर फिसल कर पटरी पर जा गिरे.वो एस फाइव में थे और एस फोर के यात्रियों ने घटना को देख लिया.

पीवीआर-न्यूक्लियस मॉल में हुई स्क्रीनिंग, फिल्म का संगीत रांची के रोहन देव पाठक ने दिया है

फिल्म कुसुम का बियाह की हुई स्पेशल स्क्रीनिंग

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची के पीवीआर-न्यूक्लियस मॉल में "कुसुम का बियाह" की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई. कहानी कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान एक वास्तविक जीवन की घटना पर आधारित है. यह फिल्म एक मार्च 2024 को सिनेमाघरों में आने वाली है. सुभेंदु राज घोष द्वारा निर्देशित "कुसुम का बियाह" एक बहुत ही उत्कृष्ट फिल्म है जो आम लोगों के जीवन की अनोखी परिस्थितियों को दिखाती है. प्रदीप चोपड़ा ने अपने अभिनय से सबको हैरान कर दिया है. ऐसा लगता ही नहीं कि अभिनय में उनका पदार्पण आकस्मिक था. उन्होंने अपनी भूमिका को बहुत ही खूबसूरती से निभाया. उनका अभिनय इतना शानदार है कि उन्हें मुंबई में एक बड़े फिल्म पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार और श्रीनगर के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार मिला.

फिल्म की तारीफ इसकी उत्कृष्टता का प्रमाण है. इसे बेतिया अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार और श्रीनगर के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सामाजिक उद्देश्य के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला है. कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान एक वास्तविक जीवन की घटना पर आधारित, "कुसुम का बियाह" एक जोड़े की अस्त-व्यस्त शादी की कहानी है, जो महामारी की सामाजिक चुनौतियों पर ध्यान देती है. यह फिल्म सांस्कृतिक विरासत को समर्पित है और संथाली जनजाति की परंपराओं को विस्तार से दर्शाती है.

चौदह दिवसीय गायत्री महायज्ञ को लेकर दीप यज्ञ का आयोजन

संवाददाता। पिपरवार

गायत्री महायज्ञ को लेकर शक्तिपीठ डकरा में आगामी 10 अप्रैल से 24 अप्रेल तक चौदह दिवसीय 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ को लेकर राय बाजार स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में सोमवार को दीप यज्ञ का आयोजन किया . इस दीप यज्ञ अनुष्ठान को गायत्री परिवार के भोला परिवाजक रविंद्र शर्मा एवं मिथिलेश प्रजापति के निर्देशन में सम्पन्न कराए गए . दीप यज्ञ को सम्पन्न कराने में भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष रितेश केशरी ने मुख्य भूमिका निभाई . दीप महायज्ञ में मुख्य रूप से जगदीश सोनी , रामअवतार गुप्ता, केशव केशरी, रितेश केशरी , राजू गुप्ता, महेश पंडित आदि शामिल थे.

ठगी...रेप केस में फंस गया है बेटा 50 हजार दो, केस रफा-दफा करा देंगे

छत्तीसगढ़ में इंजीनियरिंग कर रहे छात्र के पिता को लगाई 50 हजार की चपत

संवाददाता। धनबाद

आपका बेटा रेप केस में फंस गया है. उसके साथ मारपीट हो रही है. ये कॉल किसी भी माता-पिता के मोबाइल पर आए और उसका पुत्र दूसरे राज्य में पढ़ाई करता हो तो उनका दिमाग काम करना बंद कर देगा, और इसी बीच फोन पर ही मारने पीटने के साथ बच्चे के रोने की भी आवाज आने लगी. अब माता-पिता के पास कोई चारा नहीं था, फोन करने वाला जैसा बताते गया, परिजन वैसा करते गए और पचास हजार रुपये की चोट खा ली.

जी हां, साइबर ठगी का ये अंदाज भी अक्सर देखने को मिल रहा है. धनबाद के तेतुलमारी निवासी राजेंद्र यादव का पुत्र छत्तीसगढ़ में इंजीनियरिंग कर रहा है. दोपहर करीब 12 बजे उनके मोबाइल पर फोन आया और कहा गया कि आपका बेटा रेप केस में फंस गया है. रेप करने वालों के साथ वो भी था, लेकिन उसने कुछ गलत नहीं किया है, लेकिन उसके उपर भी मुकदमा दर्ज किया जाएगा. अगर पचास हजार रुपये तत्काल भेज दो फिर उसे बचा लेंगे. कालिंग के दौरान स्क्रीन पर एक वर्दी और टोपी पहने एक पुलिस अधिकारी का फोटो आ रहा था, इस कारण घर वाले डर ही गए. तुरंत ही मारपीट और रोने की आवाज भी आने लगी. फिर मोबाइल पर ही कहा गया कि रुकिए... क्यों मार रहे हैं, उसके माता-पिता से बात हो रही है न. ये सुनकर राजेंद्र और उनकी पत्नी दोनों बदहवास हो गए और उससे बेटे के साथ नहीं मारपीट करने की बात कहने लगे.

तब फोन करने वाले ने कहा कि जल्द से जल्द से भेजे गए अकाउंट नंबर में रकम डाल दो, राजेंद्र ने भी तत्काल अपने दूसरे बेटे को बुलवाया और उसे पचास हजार रुपये देकर साइबर कैफे भेजा, जहां से पचास हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए गए. इसके बाद फोन करने वाला फिर से एक लाख रुपये की मांग करने लगा. तब राजेंद्र और उसके घर वालों को शक हुआ, इन लोगों ने कहा कि मेरे बेटे से बात कराओ , दूसरी तरफ से आना-कानी की जाने लगी और धमकी देते हुए फोन काट दिया गया. तब तक दूसरे बेटे ने फोन कर अपने भाई से बात कर ली, जहां कहा गया कि उसे तो कुछ नहीं हुआ है. इसके बाद राजेंद्र सीधे तेतुलमारी थाने पहुंचे और वहां मामले की जानकारी दी. वहां से साइबर थाना धनबाद भेजा गया.

लोकल और साइबर के फेर में फंसते हैं पीड़ित

दो लाख या उससे अधिक की साइबर ठगी हो तो मामले की शिकायत साइबर थाने में ली जाती है. इससे कम रकम की बात हो तो फिर संबंधित क्षेत्र के थाने में शिकायत देनी होती है. यह नियम पिछले साल से ही चल रहा है, लेकिन इसके बावजूद भी लोकल थाने वाले पीड़ितों को सीधे साइबर थाने भेज देते हैं. यहां भी ध्यान रखने की बात है यदि साइबर ठगी के मामलों में समय पर शिकायत मिल जाती है तो पीड़ित की रकम को वापस लौटाया जा सकता है. लेकिन थाने वाले पीड़ितों को साइबर थाने भेजते हैं, साइबर थाने आने के बाद इन्हें फिर लोकल थानों में भेजा जाता हे. ऐसे में न सिर्फ पीड़ितों को नाहक परेशानी होती है बल्कि उनका वक्त भी बर्बाद होता है. पुलिस के वरीय अधिकारियों को इस मामले में विचार करने की आवश्यकता है.

कलश यात्रा के साथ शिवशक्ति महायज्ञ शुरू

संवाददाता। अनगड़ा

सिरका में सोमवार को तीन दिवसीय महायज्ञ सह शिव- हनुमान मंदिर का वार्षिक महोत्सव भव्य कलशयात्रा के साथ शुरू हुआ. कलशयात्रा में सैकड़ों कन्याओं और महिलाओं ने भाग लिया. कलशयात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर स्वर्णरेखा नदी से जल लेकर वापस मंदिर परिसर पहुंची. यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा. कलश वितरण भाजपा नेत्री रोशनी खलखो, डॉ अमर कुमार चौधरी, मुखिया रोशन मुंडा, पंसस सावित्री देवी, भाजपा एससी मोर्चा के जिला महामंत्री संजय नायक व विश्व हिंदू परिषद के साहेबराम महतो ने संयुक्त रूप से किया. सभी धार्मिक अनुष्ठान पंडित सूर्य नारायण पाठक के द्वारा संपन्न कराया जा रहा है. इस अवसर पर रोशनी खलखो ने कहा कि यज्ञ के आयोजन से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि आती है. वंही अध्यात्मिक संपदा की भी प्राप्ति होती है. इस तरह के आयोजनों से देवत्व का आगमन होता है. यज्ञ समिति के अध्यक्ष सीताराम पाहन ने बताया कि तीन दिवसीय महायज्ञ के पहले दिन सोमवार को मंडप पूजन, वेदी पूजन, पंचाग पूजन, 27 को अग्नि स्थापन, हवन, अखंड हरिकीर्तन व 28 को पूर्णाहुति तथा भंडारे के साथ यज्ञ का समापन होना है. कलशयात्र को सफल बनाने में यज्ञ समिति के जयशंकर मुंडा, अजित महतो, संजय महतो, बलराम महतो, प्रणव महतो, सूरज कुमार, जगेश्वर महतो आदि का अहम योगदान रहा.

गूगल रीड अलोंग एप्लीकेशन की सेविकाओं को दी गयी जानकारी

मांडर। बालविकास परियोजना पदाधिकारी श्रीमती सुजाता कुमारी की अध्यक्षता में मांडर प्रखण्ड बालविकास परियोजना विभाग के सभागार में 'गूगल रीड अलोंग' एप्लीकेशन के बारे में आंगनबाड़ी सेविकाओं को उन्मुखीकरण किया गया. पिरामल फाऊंडेशन के एस्पिरेशनल भारत कोलेब्रोटिव टीम के द्वारा इस ऐप के फीचर्स को बताते हुए 21 वी सदी में बच्चे स्मार्टफोन का उपयोग गेम्स, विडियोज, रील दिखने के लिए कर रहे है. जिससे की समाज में नकारात्मक प्रभाव देखने मिल रहा है. परंतु अगर गूगल रीड अलोंग एप का इस्तमाल करते है तो बच्चों के अंदर पढ़ने की क्षमता में वृद्धि आती है. इस उन्मुखीकरण में लेडी सुपरवाइजर्स लीलावती कुमारी एवं बिना पाहन और कुल 120 आंगनबाड़ी सेविकाएं उपस्थित थे.

शब- ए- बरात गुनाहों से तौबा की रात होती है : हाफिज मुमताज

संवाददाता। पिपरवार

पिपरवार क्षेत्र और आस पास के इलाकों में शब- ए- बरात अकीदत के साथ मनायी गई.लोगों ने रात भर जागकर खुदा की ईबादत की और अपनी गुनाहों की माफी मांगी. जानकारी के अनुसार दिन में लोगों ने अपने अपने घरों में सिरनी और नेयाज फातेहा कराया, शाम को क्षेत्र के मस्जिदों में मिलाद उन नबी का आयोजन किया गया. मिलाद उन नबी में त्योहार के महत्व पर प्रकाश डाला गया.बचरा जामा मस्जिद के ईमाम हाफिज मुमताज ने त्योहार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शब- ए- बरात की रात खुदा की इबादत करने वाली रात होती है, शब- ए- बरात की रात नमाज पढ़ने और कुरान पाक की तिलावत के साथ खुदा की इबादत करने से लोगों की गुनाहे माफ होती है .इस रात लोग अपने मरहूम पूर्वजों को याद करते है और उसके लिए दुआ मांगते है.अंत मे क्षेत्र, राज्य और देश की खुशहाली के लिए दुआ मांगी गई.त्योहार के दूसरे दिन सोमवार को लोगों ने एक दिन का रोजा भी रखा. कई लोगों ने अपने अपने घरों में नमाज पढ़कर खुदा की इबादत की. क्षेत्र के सभी मस्जिदों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था.

सरला बिरला में खेलो इंडिया गर्ल्स फुटबॉल लीग का होगा फाइनल

संवाददाता। रांची

सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची ने झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित खेलो इंडिया गर्ल्स फुटबॉल लीग के फाइनल मैच की मेजबानी की. इस अवसर पर सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची की प्राचार्या परमजीत कौर, झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव गुलाम रब्बानी, भारतीय खेल प्राधिकरण की कोच साक्षी और झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष शिवेंद्र दूबे उपस्थित थे. इस कार्यक्रम में भारतीय फुटबॉल टीम के अंडर-19 के खिलाड़ी भी उपस्थित थे. फाइनल मैच तीन श्रेणियों में खेला गया. अंडर-13 का फाइनल महिला लीग जीटीएक्स डार्क हॉर्स फुटबॉल क्लब एकेडमी और ऑल झारखंड बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स एकेडमी, अंडर-15 का फाइनल महिला लीग तरुण घोष फुटबॉल क्लब और युवा फुटबॉल क्लब के बीच और अंडर-17 का फाइनल महिला लीग जीटीएक्स डार्क हॉर्स फुटबॉल क्लब एकेडमी और स्टार वॉरियर्स फुटबॉल क्लब के बीच खेला गया. अंडर-13 वर्ग में जीटीएक्स डार्क हॉर्स फुटबॉल क्लब एकेडमी ने तीन गोल से मैच जीता. अंडर-15 वर्ग में युवा फुटबॉल क्लब ने तीन गोल से जीत हासिल की और अंडर-17 वर्ग में स्टार वॉरियर्स फुटबॉल क्लब ने दो गोल से मैच जीता. तीनों श्रेणियों में विजेता टीमों को 50000/- का नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और पदक देकर सम्मानित किया गया. उपविजेता टीमों को भी ट्रॉफी और पदक के साथ 30000/- का नकद पुरस्कार भी मिला. विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने महिला फुटबॉल लीग की सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की. प्राचार्या परमजीत कौर ने महिला फुटबॉल खिलाड़ियों के समर्पण और दृढ़ता की सराहना की. उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे होनहार खिलाड़ियों को देखकर बेहद गर्व है ये खिलाड़ी न केवल अपने लिए बल्कि देश के लिए भी इतिहास रचेंगे.

मरटु मुंडा की मौत दुःखद घटना, प्रशासन आश्रितों के साथ है : बीडीओ

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के हरहंजी खुरहाटोली गांव में जंगली हाथी के हमले में मारे गये मरतू मुंडा के परिजनों से बीडीओ संग्राम मुर्मू ने भेंट की. भुक्तभोगी परिवार को ढांढस बंधाया और अनाज व आर्थिक सहायता किया. उन्होंने कहा कि घटना अत्यंत दुःखद, इस दुःख की घड़ी में पूरा प्रखंड प्रशासन मृतक के आश्रितों के साथ खड़ा है. उल्लेखनीय है कि शनिवार की रात 55 वर्षीय मरतू मुंडा को जंगली हाथी कुचलकर मार दिया. जिससे घटनास्थल पर ही मौत हो गई. बीडीओ ने मृतक के परिजनों को ढांढस बांधा. मृतक के पुत्र रामफल मुंडा को एक क्विंटल चावल, पांच कम्बल और पांच हजार रुपये नगद का सहयोग किये. मौके पर प्रखंड प्रमुख विनीता कच्छप,पंचायत समिति सदस्य राखी भगत, मुखिया लक्ष्मी कोया, सहायक अभियंता पुरूषोतम भाई पटेल, सुरेन्द्र पासवान व प्रेम कुमार सहित कई लोग मौके पर मौजूद थे.

नशाखोरी व छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी : देव प्रताप

संवाददाता। बेड़ो

नरकोपी थाना में थाना प्रभारी देव प्रताप धान (प्रधान) की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. इस मौके पर थाना प्रभारी ने शांति समिति के सदस्यों से परिचय प्राप्त किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि नरकोपी थाना क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाना एवं क्षेत्र में शांति और सदभावना रखना उनकी प्राथमिकता है. उन्होंने ग्रामीणों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली और समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि बिना नंबर प्लेट के ट्रैक्टर सहित अन्य वाहनों का परिचालन नहीं होना चाहिए. उन्होंने वाहन मालिकों को 10 मार्च तक का अल्टिमेटम दिया कहा कि उक्त तिथि तक सभी अपने-अपने वाहनों में रजिस्ट्रेशन नंबर अवश्य लिखवा लें. इस मौके पर उन्होंने कहा कि सभी बाइक चालकों और बाइक सवारों को हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा. नवपदस्थापित थाना प्रभारी देवप्रताप धान ने अपराध पर कंट्रोल के लिए लोगों से सहयोग की अपील भी किया. इस मौके पर वीर बुधु भगत के वंशज शिवपूजन भगत, बेयासी के मुखिया भोला उरांव, सरवा के मुखिया विरेंद्र उरांव, समाजसेवी रविन्द्र प्रसाद सिंगलू, समाजसेवी जमीरूद्दीन अंसारी जुलू मियां, समसुद्दीन अंसारी, पंचायत समिति सदस्य बिगा उरांव, राजकुमार ओझा, युसूफ अंसारी, रेयासुद्दीन अंसारी, मकबुल अंसारी, हबीब अंसारी, मोहम्मद आलम, रंथेश्वर शाही, लालदेव लोहरा, सोमनाथ उरांव, शनि उरांव, हरिनंदन महली, रमेश लोहरा, बैजू उरांव, मदरसा जामिया अरबिया कासीमुल उलूम बेयासी के प्राचार्य डॉ मोहम्मद मुशर्रफ आलम, इमरान अंसारी, मुनसब अंसारी, नेजाम अंसारी सहित दर्जनों लोगों ने हिस्सा लिया.

खास बातें

- नरकोपी थाना में हुई शांति समिति की बैठक
- क्षेत्र में शांति और सदभावना बनाये रखने का निर्णय

डॉ परमेश्वर भगत ने हाथी प्रभावित इलाकों का भ्रमण किया

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के हरिहरपुर जामटोली पंचायत अंतर्गत हरांजी खुरहा टोली में विगत दिन 55 वर्षीय मरटू मुंडा को जंगली हाथी ने कुचल कर मार डाला. ख़बर सुनते ही पूर्व डीडीसी सह समाजसेवी डॉ परमेश्वर भगत मृतक के परिजन से मिले एवं परिजनों को ढांढस दिया. ज्ञात हो की स्व मरटू मुंडा की पुत्री का आज मड़वा था. डॉ परमेश्वर भगत ने आस पास के गांव के लोगो से मिले और कई तरह के समस्याओं जैसे जलमिनार, अबूवा आवास, तालाब, हाथियों का आतंक से अवगत हुए . पिछले 3 महीनों से हाथियों का 3-4 झुंड हरिहरपुर जामटोली, हरहंजी, खुरहा टोली, बहेरा टोली, पंडरा, हुटार एव सरसा के आस पास घूमते रहते हैं और कई तरह के फसलों एवं घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं जिससे ग्रामीणों में भय बना हुआ है. श्री भगत ने तत्काल उच्च अधिकारियों से बात की. विशेष कर मृतक के परिजनों को आपदा से संबधित लाभ एवं हाथियों के भगाने के लिए जरुरी उपकरण उपलब्ध कराते हुए शीघ्र कार्रवाई करने का अनुरोध किया.

हाल एसएनएमएमसीएच के आईसीयू का | आईसीयू में एक-एक मरीज के बेड पर बैठे रहते हैं तीन-तीन रिश्तेदार

एक बीमार के तीन तीमारदार ,मशीन बोले सिर्फ टें..टें...

राजा गुप्ता। धनबाद

मरीजों का इलाज करनेवाले सबसे बड़े अस्पताल एसएनएमएमसीएच के आईसीयू का मॉनिटर भर्ती मरीज का हाल नहीं बताता, बल्कि बार-बार 24 घंटे करता है टेंटें. सरकार की ओर से अस्पताल के हर साल सुविधा व दवा पर करोड़ों खर्च हो रहे. फिर भी मरीजों को सुविधा नहीं मिल रही. इलाज व दवा के अभाव में मरीजों की जान चली जाती है. आईसीयू की तरह इमरजेंसी का भी यही हाल है. यहां भी मॉनिटर की स्थिति ऐसी ही है. गंभीर मरीजों के परिजनों को लगता है कि इलाज बेहतर ढंग से हो रहा है. हृदय गति, ऑक्सीजन संतृप्ति, श्वसन दर, शरीर का तापमान और रक्तचाप आदि मॉनिटर पर लगातार रीडिंग होती रहती है.

परिजनों को लगता है रि सबकुछ ठीक ही है

मरीज व उनके परिजन को लगातार मॉनिटर सबकुछ सही-सही बता रहा है. नर्स भी पूछने पर मरीज या उनके परिजन को मॉनिटर पर दिखनेवाले रीडिंग के बारे में मरीज की हालत बताते हैं. हृदय गति की सही रीडिंग 61 से 99 होनी चाहिए. मरीज की हृदय गति लगातार गिरता जाए और रीड़िंग 61 से 99 के बीच बताए, तो मरीज की हालत काफी गंभीर हो सकती है या फिर जान भी जा सकती है. ऑक्सीजन संतृप्ति भी 95 से 100 होनी चाहिए. यह भी काफी हो और मीनिटर पर 100 बताएं तो भी मरीज काल के गाल में समा सकता है.

एक-एक बेड पर मरीजों से साथ तीन तीमारदार

लोगों का कहना है कि इमरजेंसी हो या फिर आईसीयू, यहां एक-एक बेड पर दो से तीन तीमारदार बैठे रहते हैं. इससे इनफेक्शन हो सकता है. जिसे रोकने वाला कोई नहीं है. इमरजेंसी व आईसीयू में भी सामान्य वार्ड की तरह दुर्गंध आती है. लोग बताते हैं कि आईसीयू व इमरजेंसी में सफाई की बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन यहां सालों भर यही हाल रहता है. सिर्फ मंत्री के आने पर ही व्यवस्था में बदलाव दिखता है. चिकित्सक भी सभी रहते हैं और सफाई चकाचक रहता है. बेड पर बिस्तर व तकिया भी नजर आता है.

आईसीयू और सेंट्रल इमरजेंसी में नहीं दिखते सीनियर डॉक्टर

जानकारों का कहना है कि आईसीयू और सेंट्रल इमरजेंसी में रेजिडेंट, वार्ड बॉय व नर्स ही रहते हैं. गंभीर मरीजों का इलाज इन्हीं पर निर्भर है. जबकि नियमत: 24 घंटे सीनियर डॉक्टर का रहना अनिवार्य है. कुछ मरीज व इनके परिजन कहते हैं कि सुबह से रात तक वे लोग रेजिडेंट, नर्स व वार्ड बॉय को ही देखते हैं. सीनियर डॉक्टर को कभी नहीं देखते हैं. आईसीयू व इमरजेंसी में गंभीर मरीज ही भर्ती रहते हैं. यहां 24 घंटे सीनियर डॉक्टर को रहना चाहिए. गोपालीचक से गोली लगा घायल युवक और चाकू से गला रेता गया जख्मी महिला इमरेंजी में आई थी, लेकिन उस समय सीनियर डॉक्टर नहीं थे, रेजिडेंट, वार्ड बॉय व नर्स ने ही मरीजों का इलाज किया. सीनियर डॉक्टर सिर्फ मोटी तनख्वाह लेते हैं और निजी प्रैक्टिस में लगे रहते हैं.

संबंधित छात्राओं को गोल्ड मेडल और उपाधि प्रदान करेंगे राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन

वीमेंस यूनिवर्सिटी का प्रथम दीक्षांत समारोह 2 मार्च को

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

राजभवन के निर्देश के अनुसार जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के प्रथम दीक्षांत समारोह अब एक के बजाय दो मार्च को होगा. समारोह के अन्य कार्यक्रम यथावत रहेंगे. झारखंड के राज्यपाल सह विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे. समारोह में जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की सत्र 2021-2023 की स्नातकोत्तर मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, बीएड, एमएड, बीपीएड में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा. प्रथम दीक्षांत समारोह में कुल 28 छात्राओं को गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा. मुख्य अतिथि

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन संबंधित छात्राओं को गोल्ड मेडल और उपाधि प्रदान करेंगे.

छात्राओं व शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए ड्रेस कोड : दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाली छात्राएं गाउन और हैट नहीं पहनेंगी. उनके लिए यूनिवर्सिटी की ओर से ड्रेस कोड तय किया गया है. लाल दुपट्टे के साथ सफेद सलवार कुर्ता या सफेद साड़ी लाल बॉर्डर या क्रीम कलर की साड़ी रेड बॉर्डर निर्धारित किया गया है. शिक्षकों के लिए क्रीम साड़ी लाल बॉर्डर एवं सफेद शर्ट के साथ क्रीम कलर की पैंट ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है. सभी कमेटियां दीक्षांत समारोह की तैयारियों में जुटी हैं, ताकि सफलतापूर्वक समारोह का आयोजन किया जा सके.

खास बातें

- 28 छात्राओं को मिलेगा गोल्ड मेडल
- छात्राएं गाउन और हैट नहीं पहनेंगी, तैयारी पूरी
- यूनिवर्सिटी ने तय किया ड्रेस कोड

इन छात्रों को मिलेगा गोल्ड मेडल

बांग्ला-ब्यूटी चक्रवर्ती, अर्थशास्त्र-सिमरन साह, अंग्रेजी-श्रेया गुहा, भूगोल-सुरभि जे मिंज, हिंदी-तहसीन परवीन, इतिहास-किरण दीप कौर, गृह विज्ञान-सुनीता मुंडरी, संगीत-अपूर्व श्रीवास्तव, ओड़िया-नर्मदा कुमारी महापात्र, दर्शनशास्त्र-उर्मिला माडी, राजनीति शास्त्र-अनुप्रिया, मनोविज्ञान-नेहा शर्मा, संस्कृत-मनीषा महतो, उर्दू-सगुफ्ता तरन्नुम, वनस्पति शास्त्र-स्वाति कुमारी, रसायन शास्त्र-महुआ दास, गणित-मनीष शुक्ला, भौतिक-खुशबू कुमारी, जंतु विज्ञान-निशा मांझी, वाणिज्य-श्वेता कुमारी पटेल, बायोटेक्नोलॉजी-जरा हयात अंसारी, एमबीए-शालिनी कुमारी, एमसीए-मेघनाथ पत्तने, लाइब्रेरी साइंस-पामेला दत्ता, एमएड-रितिका सिंह, श्रेया चटर्जी, बीएड-रक्षा सिंह, बीपीएड-प्रीति कुमारी.

रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन चुनावी फंडा : डॉ परितोष

जमशेदपुर। गोविंदपुर रेलवे ब्रिज समेत पूरे देश में हो रहे रेलवे ओवरब्रिज के उद्घाटन को छोटा गोविंदपुर के जिला परिषद डॉ परितोष सिंह सह कांग्रेस के प्रदेश महासचिव ने भाजपा का चुनावी फंडा बता जनता को दिग्भ्रमित का वोट लेने का आरोप लगाया है. इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ परितोष सिंह ने कहा कि विगत 4 वर्षों से स्थानीय सांसद गोविंदपुर की जनता को छलावा देने का काम कर रहे हैं. विगत 3 वर्ष पूर्व ग्राम सभा की गई थी मगर उसके अनुशंसाओं को नहीं गया और 2 वर्ष से ज्यादा होने से ग्राम सभा अमान्य हो जाती है. तो अभी वर्तमान स्थिति में ना ग्राम सभा हुई है, ना हीं भूमि अर्जन करने के लिए कोई नोटिफिकेशन हुआ है, ना ही पथ निर्माण विभाग के द्वारा रेलवे ओवरब्रिज तक एप्रोच रोड को लेकर कोई बात हुई है, तो कैसे गोविंदपुर रेलवे ओवरब्रिज का शिलान्यास किया जा रहा है. ये सिर्फ और सिर्फ जनता को आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए लॉलीपॉप देने का कार्य किया जा रहा है.

बिजली अफसर ऋषि नंदन का निधन, मुख्यालय में शोक

विशेष संवाददाता। रांची

जेबीवीएनएल के जीएम सह चीफ इंजीनियर कॉमर्शियल ऋषि नंदन का रुड़की में हार्ट अटैक से निधन हो गया. वे लगभग 54 साल के थे और अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं. जेबीवीएनएल अफसरों के अनुसार वे पारिवारिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए रुड़की गए हुए थे. उनके निधन पर पूरा ऊर्जा मुख्यालय मर्माहत व दुखी है. अंतिम संस्कार मंगलवार को हरिद्वार में होगा. ऊर्जा मुख्यालय धुर्वा में बिजली अफसरों ने उनके आसमायिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया. मुख्यालय परिसर में बिजली अफसरों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया. इस मौके पर निदेशक केके वर्मा, जीएम समीर मुंडू, सुनील दत्त खाखा, संजय कुमार सिंह, अजीत कुमार, संजय कुमार सहित सभी मुख्यालय स्तर, क्षेत्रीय मुख्यालय स्तर, एरिया बोर्ड स्तर और सर्किल स्तर के इंजीनियर व अफसर शामिल थे. ऊर्जा विभाग के अधिकारियों व कर्मियों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि जेबीवीएनएल से एक मजबूत स्तंभ का यूं जाना खल रहा है. उनके आकस्मिक निधन से जो गहरा खालीपन है, वो भर नहीं पाएगा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष केतु चंद्र रोग भाव में है. शारीरिक कष्ट की आशंका है. भावना में बहकर कोई निर्णय न लें. कुसंगति से हानि होगी. आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी. तनाव रहेगा. आय में निश्चितता रहेगी. धन का आगमन होगा.

वृषभ प्रेम में धोखा मिल सकता है. पर जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा. भाइयों का साथ रहेगा. सभी कार्य पूर्ण सफल होंगे. प्रसन्नता रहेगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. किसी कार्य को लेकर प्रमाद न करें.

मिथुन मेहनत के बल पर धन प्राप्ति सुगम होगा. समय का लाभ लें. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से मनोनुकूल लाभ होगा. जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें. घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी.

कर्क किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है. लगन व उत्साह से कार्य कर पाएंगे. मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा. निवेश शुभ रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

सिंह शिक्षा में सुधार होगा. धनहानि की आशंका है. भावना में न बहकर विवेक का प्रयोग करें. लाभ होगा. कोई शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें. थकान व कमजोरी रह सकती है. भागदौड़ रहेगी. आय में निश्चितता बनी रहेगी.

कन्या मेहनत का फल प्राप्त होगा. असहाय लोगों की मदद करने की इच्छा रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधान रहें. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं. अन्न दान करें.

तुला दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे. प्रसन्नता रहेगी. पुराने मित्रों से मुलाकात होगी. किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय हो सकता है. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. विवाद से बचें. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा.

वृश्चिक काफी समय से कोई बड़ा रुका हुआ कार्य पूर्ण हो सकता है. सफलता प्राप्त होगी. प्रसन्नता का माहौल रहेगा. आय में वृद्धि नए कार्य के साथ हो सकती है. निवेशादि में जल्दबाजी न करें. भाग्य की अनुकूलता का लाभ लें.

धनु कोई बड़ा खर्च सामने आ सकता है. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. कुसंगति से हानि होगी. विवेक का प्रयोग करें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है. नौकरी में किसी से विवाद हो सकता है. क्रोध न करें.

मकर रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है. यात्रा लंबी हो सकती है. पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. नौकरी में नए काम मिल सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी.

कुंभ योजना फलीभूत होगी. आय में वृद्धि होगी. कार्यकारी नए अनुबंध हो सकते हैं. प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होगा.

मीन जीवनसाथी से बहस हो सकता है. किसी विद्वान व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. धन प्राप्ति के प्रयास भरपूर करें. अधिक लाभ की संभावना है. चारों तरफ से सहयोग प्राप्त होगा.

पीठा छाकाव मेले का हुआ समापन

घाटशिला। प्रखंड के फुलपाल में तीन दिवसीय पीठा छाकाव मेला का समापन सोमवार को हुआ. इस मौके पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू मौजूद थीं. मुर्मू ने कार्यक्रम का उद्घाटन कर विजेताओं को पुरस्कृत किया. पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए श्रीमती मुर्मू ने कहा कि मेला संस्कृति से हर वर्ग में भाईचारा बढ़ता है. फुलपाल का पीठा छाकाव मेला क्षेत्र का प्रसिद्ध मेला है. यह 60 वर्ष के गौरवशाली इतिहास को दर्शाता है. परंपरा और संस्कृति को बचाने की जिम्मेदारी अब युवा पीढ़ी पर है. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभा की कोई कमी नही है. पारंपरिक खेलकूद मनोरंजन और प्रतिभा तराशने का उचित माध्यम है.

कतरास पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की

कतरास में दिनदहाड़े बाइक सवार अपराधियों ने की डेढ़ लाख की छिनतई

संवाददाता। कतरास

बैखौफ बाइक सवार दो अपराधियों ने दिनदहाड़े गौशाला पुल के समीप सोमवार को जमुआटांड़ निवासी राजकुमार मंडल से डेढ़ लाख रुपए की छिनतई कर ली. वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी तेजी से बाइक चलाकर राजगंज की ओर भाग निकलें. खबर की सूचना पाकर कतरास थाना प्रभारी असित कुमार सिंह घटनास्थल पहुंच कर भुक्तभोगी से जानकारी लेकर छानबीन में जुट गए. वहीं, घटना के बाद भुक्तभोगी राजकुमार मंडल का रो रोकर बुरा हाल हो रहा था. राजकुमार के अनुसार वह कतरास गढ़ बैंक ऑफ इंडिया से डेढ़ लाख रुपए की निकासी कर पैसे को एक थैले में रखकर बाइक से घर जा रहे थे कि तभी पीछे से गौशाला पुल के समीप एक बाइक में सवार दो अपराधियों ने रुपये से भरा थैला झपट्टा मार ले भागे. वे कुछ समझ पाते, कि तब तक अपराधी उनके नजरों से ओझल हो चुके थे.

उन्होंने बताया कि अपराधियों की संख्या दो थी. बाइक चला रहे युवक ने हेलमेट पहन रखा था, जबकि दुसरे युवक का चेहरा खुला था, जिसे देखने से वे उसे पहचान सकते हैं. इधर, देर शाम भुक्तभोगी ने कतरास पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है. वहीं, थाना प्रभारी ने कहा कि मामले की तहकीकात की जा रही है.

हाउसिंग कालोनी के दो घरों में लाखों की चोरी

धनबाद। हाउसिंग कालोनी के रहने वाले अनुजय कुमार गुप्ता ने सोमवार को धनबाद थाने में अपने और किराएदार राज कुमार भट्टाचार्य के घर चोरी होने की शिकायत की है. बताया है कि रविवार की रात वे अपने दूसरे घर में सोने के चले गए थे. सुबह लौटने पर देखा कि उनके घर और किराएदार का ताला तोड़ दिया है. चोरों ने उनके घर से करीब पचास हजार रुपये नगद, चांदी के जेवरात कपड़ा और सीसीटीवी का डीवीआर चुरा लिया है. जबकि किराएदार के घर से 70 हजार के सोने के जेवरात, बीस हजार रुपये के चांदी के जेवरात, इंडक्शन चूल्हा आदि चोर ले गए हैं.

उग्रवादियों की फायरिंग से जेसीबी ऑपरेटर जख्मी

लोहरदगा। सोमवार की देर शाम कुडू में उग्रवादियों ने फायरिंग की घटना को अंजाम दिया. उग्रवादियों के द्वारा की गई फायरिंग में सड़क निर्माण में लगी जेसीबी के ऑपरेटर के हाथ में गोली लगी. इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क रोजगार योजना के तहत लोहरदगा जिले के कुडू प्रखंड के ब्लॉक मोड़ कुडू से सुंदरू होते हुए बंदुवा मोड़ तक सड़क का निर्माण कराया जा रहा है. इसी दौरान सोमवार शाम को तीन हथियारबंद उग्रवादी पहुंचे और फायरिंग करने लगे. इसमें जेसीबी ऑपरेटर के बाएं हाथ में गोली लगी है. उग्रवादियों ने पर्चा छोड़ते हुए घटना की जिम्मेदारी ली है. सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है.

परिजनों ने रची थी सुलेखा के अपहरण की कहानी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो उलीडीह ओपी अंतर्गत सुभाष कॉलोनी निवासी सुलेखा कुमारी के अपहरण के मामले में एक नया मोड़ सामने आया है. दरअसल सुलेखा का अपहरण नहीं हुआ था वह अपनी मर्जी से अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई. मामले का खुलासा तब हुआ, जब पुलिस ने सुलेखा को घाटशिला से बरामद किया. इसकी जानकारी परिजनों को भी थी पर परिजनों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए अपहरण की कहानी रच डाली. वहीं सुलेखा की सहेली ने भी इसमें परिजनों का खूब साथ दिया.

धुर्वा विधानसभा मैदान में आज होगी संकल्प सभा

झामुमो का उपवास जारी

विशेष संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को लेकर झामुमो का उपवास 12 वें दिन भी जारी रहा. पार्टी अब 27 फरवरी को धुर्वा विधानसभा मैदान में संकल्प सभा का आयोजन करेगी. जिसमें मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन सहित पार्टी के कई नेता, मंत्री, सांसद और विधायक हिस्सा लेंगे. सोमवार को 12 दिन रांची के मोरहाबादी मैदान के गांधी वाटिका के समक्ष झामुमो का हेमंत सोरेन को फंसाए जाने के विरोध में उपवास जारी रहा. 12 वें दिन रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ. मुस्ताक आलम ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा राजनीतिक मंशा से जो कार्रवाई की विपक्षी नेताओं को टारगेट किया जा रहा है. वह पूरे देश की जनता के सामने है. इसी का परिणाम है कि झारखंड की जनता ने अब मन बना लिया है कि हेमंत सोरेन के समर्थन मे आगामी चुनावों मे भाजपा को जवाब देना है. इस मौके पर नंदकिशोर मेहता, सुशीला एक्का, समनूर मंसूरी, पवन जेडिया, डॉ हेमलाल मेहता, अश्विनी शर्मा, कलाम आजाद, जनक नायक, रामानंद बेदिया, अंतू तिर्की, तालकेश्वर महतो, अरुण वर्मा, बबलू राम, जिला संगठन सचिव आदिल इमाम, जुल्फिकार खान, रामशरण तिर्की, आफताब आलम, संजय राय, अरुण वर्मा, महावीर विश्वकर्मा, कैथरीना तिर्की, अजीजुल, सुजित, रतीश द्विवेदी, नयन तारा उरांव, सालो देवी आदि मौजूद थे.

भाजपा 4 मार्च को करेगी हर प्रखंड में प्रदर्शन : पंकज सिंह

संवाददाता। लातेहार

भारतीय जनता पार्टी, जिला लातेहार इकाई की एक बैठक जिला अध्यक्ष पंकज सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. बैठक में जिला अध्यक्ष ने कहा कि आगामी चार मार्च को जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में झारखंड सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया जायेगा. उन्होंने कहा कि वर्तमान झारखंड सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में भय, भूख और भ्रष्टाचार बढ़ी है. हत्या और अपहरण धंधा बन गया है. दिन दहाड़े ज्वेलरी दुकानों में डाका पड़ रहा है और सरकार व प्रशासन आंखें मूंदे बैठी है. इससे पहले डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया गया. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, प्रदेश प्रवक्ता नंद प्रसाद, प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरिकृष्ण सिंह, पूर्व विधायक प्रकाश राम, अवधेश सिंह चेरो, जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री मंजू लता, जिला प्रभारी मुकेश निरंजन सिन्हा समेत जिले के सभी पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित थे. मंच संचालन जिला महामंत्री बंशी यादव ने किया.

पेज 1 का शेष...

दुनिया को अलविदा कह गए 'चिट्ठी आई है' गाने वाले पंकज उधास

बचपन से शुरू हुआ था म्यूजिकल करियर

पंकज के म्यूजिकल करियर की शुरुआत 6 साल की उम्र से हो गई थी. उनके घर में संगीत का माहौल था. इसी को देखते हुए वो भी संगीत की दुनिया में आए और हमेशा से लिए उसके होकर रह गए थे. पंकज उधास बताते थे कि संगीत का पहला एक्सपोजर स्कूल में प्रार्थना करने से शुरू हुआ. उनके संगीत की शुरुआत स्कूल में होने वाली प्रेयर से हुई थी. संगीत का पहला एक्सपोजर स्कूल में प्रार्थना करने से शुरू हुआ. 1980 में उनका पहला एल्बम आहट आया था. इसमें कई गजलें उन्होंने गाई थीं. पंकज उधास अपनी गजल गायिकी के लिए फेमस हुए. उनके फेमस गानों में जिएं तो जिएं कैसे बिन आपके..., 'चिट्ठी आई है..., चांदी जैसा रंग है तेरा, सोने जैसे बाल..., ना कजरे की धार, ना मोतियों के हार... शामिल हैं.

शोक संवेदनाओं का लगा तांता

पंकज उधास के निधन से हर कोई दुखी है. बॉलीवुड से लेकर राजनीति के गलियारे तक सभी तरफ से शोक संवेदनाएं भेजी जा रही हैं. लोकप्रिय गायक और म्यूजिक कंपोजर शंकर महादेवन सदमे में हैं. उन्होंने पंकज उधास के निधन को संगीत जगत का बड़ा नुकसान बताया है. उन्होंने कहा कि इसकी भरपाई नहीं हो सकती. वहीं, सोनू निगम ने भी पंकज उधास के निधन पर इमोशनल पोस्ट लिखा है. सोनू निगम ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर लिखा है, मेरे बचपन का महत्वपूर्ण हिस्सा आज खो गया है. पंकज उधास जी, आप हमेशा याद आएंगे. आप नहीं रहे, यह देख कर मेरा दिल भर आया है. ओम शांति'.

पड़ोसी के घर में फरीदा को पहली बार देखा और दिल दे बैठे थे

पंकज की फैमिली की बात करें तो इनकी लव स्टोरी के किस्से भी काफी चर्चा में रहे. कहा जाता है ये एक फिल्मी कहानी की तरह थी. जब पंकज ने अपने पड़ोसी के घर में फरीदा को पहली बार देखा था, तो बस देखते ही रह गए. पहली नजर का ये प्यार शादी तक पहुंचा, लेकिन इस दौरान भी काफी कुछ हुआ. तब पंकज ग्रैजुएशन कर रहे थे और फरीदा एयर होस्टेस थीं. दोनों में दोस्ती हुई और फिर वे मिलने-जुलने लगे. धीरे-धीरे वे एक-दूसरे के करीब आ गए थे. अंततः दोनों ने शादी कर ली. पंकज उधास ने साल 1980 में अपना पहला एल्बम 'आहट' रिलीज किया था. पहला एल्बम के साथ ही उन्हें बॉलीवुड से सिंगिंग के ऑफर मिलने लगे. पंकज ने साल 1981 में एल्बम 'तरन्नुम' और फिर 1982 में 'महफिल' लॉन्च किया और इस तरह उन्होंने लगभग 40 एल्बम बनाए.

पीएम मोदी ने जताया शोक

हम पंकज उधास जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं, जिनके गायन ने भावनाओं को व्यक्त किया और जिनकी गजलें सीधे आत्मा से बात करती थीं. वह भारतीय संगीत के प्रकाश स्तंभ थे, जिनकी धुन ने हर पीढ़ी के लोगों को मंत्रमुग्ध किया. मुझे उनके साथ हुई अपनी विभिन्न बातचीत याद है. उनके जाने से संगीत की दुनिया में एक ऐसा शून्य पैदा हुआ है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकता. उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना.

प्रतिव्यक्ति आय 1 लाख के पार

पशु और मुर्गा पालन में भी उछाल : झारखंड में 2.36 करोड़ पशु और 2.48 करोड़ मुर्गे हैं. दूध उत्पाद 26.29 लाख टीएम तक बढ़ गया, जिसमें अंडे, मांस, ऊन और मछली उत्पादन में वृद्धि हुई, जो क्षेत्र के आर्थिक और आहारिक महत्व को रेखांकित करता है. आहार और पोषण सुरक्षा के तीन स्तम्भों, अर्थात् अनाज उपलब्धता, अभिगम्यता और उपयोग में सुधार देखा गया है. झारखंड में साक्षरता दर में इजाफा : झारखंड में साक्षरता दर में पिछले कुछ वर्षों में इजाफा हुआ है. वर्ष 2017-18 में राज्य की लगभग 72 प्रतिशत आबादी साक्षर थी. वर्ष 2022-23 तक साक्षरता दर लगभग 79 तक प्रतिशत बढ़ गई है. महिलाओं की साक्षरता दर, हालांकि पुरुषों से कम है, किन्तु इस अवधि में पुरुषों के अपेक्षा अधिक तेजी से बढ़ी है. इस कालखंड में महिलाओं की साक्षरता दर 3 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से बढ़ी है, पुरुषों की दर 13 प्रतिशत की दर से बढ़ी है. राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की साक्षरता दरों में भी अंतर कम हो गया है.

उच्च शिक्षण के संस्थानों में 14 हजार शिक्षक कार्यरत : राज्य में उच्च शिक्षा के संस्थानों में लगभग 14 हजार शिक्षक कार्यरत हैं. इनमें से अधिकांश शिक्षक लेक्चरर या असिस्टेंट प्रोफेसर्स के रूप में काम कर रहे हैं. महिलाओं और एससी और एसटी समुदायों के लोगों का पेशेवर शिक्षा (उच्च शिक्षा) में प्रतिनिधित्व, पूरे समाज में उनके कुल प्रतिनिधित्व के अनुपात में काफी कम है. झारखंड के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्र-शिक्षक अनुपात हमेशा राष्ट्रीय औसत से अधिक रहा है. राज्य में छात्र-शिक्षक अनुपात के अधिक होने का प्रमुख कारण शिक्षकों की अनियमित नियुक्ति है.

मजबूत रेलवे से ही पूरा होगा नए भारत का संकल्प: मोदी

आने वाले दिनों में लोगों को मिलेगी राहत

कार्यक्रम की समाप्ति के बाद नामकुम स्टेशन पर मौजूद रांची सांसद संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में यह सपना साकार हो रहा है. देश के हजारों स्टेशन आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं जो नए भारत की तस्वीर दिखाता है. वहीं कार्यक्रम में मौजूद रांची के डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा ने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रांची रेल मंडल की 26 परियोजनाओं का शिलान्यास किया है, जिससे राजधानी समेत राज्य के लोगों को आने वाले दिनों में राहत मिलेगी.

धनबाद में मौजूद रहीं अन्नपूर्णा और पीएन सिंह

इस अवसर पर शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार सह सांसद अन्नपूर्णा देवी, विधायक बिनोद कुमार सिंह और धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा हजारीबाग रोड स्टेशन पर, सांसद पशुपति नाथ सिंह धनबाद-पाथरडीह रेलखंड में रेल अंडरपास पर, सांसद जयंत सिन्हा बरकाकाना-भुरकुंडा रेलखंड में रेल अंडरपास पर, विधायक समरी लाल टोकिसुद-हेन्देगीर रेलखंड में रेल अंडरपास पर और मंडल के विभिन्न खंडों के रोड ओवर ब्रिज और अंडरपास पर भी अन्य गणमान्य, मंडल के अधिकारी, कर्मचारी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे. धनबाद रेल मंडल के डीआरएम केके सिन्हा ने कहा कि धनबाद रेल मंडल में 20 योजनाओं का पीएम मोदी ने ऑनलाइन उद्घाटन किया. 2 रोड ओवर ब्रिज और 18 रोड अंडरपास बनाने में 226 करोड़ 71 लाख खर्च हुए हैं. 2047 के विकसित भारत का विकसित रेल विषय पर आधारित कविता, निबंध, पेंटिंग जैसे कई प्रतियोगिताओं का आयोजन स्कूलों के बच्चों के बीच किया गया था. इन प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को पीएम ने ऑनलाइन सम्मानित किया.

सूरते हाल इचाक डहर नाम से खतियान में दर्ज सड़क का 2012-13 में हुआ था निर्माण, अल्प अवधि में दुर्दशा

पुल के अभाव में पीएमजीवाई के तहत बनी सड़क हो गई बेकार

राजेन्द्र कुमार दुबे। विष्णुगढ़

प्रखंड मुख्यालय से चेडरा पंचायत अंतर्गत चलंगा गांव को जोड़ने वाली सड़क एक पुल के अभाव में बेकार हो गयी है. इचाक डहर नाम से खतियान में दर्ज इस सड़क का निर्माण 2012-13 में हुआ था. इकरारनामे की शर्तों के मुताबिक, 5 वर्षों तक इसका रखरखाव निर्माता एजेंसी को करना था, पर वैसा हुआ नहीं. नतीजतन, घटिया निर्माण तथा रखरखाव के अभाव में अल्प अवधि में ही सड़क की दुर्दशा हो गयी.

कई जगहों पर तो सड़क का कालीकरण हुआ ही नहीं है. जैसे-तैसे सड़क तो बन गयी, लेकिन इस सड़क में पड़ने वाली जमुनिया नदी पर पुल नहीं बना. कायदे से सड़क के साथ-साथ पुल का भी निर्माण होना चाहिए था. पुल के न होने से वाहनों के जरिये इस सड़क पर सफर नहीं किया जा सकता है. गुणवत्तापूर्ण निर्माण नहीं होने की वजह से कई जगह सड़क लापता हो गयी है. कहीं कहीं इसके अवशेष जरूर दिखते हैं. अब तो यह सड़क पगडंडी की शक्ल अख्तियार कर चुकी है. ऊपर से अतिक्रमण की मार अलग है.

पैसे डकारने के लिए बनती हैं पीएमजीवाई की सड़कें

वैसे इस सड़क की कोई जरूरत इसलिए भी नहीं थी, क्योंकि चलंगा को एनएच 522 जोड़ने वाली पीसीसी सड़क पहले से मौजूद थी. अगर नदी में पुल होता तो, विष्णुगढ़ से विष्णुगढ़ इंटर कॉलेज व डिग्री कॉलेज में पढ़ाई करने जाने वाले छात्र-छात्राओं को कम से कम एक से डेढ़ किलोमीटर की दूरी कम तय करनी पड़ती. दरअसल पीएमजीवाई के तहत बनने वाली सड़कों का निर्माण ग्रामीणों की सहूलियत के नजरिए से होता ही नहीं है. इसका मकसद अभियंताओं और ठीकेदारों का हित साधना होता है. ठीकेदार पहले ग्रामीण सड़कों का चुनाव करते हैं, फिर निविदा करवाते हैं. निविदा के साथ ही लूटपाट की पटकथा भी लिख दी जाती है. ज्यादातर पीएमजीवाई सड़कों की यही यथार्थ है. ईमानदारी से जांच हो, तो इन सड़कों की काली सच्चाई सामने आ जाएगी.

मायूस युवा करें तो क्या करें!

ऐसे वक्त में जब देश भर के किसान अपनी फसलों के लिए सम्मानजनक न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग पर दिल्ली कूच कर रहे हैं और वकील व सिविल सोसायटियां ईवीएम से वोट न कराने के लिए प्रदर्शन कर रही हैं, भारतीय जनता पार्टी की चुनौती इस मायने में और भी बढ़ती नजर आ रही है कि अब देश में चरम पर पहुंच चुकी बेरोजगारी की आंच युवाओं और छात्रों को झुलसाने लगी है. नरेन्द्र मोदी का आविर्भाव और उनके तेजी से भारतीय राजनीति पर छा जाने के लिए बडी भूमिका युवा, किसान व छात्रों की ही थी. आज वही वर्ग उम्र के इस मुकाम पर खड़ा है, जहां वह महसूस कर रहा है कि अगर अगले एक-दो वर्षों में उसे नौकरी और एमएसपी न मिली तो उसके सामने आजीवन बेरोजगार रहने का खतरा है. विपक्ष के कुछ नेताओं ने रोजगार का मसला उठाकर उस तालाब में कंकड़ नहीं, बल्कि बड़ा सा पत्थर फेंक दिया है, जिससे युवाओं-छात्राओं की उनींदी आंखें खुलती सी दिख रही हैं. दूसरी ओर भारत सरकार ने स्वीकार कर लिया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए रूस की सेना ने कई भारतीय युवाओं की भर्ती की है. मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ऐसे कम-से-कम 100 भारतीय नौजवान रूसी सेना में नौकरी कर रहे हैं. उनमें से कम-से-कम तीन को रूस ने मोर्चे पर तैनात किया है. यानी वे रूस की तरफ से युद्ध लड़ रहे हैं. इसके अलावे एक लाख भारतीय बेरोजगारों को मजदूरी के लिए इजराइल भेजने की योजना है. युद्ध क्षेत्र में भारतीय युवाओं की मौजूदगी राजनीतिक और आर्थिक तौर पर भारत की एक ऐसी हकीकत का बयान है, जिसके बारे में मीडिया में बातें नहीं होती हैं. स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह संभवतः पहला मौका है, जब भारतीयों के सामूहिक रूप से भाड़े के सैनिक बनने की खबर आई है. सामने आईं जानकारियों के मुताबिक रूस की सेना ने दुबई के जरिए इन भारतीयों को अनुबंधित किया. रूस गए नौजवानों के परिजनों का दावा है कि इन लोगों की नियुक्ति रूसी सेना की सहायता के लिए की गई थी, लेकिन यूक्रेन सीमा के पास ले जाकर उन्हें बताया गया कि उन्हें लड़ाई भी लड़नी है. मुद्दा उछलने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इन भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए भारत सरकार रूस की सेना के साथ संपर्क में है. विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को आगाह किया है कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध से अपने आपको दूर रखें, लेकिन यह सलाह बेमतलब है. जब ये नौजवान रूस चले गए, तब वहां के हालात उनके अपने हाथ में नहीं होंगे. इसलिए विचारणीय प्रश्न यह है कि आखिर भारतीय नौजवान विदेशों में कहीं भी, कैसा भी काम पाने के लिए इतने व्यग्र क्यों हैं? आखिर खुद भारत सरकार ने युद्ध-ग्रस्त इजराइल में मेहनत-मजदूरी करने के लिए हजारों युवाओं को भेजने का करार किया है. धारणा बनी है कि 'यहां भूखों मरने से बेहतर वहां काम करते हुए मरना है.' असल मुद्दा युवाओं में समा गई यही मायूसी है.

> विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को आगाह किया है कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध से अपने आपको दूर रखें, लेकिन यह सलाह बेमतलब है. जब ये नौजवान रूस चले गए, तब वहां के हालात उनके अपने हाथ में नहीं होंगे.

सुभाषित

अजातमृतमूर्खाणां वरमाद्यौ न चान्तिमः।
सकृद् दुखकरावाद्यावन्तिमस्तु पदे पदे।।

जो उत्पन्न ही नहीं हुआ है, अथवा उत्पन्न होकर मर गया है और मूर्ख-इन तीनों में से पहले दो तो कुछ अच्छे हैं, परन्तु अन्तिम (मूर्ख) पुत्र तो कभी अच्छा नहीं है, क्योंकि प्रथम दो पुत्र तो एक ही बार दुःख देते हैं, परन्तु अन्तिम तो सदा दुःखदाई होता है.

सियासी निजाम का नया तौर तरीका

पिछली बार छिन्दवाड़ा की सीट रह गई थी.' शिवराज सिंह को 6 दिसंबर के बाद से आज तक छिन्दवाड़ा में दोबारा पैर रखने की ज़रूरत नहीं पड़ी. वहां की सीट मोदी की जादू की छड़ी से ही भाजपा की झोली में टपकने को बेचैन हो उठी. कमलनाथ प्रसंग पर बोलते हुए दिग्विजय सिंह ने बाद में खुलासा किया कि जांच एजेंसियों का जिस तरह का दबाव अन्य नेताओं पर है वैसा ही कमलनाथ पर भी है. समूचा कमलनाथ प्रसंग इसी अहंकार की उपज था कि सांप्रदायिक विभाजन और चुनाव जीतने के कामों में सब कुछ जायज़ है.

• देश-काल

श्रवण गर्ग

भाजपा ने अंतिम क्षणों में अपने आप को बचा लिया! कांग्रेस ख़ुद को नहीं बचा पाई! कमलनाथ अपनी पुरानी पार्टी में ही बने रहेंगे! हो सकता है लोकसभा चुनाव संपन्न होने तक प्रधानमंत्री के साथ उनकी मुलाक़ात के नए चित्र मीडिया में नज़र नहीं आएँ. कमलनाथ को किन कारणों से कांग्रेस में ही रुकना पड़ा उसका खुलासा आसानी से नहीं हो पाएगा.
प्रधानमंत्री और भाजपा के चुनावी रणनीतिकारों ने सोचा नहीं होगा कि कमलनाथ प्रसंग से पार्टी की छवि को अंदर और बाहर दोनों ओर से इतना बड़ा धक्का लगेगा! इतनी थू-थू के लिए मध्य प्रदेश के पन्ना-प्रमुखों के स्तर तक पूर्व-तैयारी नहीं थी.
भाजपा ने समझा होगा जैसे महाराष्ट्र के 'आदर्श' पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण को तुरत-फुरत भर्ती करवा कर उनका नाम राज्यसभा के लिए तय कर दिया गया वैसे ही 'ऑपरेशन कमलनाथ' भी शांतिपूर्वक संपन्न हो जाएगा. वैसा नहीं हुआ. राजस्थान के 'पायलट प्रोजेक्ट' की विफलता के बाद राजनीति में शुचिता का उपदेश देने वाली पार्टी के लिए इसे दूसरा बड़ा सदमा माना जा सकता है.
कल्पना की जा सकती है कि भाजपा के लिए छिन्दवाड़ा सहित ज़रूरी एमपी की सभी 29 सीटों पर केंद्रित इस ऑपरेशन के फ्लॉप होनेसे सबसे ज़्यादा प्रसन्नता 'महाराज' को ही हुई होगी. भाजपा ने उन्हीं के नेतृत्व में कमलनाथ (सरकार) को आंदोलनों के लिए सड़कों पर ला पटका था. अगर कमलनाथ भी भाजपा में भर्ती हो जाते तो ग्वालियर और छिन्दवाड़ा को साथ मिलकर कांग्रेस की हिंदुत्व-विरोधी ताक़तों का मुक़ाबला करना पड़ता. विधानसभा चुनाव परिणामों के तुरंत बाद कमलनाथ ने शिवराज सिंह से भेंट कर उन्हें बधाई दी थी. चुनाव परिणामों के बारे में दोनों ही नेताओं को शायद पहले से पता था.
इसमें दो मत नहीं कि श्यामाप्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के निमित्त पीएम के लिए ज़रूरी हो गया है कि लोकसभा चुनावों में पार्टी 370 के आंकड़े को प्राप्त करके देश को दिखा दें. एमपी में पिछली बार सिर्फ़ छिन्दवाड़ा की सीट रह गई थी. कमलनाथ के भाजपा-प्रवेश के बाद वह सीट भी निश्चित हो जाती. कमलनाथ को अब वह सीट कांग्रेस के खाते में जीतना पड़ेगी.
विधानसभा चुनावों में पार्टी को ज़बरदस्त तरीक़े से जीत दिलाने के तुरंत बाद उत्साह से लबरेज़ शिवराज सिंह छिन्दवाड़ा पहुंच गए थे. वहां उन्होंने घोषणा कर दी थी कि आज से हम मध्यप्रदेश का मिशन 29 शुरू कर रहे हैं. इसका मतलब मध्य प्रदेश में लोकसभा की सभी 29 सीटों से है. पिछली बार छिन्दवाड़ा की सीट रह गई थी.' शिवराज सिंह को 6 दिसंबर के बाद से आज तक छिन्दवाड़ा में दोबारा पैर रखने की ज़रूरत नहीं पड़ी. वहां की सीट मोदी की जादू की छड़ी से ही भाजपा की झोली में टपकने को बेचैन हो उठी.
कमलनाथ प्रसंग पर बोलते हुए दिग्विजय सिंह ने बाद में खुलासा किया कि जांच एजेंसियों का जिस तरह का दबाव अन्य नेताओं पर है वैसा ही कमलनाथ पर भी है. समूचा कमलनाथ प्रसंग इसी अहंकार की उपज था कि सांप्रदायिक विभाजन और चुनाव जीतने के कामों में सब कुछ जायज़ है. दूसरे यह कि चुनाव जीतने के काम में पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण के मुक़ाबले जांच एजेंसियों का इस्तेमाल ज़्यादा प्रभावकारी साबित होता है.
कमलनाथ की तरह ही अपने को कांग्रेस का वफ़ादार सिपाही बताने वाले अशोक चव्हाण के पलटी मारने के पीछे मुख्य कारण संसद के बजट सत्र के आख़िरी दिन मोदी सरकार द्वारा मनमोहन सिंह के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार पर पेश किया गया 'श्वेत पत्र' बताया गया था. 'श्वेत पत्र' में मुंबई की आदर्श बिल्डिंग सोसाइटी के उस घोटाले का भी उल्लेख था जिसके कारण अशोक चव्हाण को 2010 में मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफ़ा देना पड़ा था.
आदर्श सोसाइटी घोटाले की सीबीआई जांच के बाद आरोप लगाया गया था कि सेना के सेवा-निवृत्त लोगों के लिए निर्मित बिल्डिंग में अपने संबंधियों को आवंटन के लिए चव्हाण ने अतिरिक्त फ़्लेट्स के निर्माण की अनुमति दी थी. चव्हाण द्वारा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में प्रवेश करने के तत्काल बाद देवेंद्र फडनवीस ने कहा था कि ऐसे कई नेता जिनका कांग्रेस में दम घुट रहा है भाजपा के संपर्क में हैं. माना जा सकता है कि फडनवीस का इशारा कमलनाथ की तरफ़ रहा होगा.
अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ते ही भाजपा में पुरस्कृत होने की सत्तारूढ़ दल के निष्ठावान कार्यकर्ताओं पर क्या प्रतिक्रिया हुई उसका भी फडनवीस को तत्काल पता चल गया. महाराष्ट्र भाजपा के 69-वर्षीय उपाध्यक्ष माधव भंडारी के पुत्र चिन्मय द्वारा सोशल मीडिया पर जारी की गई एक पोस्ट चर्चा का विषय बन गई. चव्हाण को राज्यसभा में भेजे जाने से व्यथित चिन्मय ने अपनी मार्मिक पोस्ट मेंअपने पिता का शुमार उन लोगों में किया जिन्हें पार्टी की दशकों से की जा रही निस्वार्थ सेवा के बावजूद कभी अपेक्षित सम्मान प्राप्त नहीं हुआ.
'भ्रष्टाचारियों' का कांग्रेस में दम घुट रहा है और 'ईमानदार' भाजपा ने उनके लिए अपने दरवाज़े खोल रखे हैं. जिन निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने भाजपा को 2 से 303 बनाने में अपनी सांसें झोंक दीं और पिछले दस सालों से जिनके पार्टी में प्राण निकले जा रहे हैं उनके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है. उनकी नई ज़िम्मेदारी यही बची है कि प्रधानमंत्री कि तीसरी, चौथी और पांचवी पारी पूरी होने तक वे विपक्षी दलों से भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं का भगवा दुपट्टों से स्वागत करते रहें.
निष्ठावान कार्यकर्ताओं को इस चिंता से भी मुक्त हो जाना चाहिए कि तपे-तपाए कार्यकर्ताओं और अन्य दलों से सत्ता तापने आने वाले अवसरवादी नेताओं के बीच वैचारिक संसर्ग से जो वर्णसंकर नस्लें जन्म लेंगी वे संघ और भाजपा को हिंदू राष्ट्रवाद के किन शिखरों पर पहुंचाएंगी ! सवाल यह भी है कि सत्ता की महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए ली जा रही राजनीतिक नैतिकता की बलि के क्षणों में देश को पहले मुक्ति किससे मिलना चाहिए? कांग्रेस से या भाजपा से? क्या सवाल का जवाब लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी,वसुंधरा राजे या शिवराज सिंह चौहान से प्राप्त किया जा सकता है आप चाहें तो और नाम भी जोड़ सकते हैं.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

मधु बिन्दु

मैंने एक कथा सुनी...एक व्यक्ति घने जंगल में अंधेरे से भागा जा रहा था कि एक कुएं में गिरने को हुआ. गिरते-गिरते उसके हाथ में कुएं पर झुके वृक्ष की ड़ाल आ गई. वहां कुछ प्रकाश भी था. उसने नीचे झांका तो कुएं में चार विकराल अजगर मुंह फाड़े ऊपर ताक रहे थे. वे उसके गिरने का इन्तज़ार ही कर रहे थे. उसने आसपास देखा तो, जिस डाल को पकड़ वह लटक रहा था, दो चूहे, एक काला एक सफेद, उसी डाल को कुतर रहे थे. इतने में एक विशाल हाथी कहीं से चला आया और अपनी सूंड़ से वृक्ष के तने को पकड़ कर हिलाने लगा. वह व्यक्ति डर से सिहर उठा. ठीक ऊपर की शाखा पर मधुमक्खी का छत्ता था, हाथी के हिलाने से मक्खियां उडने लगी. छत्ते से शहद-बिंदु टपकने लगा. एक बिंदु टपककर उसकी नाक से होता हुआ होठों तक आ पहुंचा. उस व्यक्ति ने प्यास से सूख रही अपनी जीभ को होठों पर फेरा, एक छोटे से मधु बिन्दु में अनंत आनन्द भरा मधुर स्वाद था. उसे लगा जैसे जीवन में मुझे इसी मिठास की तलाश थी, यही मेरा चीर-प्रतिक्षित उद्देश्य था. उसने मुंह ऊपर किया, कुछ क्षणों बाद फ़िर मधु-बिन्दु मुंह में टपका. वह मस्त हो गया. बेताबी से अगली बूंद का इन्तजार करता. और फिर रसास्वादन कर प्रसन्न हो उठता. आस पास खड़ी विपत्तियों को भूल चुका था. हवा में लटका, हाथी पेड़ गिराने पर आमादा, चूहे डाल कुतरने में व्यस्त और नीचे चार अज़गर उसका निवाला बना देने को आतुर. किन्तु वह तो एक एक बिन्दु का स्वाद लेने में मस्त था. उसी जंगल से शिव-पार्वती अपने विमान से गुज़र रहे थे. पार्वती ने उस मानव की दुखद स्थिति को देखा और शिव से उसे बचा लेने का अनुरोध किया. भगवान शिव ने विमान को उसके निकट ले जाते हुए हाथ बढाया और उस व्यक्ति को कहा- मैं तुम्हें बचाना चाहता हूं, आओ, विमान में आ जाओ, मैं तुम्हें तुम्हारे इच्छित स्थान पर छोड दूंगा. उस व्यक्ति ने कहा- ठहरिए भगवन् एक शहद बिन्दु चाट लूं तो चलूं. एक बिन्दु फिर एक बिन्दु. हर बिन्दु के बाद, अगले बिन्दु के लिए उसकी प्रतीक्षा प्रबल हो जाती. उसके आने की प्रतीक्षा में थक कर आखिर, भगवान शिव ने विमान आगे बढ़ा दिया. इस कथा में घने जंगल का अंधेरा अज्ञान का प्रतीक है और डाली आयुष्य का. काले-सफेद चूहे दिन रात हैं. चार अज़गर चार गति, हाथी घमंड, मधु बिन्दु संसार-सुख, शिव कल्याण और पार्वती शक्ति तथा पुरुषार्थ प्रेरणा के प्रतीक हैं.

आत्मपरीक्षण से बनेगा भविष्य का रास्ता

• विमर्श

एन. बनर्जी

विश्व बैंक द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 2010 और 2020 के बीच, भारत में कामकाजी महिलाओं की संख्या 26 प्रतिशत से घटकर 19 प्रतिशत हो गई. सीएमआईई के एक अनुमान में कहा गया है कि 2022 तक महिला श्रम बल की भागीदारी घटकर नौ प्रतिशत रह गई थी. श्रम बाजार संकट के दौर से गुजर रहा है. नई सरकारी नौकरियां कम हैं. मांग-आपूर्ति का अंतर बढ़ रहा है.यह समझना मुश्किल है कि सरकार रोजगार सृजन पर चुप क्यों है जबकि वह साल-दर-साल बुनियादी ढांचे पर रिकॉर्ड खर्च का लगातार दावा कर रही है. नयी नौकरी चाहने वालों के लिए अवसर लगातार कम हो रहे हैं. पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए बेरोज़गारी का लगातार बढ़ना चिंता का कारण बनता जा रहा है. वर्तमान में, देश का वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद विस्तार बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक हो सकता है, लेकिन स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले बेरोजगारी के आंकड़ों को देखते हुए यह रोजगारहीन आर्थिक विकास की तरह दिखता है, जबकि बुनियादी ढांचे पर होने वाला खर्च सीधे तौर पर रोजगार से जुड़ा होता है. सरकार ने देश के सतत विकास के लिए, 2019 से 2023 तक पांच साल की अवधि में बुनियादी ढांचे पर 14 खरब डॉलर खर्च करने की अपनी योजना के बारे में अक्सर बात की थी. इस तरह के बुनियादी ढांचे के खर्च से देश में स्वचालित रूप से लाखों नौकरियां पैदा होनी चाहिए थीं. यदि हां, तो सरकार बुनियादी ढांचे के खर्च से जुड़े रोजगार सृजन पर चुप्पी क्यों साधे हुए है? केंद्रीय वित्त मंत्री ने अपने वार्षिक बजट में रोजगार सृजन के आंकड़ों को क्यों छोड़ दिया? आर्थिक मामलों के विभाग के तहत वित्त मंत्रालय की बुनियादी ढांचा नीति और योजना प्रभाग, रेलवे, परिवहन विभाग, राजमार्ग और एक्सप्रेस वे के साथ-साथ सरकार के समग्र बुनियादी ढांचे के खर्च में सीधे शामिल है. रोजगार सृजन पर मंत्रालय की लंबी चुप्पी एक बड़ा रहस्य बनी हुई है.रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के अनुसार, भारत के 2030 तक सात वित्तीय वर्षों में बुनियादी ढांचे पर लगभग 143 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की संभावना है, जो 2017 और 2023 के बीच पिछले सात वित्तीय वर्षों में खर्च किए गए 67 लाख करोड़ रुपये से दोगुने से भी अधिक है. हालांकि, इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड आवंटन और परियोजनाओं के समय पर निष्पादन के बीच बहुत अंतर है. ऐसा प्रतीत होता है कि बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर तथाकथित बजट आवंटन और उनके कार्यान्वयन से संबंधित जानकारी में कुछ गंभीर गड़बड़ी है.2023-24 के आखिरी पूर्ण बजट में बुनियादी ढांचे के लिए सरकार का पूंजी निवेश परिव्यय 33प्रतिशत बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये (122 अरब डॉलर) कर दिया गया था. सरकार का रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास पर 2.40 लाख करोड़ रुपये ($29बिलियन) खर्च करने का इरादा है, जो अब तक का सबसे अधिक परिव्यय और 2013-14 के आवंटन का लगभग नौ गुना होने का दावा किया गया है. अंतिम मील कनेक्टिविटी के लिए लगभग 100 महत्वपूर्ण परिवहन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को 75,000 करोड़ रुपये ($9बिलियन) के निवेश के साथ प्राथमिकता पर लेने के लिए पहचाना गया था, जिसमें निजी स्रोतों से 15,000 करोड़ रुपये (1.8बिलियन डॉलर) भी शामिल थे. इनका उद्देश्य बंदरगाह, कोयला, इस्पात, उर्वरक और खाद्यान्न जैसे क्षेत्रों को लाभ पहुंचाना है. इसके अतिरिक्त, सरकार ने 50 और हवाई अड्डों, हेलीपोर्टों, जल हवाई अड्डों और उन्नत लैंडिंग मैदानों को पुनर्जीवित करके क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी में सुधार करने की योजना बनाई है. उम्मीद तो यह थी कि सरकार 2024-25 के वोट-ऑन-अकाउंट (लेखानुदान) बजट में आम आदमी और विशेष रूप से करदाताओं को जानकारी देगी तथा रोजगार पर उनके प्रभाव के बारे में परियोजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति पर एक पूरी रिपोर्ट प्रदान करेगी.विश्व बैंक द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 2010 और 2020 के बीच, भारत में कामकाजी महिलाओं की संख्या 26 प्रतिशत से घटकर 19 प्रतिशत हो गई. सीएमआईई के एक अनुमान में कहा गया है कि 2022 तक महिला श्रम बल की भागीदारी घटकर नौ प्रतिशत रह गई थी. और जीवन की बेहतर गुणवत्ता बुनियादी ढांचे के विकास के कुछ प्रमुख लाभ हैं. सरकार का बड़ा बुनियादी ढांचा निवेश देश के आम नागरिकों के रोजगार सृजन और जीवन की गुणवत्ता जैसे क्षेत्रों में प्रदर्शन से मेल खाने में विफल रहता है.

> वर्तमान में, देश का वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद विस्तार बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक हो सकता है, लेकिन स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले बेरोजगारी के आंकड़ों को देखते हुए यह रोजगारहीन आर्थिक विकास की तरह दिखता है, जबकि बुनियादी ढांचे पर होने वाला खर्च सीधे तौर पर रोजगार से जुड़ा होता है.

पारदर्शी चुनावी फंडिंग पर बहस

• चुनाव

कल्याणी शंकर

भविष्य में चुनावों में धन के प्रभाव को रोकने के लिए, हमें दान, खर्च सीमा, सार्वजनिक धन और प्रकटीकरण के लिए नियमों की आवश्यकता है. सरकार चुनाव सुधार के विकल्प तलाश रही है। हमारे पास कई रिपोर्टें हैं जो हमें बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती हैं, इसलिए हमें उन्हें फिर से देखने की जरूरत है. हमें फंडिंग में पारदर्शिता पर जोर देकर चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए बदलाव करने होंगे.भारतीय चुनाव एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें लाखों मतदाता और अनेक राजनीतिक दल शामिल होते हैं. ये पार्टियां अपने अभियानों के वित्तपोषण के लिए व्यक्तियों और निगमों के योगदान पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं, क्योंकि फंडिंग महत्वपूर्ण है. चुनाव के दौरान बहुत सारा काला धन भी घूमता है. 2014 में जब नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने राजनीति में अवैध धन का उपयोग रोकने का वायदा किया था. तीन साल बाद, 2017 में उन्होंने चुनावी बांड योजना पेश की, जिसके बारे में उनका दावा था कि इससे राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ेगी. हालांकि, कुछ लोगों ने गोपनीयता खंड और मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को अदालत में चुनौती दी. पिछले हफ्ते सर्वोच्च न्यायालय ने गुमनाम राजनीतिक चंदे को अवैध घोषित कर दिया. इस फैसले को भाजपा के लिए पचाना मुश्किल हो सकता है क्योंकि 2018 से प्रभावी इस योजना से सत्तारूढ़ दल को सबसे अधिक फायदा हुआ है.शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि 'चुनावी बांड' नागरिकों के सरकारी जानकारी तक पहुंचने के अधिकार का उल्लंघन करते हैं और संविधान की धारा19(1)(ए) का उल्लंघन करते हैं. मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने खुले शासन के महत्व पर जोर दिया, 'मतदान के विकल्प का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए राजनीतिक दलों की फंडिंग के बारे में जानकारी आवश्यक है.' सरकारी स्वामित्व वाले भारतीय स्टेट बैंक को इन बांडों को जारी करने से रोकने और भारत के चुनाव आयोग को विवरण प्रदान करने का आदेश दिया गया है. यह फैसला पांच जजों के समूह ने दिया.न्यायाधीशों ने जांच की कि क्या चुनावी बांड योजना ने संवैधानिक नियमों को तोड़ा है, मतदाताओं को महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने से रोका है, दानदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करते हुए गुप्त दान की अनुमति दी है, और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खतरे में डाला है?पहले, राजनीतिक दलों को 20,000 रुपये से अधिक का योगदान देने वाले दानदाताओं की पहचान का खुलासा करना आवश्यक था. हालांकि, चुनावी बांड राजनीतिक दलों को दानदाताओं की पहचान उजागर किये बिना प्राप्त धन की रिपोर्ट करने की अनुमति देते हैं. इन बॉन्ड्स की रेंज 1,000 से 10 करोड़ रुपये तक होती है.लोगों को जानना चाहिए कि राजनीतिक फंडिंग पारदर्शी है या नहीं. मुख्य आलोचनाओं में से एक यह है कि इन बांडों को खरीदते समय यह पता लगाना कठिन है कि पैसा कहां से आता है, जिससे धन के स्रोत की पहचान करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है.2017 से 2022 तक के एडीआर आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान निगमों द्वारा दान की गई कुल राशि 3,299.85 करोड़ रुपये थी. इस रकम का सबसे बड़ा हिस्सा भाजपा को मिला. चुनावी बांड के माध्यम से कांग्रेस पार्टी को 406.45 करोड़ रुपये, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को 109.5 करोड़ रुपये और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) को 49.7 करोड़ रुपये मिले.एडीआर की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजनीतिक योगदान के बारे में जानकारी छिपाना अनुचित है. करदाताओं को पता होना चाहिए कि राजनीतिक दलों को धन कहां से मिलता है. पारदर्शिता की कमी जवाबदेही पर सवाल उठाती है. करदाताओं का पैसा बांड छापने में खर्च होता है और एसबीआई को उनकी बिक्री से मुनाफा होता है. इसमें दावा किया गया है कि करदाताओं को यह जानने का अधिकार है कि राजनीतिक दलों को धन कहां से मिलता है. अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता जवाबदेही के बारे में संदेह पैदा करती है. करदाताओं के पैसे का उपयोग बांड मुद्रित करने के लिए किया जाता है, और उनकी बिक्री से एसबीआई के मुनाफे को अनुचित माना जाता है. जनता और विपक्षी दलों को इन दान के स्रोत के बारे में पता होना चाहिए, हालांकि सरकार एसबीआई से दाता विवरण प्राप्त कर सकती है.उम्मीद है कि सरकार पहले के अवसरों के विपरीत, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का सम्मान करेगी.

> करदाताओं को पता होना चाहिए कि राजनीतिक दलों को धन कहां से मिलता है. पारदर्शिता की कमी जवाबदेही पर सवाल उठाती है. करदाताओं का पैसा बांड छापने में खर्च होता है और एसबीआई को उनकी बिक्री से मुनाफा होता है. इसमें दावा किया गया है कि करदाताओं को यह जानने का अधिकार है कि राजनीतिक दलों को धन कहां से मिलता है.

मीडिया में अन्यत्र

बेहतर अनुपालन की जरूरत

सर्वोच्च न्यायालय ने सुधार का एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरकार को निर्देश दिया है कि वह वनों की व्यापक 'शब्दकोश परिभाषा' के लिए सन 1996 में सर्वोच्च न्यायालय के ही दो सदस्यीय पीठ की परिभाषा का पालन करे. ताजा निर्णय तीन सदस्यीय पीठ ने वन संरक्षण अधिनियम (एफसीए) में संशोधन के खिलाफ दाखिल की गई कई याचिकाओं पर सुनाया है. उक्त संशोधन 2023 में संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किए गए थे. इन संशोधनों के मुताबिक एफसीए केवल अधिसूचित वन क्षेत्र और उस भूमि पर लागू होगा, जिसे सरकारी रिकॉर्ड में 'वन' के रूप में परिभाषित किया गया हो. इन संशोधनों की घोषित वजह यह बताई गई थी कि सन 1996 के निर्णय ने एफसीए के प्रावधानों को उन दर्ज किए गए वनों पर लागू किया गया था, जिन्हें गैर वन उपयोग के लिए रखा गया था. यह बुनियादी क्षेत्र के मंत्रालयों, खासकर सड़क और राजमार्ग मंत्रालय की लंबे समय से लंबित मांग थी. परंतु संशोधन का विरोध करने वाले याचियों का कहना था कि इसके परिणामस्वरूप लाखों हेक्टेयर वन भूमि का वन के रूप में वर्गीकरण समाप्त हो जाएगा.ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि इन संशोधनों की बदौलत चिड़ियाघर और सफारी वनों के भीतर बनाए जाने का रास्ता निकल आया. इसके परिणामस्वरूप हरियाणा ने अरावली के वनों के बीच एक वन्य पशु सफारी पार्क बनाने की योजना तैयार कर ली. सर्वोच्च न्यायालय के आदेश में यह भी कहा गया कि ऐसी सभी योजनाओं को अदालत की मंजूरी की आवश्यकता होगी. वनों की सन 1996 की परिभाषा की ओर वापस लौटते हुए अदालत ने सरकार से यह भी कहा कि वह देश के हर प्रकार के वन क्षेत्र का रिकॉर्ड तैयार करे. इसका अर्थ यह हुआ कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सन 1996 के अदालती फैसले के तहत गठित विशेषज्ञ समितियों द्वारा पहचाने गए वनों का रिकॉर्ड जमा करना होगा. सरकार के पास ये आंकड़े जमा करने के लिए 15 अप्रैल तक का समय है.यह निर्णय उन कई निर्णयों में से एक है जिसके तहत न्यायपालिका पर्यावरण कानूनों को कमजोर किए जाने को लेकर कुछ संतुलन कायम करना चाह रही है. इन कानूनों को विकास के नाम पर कमजोर किया गया है. एक निर्णय जो सर्वोच्च न्यायालय में अपील के लिए लंबित है, वह है उन कंपनियों को पुरानी तारीख से मंजूरी प्रदान करना, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करने के लिए शर्तों का पालन नहीं किया. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आरंभ/प्रारंभ

उस नाटक के प्रारंभ में ही चौंकानेवाली घटना दिखायी गयी है. जब तक पूजा आरंभ हुई श्रद्धालुओं का दल वहां पहुंच चुका था. इन दोनों वाक्यों में हमें शुरू या शुरुआत के अर्थ में दो शब्द मिलते हैं-आरंभ और प्रारंभ. दोनों शब्द प्रचलन में हैं और इनका धड़ल्ले से प्रयोग होता है. लेकिन यह सवाल भी है कि किस शब्द का प्रयोग सबसे अधिक उपयुक्त है. ये दोनों शब्द तत्सम हैं. आरंभ शब्द में जब 'प्र' उपसर्ग लगता है तो प्रारंभ शब्द की व्युत्पत्ति होती है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार आरंभ का मतलब है शुरू, प्रारंभ, श्रीगणेश, किसी कार्य या व्यापार आदि का प्रारंभिक रूप, वहीं प्रारंभ का अर्थ है किसी काम या बात का आरंभ, किसी बात का पहला अंश. हिंदी शब्दसागर में आरंभ और प्रारंभ का अर्थ एक ही बताया गया है. इससे स्पष्ट है कि दोनों समानार्थी शब्द हैं. लेकिन इनके बीच कुछ तो अंतर है. इसलिए कि कई स्थानों पर आरंभ की जगह पर प्रारंभ शब्द का प्रयोग खटकता है. कुछ भाषाविदों का मानना है प्रारंभ शब्द का प्रयोग हम पहले किसी काम को पुनः करने के लिए करते हैं. इसी को अंग्रेजी में रीस्टार्ट भी कहते हैं. आरंभ का प्रयोग पहली बार कोई काम करने के संदर्भ में होता है. इसको अंग्रेजी में स्टार्ट या बिगनिंग भी कहते हैं. जैसे अब हम पूजा आरंभ करेंगे. जैसे उनसे मिलने के बाद एक नये जीवन का प्रारंभ हुआ. तब जब वे जा चुके हैं तो यह समझना असंभव-सा लग रहा है कि पुनः जीवन का प्रारंभ किस प्रकार किया जाये. मतलब यह कि आरंभ और प्रारंभ में वही अंतर है, जो शुरू और शुरुआत में है. आरंभ का प्रयोग किसी कार्य का पहली बार शुरू होना है. वहीं प्रारंभ का मतलब शुरुआत से है. यानी किसी कार्य की पहली अवस्था या समयबिंदु को दर्शाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जब वह कार्य आरंभ (शुरू) हुआ था.

जी का जंजाल हुआ मुआ बाजरा!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

एक लोकगीत में एक स्त्री जब-जब बाजरा फटकने, बीनने, कूटने, पीसने, गूंथने या बेलने बैठती है तो जी हल्का करने के लिए वह अपनी पड़ोसन से कहती है – हाय पड़ोसन बाजरा अल्ला कसम बाजरा जी का जंजाल हुआ मुआ बाजरा. भले ही वह पकाने के लिए जी का जंजाल ही क्यों न हो, जाड़ों में बाजरे की रोटी लगती बड़ी स्वादिष्ट है. किन्तु इस समय, मेरे प्यारे पाठको, मैं बाजरे और उसकी रोटी की बात न करके 'जी'के जंजाल की बात कर रहा हूं. पुराने ख्याल का आदमी हूं. पत्नी का नाम नहीं लेता. सबके सामने उसका नाम लेकर पुकारना अच्छा नहीं लगता. ऐसा भी नहीं है कि पत्नी ऊंचा सुनती हो. फिर भी 'अजी, सुनती हो,' कहता हूं, काम चला लेता हूं. हमारी संस्कृति में पत्नी को संबोधित करने का यह एक मुहावरा है. जी हां, "अजी सुनती हो" में जो 'जी' लगा है, उसी की बात कर रहा हूं. ज़ाहिर है, यह एक सम्मानसूचक 'जी' है. किसी नाम या पद को संबोधित करते हुए उसके आगे जब "जी" लगाते हैं, जैसे, मनसुख लाल जी, आचार्य जी आदि और आदर देते हैं. हम हिन्दी-भाषी अंग्रेज़ी के शब्दों में भी जी लगाने से नहीं चूकते - टीचर जी. पापा जी, मम्मी जी. हम जिसे अपनी बड़ी बहन मानते हैं उसे तो दुगनी इज्ज़त देते हुए दुहरे जी से पुकारते हैं – जीजी.

जीजी का पुलिंग क्या है? हमारी अपनी भाषा हिन्दी में स्त्रीलिंग और पुल्लिंग का निर्णय कर पाना बड़ा मुश्किल है. लेकिन मुझे लगता है की 'जीजी' का पुल्लिंग यदि 'जीजा' किया गया है तो ठीक ही होगा. सिर्फ जीजा कहने में भला क्या इज्ज़त ? इसलिए सभी सालियां जीजा न कहकर जीजाजी कहती हैं. क्या बात है! जीजाजी बेचारे आगे पीछे दोनों तरफ से 'जी जी' से जकडे हुए हैं. 'जा'ओगे कहां बच्चू! मराठी में बड़े और छोटे में भेद भाव ज़रा कम ही है. वहां नौकरानी को भी बाई पुकारते हैं और बाई भी अपनी मालकिन को बाई ही कहती है. मालकिन को अतिरिक्त आदर प्रदर्शित करने हेतु वह उन्हें बाई न कहकर 'बाई-साहब' कह देती है. 'बाई' के साथ 'साहब' संबोधन बड़ा अजीब लगता है. बाई स्त्रीलिंग और साहब पुल्लिंग. यह अगर गलत है तो गलत ही सही. हमारी बाई, 'बाई साहब' भले हो जाएं ज़ाहिर है, 'बाई जी' कहकर उनकी दुर्गति नहीं की जा सकती. पंजाबी भाषा में तो और भी कमाल है. वैसे तो पापा के साथ 'जी' लगाना ही गलत लगता है, अंग्रेज़ी के साथ गैर अंगरेजी संबोधन- लेकिन पंजाबी में तो पापाजी न कहकर संक्षेप में "पाजी" ही कह दिया जाता है! यह बड़ा प्यारा शब्द है. पाजी में दुत्कार भी है और दुलार भी. जी हां, हमारे अधिकतर रिश्तों में यही उभय-भाव (एम्बीवलैंस) साफ़ देखा जा सकता है.

जैसे आप घर में अलेक्सा को कोई गाना सुनाने की आदेश देते हैं, या कोई सवाल पूछते हैं, वैसे ही कार में बैठ कर कार में लगे डिवाइस से कहिए कि मुझे पतरातू वैली, न्यूक्लियस मॉल या मेन रोड या डोरंडा के किसी पार्क ले चलो. यह बोल कर चाहें तो गाने सुने या यूं ही आंखें बंद कर ड्राइविंग सीट पर आराम करें. कुछ समय बात आप अपनी मंजिल पर होंगे. जी हां, ये ख्वाब नहीं बल्कि कुछ सालों बाद की हकीकत है. इस बाबत देश की कई सड़कों पर ड्राइवरलेस कारों की टेस्टिंग चल रही है और सबकुछ सही रहा तो जल्द ही झारखंड की सड़कों पर भी बिना ड्राइवर की कार सरपट दौड़ती देखेंगी.

झारखंड की सड़कों पर भी दौड़ेगी ड्राइवर लेस कार!

भारत का ऑटो सेक्टर दिन प्रतिदिन नए प्रतिमान गढ़ रहा है. पेट्रोल डीजल के बाद सीनएनजी और अब छोटे-छोटे शहरों की सड़कों पर ई-कार की बढ़ती रफ्तार सफलता कई नई कहानी गढ़ रही हैं. इसी कड़ी में अगली पेशकश होगी बिना ड्राइवर की सड़क पर सरपट दौड़ती कार. जी हां, ड्राइवर लेस कार की चर्चा यूं तो पिछले कुछ सालों से अपने देश में हो रही है, लेकिन हाल ही टोयोटा की एक ऐसी कार की तस्वीर वायरल हो रही है जो ड्राइवरलेस कार की तरह नजर आ रही है. खास बात यह है कि टेस्टिंग मॉडल पर ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया यानी एआरएआई का स्टीकर भी लगा हुआ है. इन टेस्टिंग कारों को देखकर लगता है कि अगर सब कुछ सही रहा तो वह दिन दूर नहीं जब झारखंड की सड़कों पर भी बिना ड्राइवर की कार सरपट दौड़ती नजर आएगी.

क्या है एआरएआई

एआरएआई का फुल फॉर्म है ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया. यह उद्योग मंत्रालय और भारत सरकार के साथ ऑटोमोटिव इंडस्ट्री की एक सहकारी औद्योगिक अनुसंधान संघ है. इस एसोसिएशन का उद्देश्य इंडस्ट्री के लिए ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग में रिसर्च और डेवलपमेंट, प्रोडक्ट डिजाइन और डेवलपमेंट, ऑटोमोटिव डिवाइसेज का मूल्यांकन, मानकीकरण, तकनीकी सूचना सेवाएं, आधुनिक टेक्नोलॉजी के एक्जक्यूशन और उनके प्रयोग सहित विशेष टेस्ट करना है.

यहां हो रही टेस्टिंग

ऑटोमोबाइल वेबसाइट रशलेन ने अपने सोशल मीडिया पेज पर टोयोटा आरएवी 4 एसयूवी की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. ऑटो मोबाइल फील्ड के दिग्गजों की माने तो इस कार के टेस्टिंग मॉडल को पुणे के सड़कों पर स्पॉट किया गया है. इस एसयूवी पर कुछ ऐसे डिवाइसेज लगे हुए देखे गए हैं जिनसे अंदाजा लगाया जा रहा है कि, संभवत: ये सेल्फ-ड्राइविंग कार की टेस्टिंग हो रही है. बता दें कि वर्ष 2020 से अब तक कंपनी ने ऐसी कई टेस्टिंग की है.

ऐसे चलेंगी ड्राइवरलेस कार

फुल ऑटोनॉमस कारों में इंटीग्रेटेड कस्टम सेंसर, कैमरे और रडार होंगे. कार में में सेंसर और एल्गोरिदम लगे होंगे जिससे मिलने वाले डेटा का यह इस्तेमाल करेगी. यह सिस्टम सड़क की घुमाव, गड्ढों, मार्गों और गलियों पर नजर रखेगा. वाहन में लगे सेंसर से आपातकालीन डायवर्जन, रोडब्लॉक, जाम ट्रैफिक, कोहरे के मौसम की स्थिति, भारी वर्षा जैसी असंख्य बाधाओं की पहचान हो सकेगी. ये सेंसर इतने सशक्त होंगे कि वे स्कूटरों या टैक्सियों के झुंड की पहचान भी कर सकते हैं जो लेन से अलग हो कर चलते हैं. झारखंड की सड़कों पर जो हम सवारी की खोज में जहां तहां ऑटोरिक्शा को रूकते-ठमकते देखते हैं, इन कारों के सेंसर उनकी भी पड़ख कर सकता है. यहां तक कि यह सड़कों के बीच में हाथ से खींची जाने वाले ठेले, खोमचे और रिक्शों की भी पहचान कर सकता है. सेंसर की मदद से चालक रहित कार किसी सामान्य स्थिति की तुरंत पहचान कर सकती है और लगभग 500 मीटर की दूरी भी तय कर सकती है. ऐसी कारें 50 फीसदी गूगल मैप्स पर और बाकी कंपनी के सेंसर्स पर निर्भर होंगी.

क्या होता है लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग

यह एक ऑप्टिकल तकनीक है जिसे अक्सर ऑटोनॉमस कारों के लिए दूरी संवेदन (डिस्टेंस सेंसिंग) यानी कि ऑब्जेक्ट की दूरी पता लगाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है यह दूरी को एक छोटी लेजर पल्स भेजकर और बाहर जाने वाली लाइट पल्स और रिफ्लेक्टेड (पीछे बिखरी हुई) लाइट पल्स का पता लगाने के बीच के समय अंतराल को रिकॉर्ड करके मापा जाता है. सेंसर बेस्ड ये तकनीक मुख्य रूप से सेल्फ ड्राइविंग कारों की टेस्टिंग के दौरान आसपास की वास्तविक स्थिति और वस्तु इत्यादि का पता लगाने के लिए इस्तेमाल की जाती है. लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग सेंसर दूर की वस्तुओं या ऑब्जेक्ट को ट्रैक करता है और कार में दिए गए मल्टीपल कैमरों के माध्यम से इमेज क्रिएट करता है.

टेस्टिंग मॉडल पर लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग सेंसर

पुणे की सड़कों पर टोयोटा आरएवी 4 एसयूवी की जो टेस्टिंग मॉडल दौड़ती नजर आई हैं, उनमें कई लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग यानी एलआईडीएआर सेंसर लगे हुए दिखे हैं. आमतौर पर ये सेंसर ड्राइवरलेस कारों या ऑटोनॉमस ड्राइविंग वाली कारों की टेस्टिंग के लिए लगाए जाते हैं. एसयूवी में कुल 4 सेंसर लगे हुए दिखे हैं. जो कि एसयूवी के छत, साइड पैनल्स और पिछले हिस्से में लगे हैं. इनमें से जो एलआईडीएआर सेंसर कार की छत पर लगा था वो ज्यादा बड़ा और प्रभावी नज़र आ रहा है. इसके अलावा कार के पिछले विंडशील्ड पर ₹ऑन टेस्ट बाई एआरएआई, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया₹ का स्टीकर भी लगा हुआ पाया गया है.

क्या मिलेगी सरकार की हरी झंडी

सवाल है कि क्या अपने देश में बिना ड्राइवर की कारों को सरकार सड़कों पर दौड़ने की अनुमति देगी! सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के पिछले दिनों दिए गए कुछ बयानों से तो इसमें संदेह ही नजर आता है. टेक्नोलॉजी और ग्रीन-एनर्जी जैसे विषयों को सपोर्ट करने वाले नितिन गडकरी कई बार खुले मंच से ड्राइवरलेस कारों को भारत में न लाने की बात कही है. एक कार्यक्रम में तो यहां तक कहा कि, ₹जब तक मैं मंत्री हूं भारत में बिना ड्राइवर के चलने वाली ऑटोनॉमस कारों को लॉन्च करने की अनुमति नहीं होगी. इससे 70 से 80 लाख ड्राइवरों का रोजगार खत्म हो जाएगा और मैं ऐसा नहीं होने दूंगा."

सड़क पर आई 2.92 लाख की कीमत की नई बाइक, जानिए क्या है खास

स्वीडिश मोटरसाइकिल निर्माता हुस्कवर्ना ने भारतीय बाजार में पिछले दिनों दो बाइक हुस्कवर्ना विटपिलेन 250 और हुस्कवर्ना स्वार्टपिलेन 401 लॉन्च की है. हुस्कवर्ना विटपिलेन 250 की कीमत 2.19 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) और 2024 हुस्कवर्ना स्वार्टपिलेन 401 की 2.92 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है. आइए, इसके डिजाइन, इंजन आदि के बारे में जानकारी लें.

डिजाइन

हुस्कवर्ना स्वाट्रपिलेन 401 का बेस नई पीढ़ी की केटीएम 390 ड्यूक के साथ साझा किया गया है. इसका लुक बेहद शक्तिशाली नजर आता है. इसमें साइड पैनल में सूक्ष्म अपडेट और एक नया वाइजर शामिल है. इसमें साइड-माउंटेड एग्जॉस्ट दिया गया है, जो पुराने मॉडल में देखी गई अंडरबेली यूनिट की जगह लेता है.

इंजन स्पेसिफिकेशन

स्वार्टपिलेन 401 में नया 398.6 सीसी सिंगल-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड इंजन है, जो 46 बीएचपी का पावर आउटपुट और 39 एनएम का टॉर्क देने में सक्षम है. इंजन 6-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है और इसमें बाई-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर दिया जाएगा. हार्डवेयर की बात करें तो स्वार्टपिलेन 401 में सस्पेंशन ड्यूटी के लिए एडजस्टेबल यूएसडी फ्रंट फोर्क्स और पीछे एक मोनोशॉक दिया गया है.

बार्बी ब्रांडेड फ्लिप फोन

यह फोन ही छुड़ाएगा स्मार्टफोन की लत!

कभी बेहद लोकप्रिय मोबाइल नोकिया बनाने वाली कंपनी एचएमडी अब बार्बी ब्रांडेड फ्लिप फोन के साथ एक बार फिर सामने आई है. मोबाइल वर्ल्ड कॉन्ग्रेस में कंपनी ने इस नए स्मार्टफोन की झलक दिखलाई और इसके शीघ्र लॉन्चिंग का इरादा जाहिर किया है. बता दें कि मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2024 का इवेंट स्पेन के बार्सोलोना में आयोजित किया जा रहा है. आम जनता के लिए इस इवेंट की शुरुआत 26 फरवरी से हुई है, लेकिन उससे पहले ही एचएमडी ग्लोबल कुछ फोन को लॉन्च कर दिया है.

कैसा होगा बार्बी फ्लिप फोन?

बार्बी फ्लिप फोन सामान्य एंड्रॉइड फोन से अलग है, जो एक रेट्रो फीचर फोन जैसा दिखता है. हालांकि, अभी तक इस फोन के डिजाइन और ऑपरेटिंग सिस्टम की डिटेल सामने नहीं आई है. इस फोन का टीज़र दिखाया गया है, जिसे देखकर लगा फोन पिंक कलर का हो सकता है.

बार्बी फिल्म से प्रेरित?

बार्बी फिल्म पिछले साल जुलाई में आई थी और इस फिल्म ने अरबों डॉलर कमाए थे. ऐसा लगता है कि एचएमडी ग्लोबल एक साल बाद बार्बी प्लान को कामयाब करने की कोशिश कर रही है. इस फोन के बारे में एमएमडी ग्लोबल ने दावा किया है कि यह फोन काफी स्टाइलिश होगा, इससे यूज़र्स को पुराने जमाने की याद आएगी और स्मार्टफोन की लत छूटने में भी मदद मिलेगी.

एचएमडी फ्यूजन को भी किया गया पेश

मोबाइल वर्ल्ड कॉन्ग्रेस में कंपनी ने एचएमडी फ्यूजन के बारे में भी जानकारी दी है और कहा कि इस फोन को जुलाई 2024 में लॉन्च किया जाएगा और इसमें हार्डवेयर को कस्टमाइज़ करने वाले फीचर्स होंगे. यूज़र्स अपनी जरूरतों के हिसाब से फोन की शेल को स्विच आउट कर सकेंगे, फिर चाहे वो स्टैंडर्ड कवर हो, कार्ड स्लॉट हो या फिर कैमरा कंट्रोल के साथ कवर हो. एचएमडी ग्लोबल ने यूज़र्स को डिज़ाइन फाइल्स और सॉफ्टवेयर इंटीग्रेशन को समझाने के लिए एक टूलकिट भी पेश किया है.

ऑनर मैजिक 6 प्रो

हाथ व्यस्त हैं तो चिंता छोड़िए, अब आंखों से कीजिए फोन ऑपरेट

स्मार्टफोन की दुनिया दिन प्रति दिन अपडेट हो रही है. कंपनियां नए फीचर्स के साथ लगातार सामने आ रही हैं. मोबाइल वर्ल्ड कॉन्ग्रेस (2024) में ऐसे ही कुछ अनोखे फीचर्स के साथ सामने आयी स्मार्ट फोन कंपनी ऑनर. कंपनी के नए स्मार्ट फोन मॉडल ऑनर मैजिक 6 प्रो ने मोबाइल चलाने के लिए हाथ लगाने की बाध्यता खत्म कर दी है. अब मोबाइल हाथ की जगह आंखों के इशारे से काम करेगा.

इशारे से स्वीगी-जोमैटो से ऑर्डर

चाहे कंप्यूटर पर काम कर रहे हों या किचन में कलछी पकड़ रखी हो, कई बार मोबाइल चलाना इनके साथ परेशानी भरा होता है. ऑनर मैजिक 6 प्रो मोबाइल हमारी इसी परेशानी से निजात दिलाएगा. हमारी आंखों के इशारे से फोन का लॉक ओपन होगा, कॉन्टैक्ट लिस्ट खुलेगी, स्पीकर ऑन होगा और इच्छित व्यक्ति से हम बात कर सकेंगे. आंखों के इशारे से ही कोई ई मार्केटिंग एप खुल जाएगा और पसंद की चीजें ऑर्डर भी कर सकेंगे. स्वीगी-जोमैटो से खाना ऑर्डर करने के लिए भी अब हाथों को तकलीफ उठाने की दरकार नहीं. आंखों का एक इशारा ही इसके लिए काफी होगा.

आंखों से ऐप होंगे कंट्रोल

मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2024 में हॉनर ने ऑनर मैजिक 6 प्रो में कुछ मैजिकल फीचर पेश किए हैं. यह एआई बेस्ड फीचर हैं, जिसकी मदद से आपकी आंखों के मूवमेंट को ट्रैक किया जा सकता है. यह फ्यूचरिस्टिक फीचर आपके ऐप को ओपने करने से लेकर उसके कंट्रोल करने में मदद करता है. इसके लिए हाथ का नहीं आंखों का इस्तेमाल किया जा सकता है.

मिलेंगे ये मैजिकल फीचर

ऑनर मैजिक 6 प्रो में एआई बेस्ड आई ट्रैकिंग फीचर और सुपर साउंड कूल फीचर दिया गया है. फोन को बिना टच किए यूजर्स फोन में आने वाले नोटिफिकेशन को देख पाएंगे. इवेंट, एड्रेस, मैप और कलेंडर को स्पॉट किया जा सकेगा. ऑनर फोन फोटो को वीडियो में बदलने का फीचर पेश कर सकता है. बहरहाल यह फीचर्स रियल लाइफ में कितने इफेक्टिव होंगे, यह तो आने वाले दिनों में मालूम हो सकेगा. यही नहीं, ऑनर मैजिक 6 प्रो को भारत में लॉन्च किया जाएगा या नहीं, फिलहाल इस बारे में भी कोई जानकारी मौजूद नहीं है. हालांकि फोन का इंटरनेशनल मार्केट में डेब्यू हो गया है, जहां ऑनर ने अपनी डेमो में आई ट्रैकिंग फीचर को दिखाया है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

भारत ने लगातार 17वीं टेस्ट श्रृंखला जीती

सरजमीं पर बादशाहत कायम 'बैजबॉल' हुआ बेअसर

संवाददाता । रांची

अपनी सरजमीं पर बादशाहत एक बार फिर साबित करते हुए भारतीय टीम ने 'बैजबॉल' को बेअसर साबित कर दिया और चौथे क्रिकेट टेस्ट में इंग्लैंड को चौथे ही दिन पांच विकेट से हराकर अपनी मेजबानी में लगातार 17वीं श्रृंखला जीत ली. जीत के लिये 192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने कल के स्कोर बिना किसी नुकसान के 40 रन से आगे खेलना शुरू किया था. सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (44 गेंद में 37 रन) और कप्तान रोहित शर्मा (81 गेंद में 55 रन) ने पहले विकेट के लिये 84 रन जोड़े. दोनों के विकेट गिरने के बाद रजत पाटीदार और रविंद्र जडेजा भी सस्ते में आउट हो गए लेकिन शुभमन गिल (नाबाद 52) और ध्रुव जुरेल (नाबाद 39) ने 72 रन की साझेदारी करके टीम को जीत तक पहुंचाया.

भारत ने श्रृंखला में 3.1 की विजयी बढत बना ली जबकि पांचवां और आखिरी मैच सात मार्च से धर्मशाला में खेला जायेगा. भारतीय टीम अपनी धरती पर आखिरी बार 2012-13 में एलेस्टेयर कुक की अगुवाई वाली इंग्लैंड टीम से हारी थी. उसके बाद से अपनी मेजबानी में भारत ने 50 में से 39 टेस्ट जीते हैं.

नाकाम साबित हुई 'बैजबॉल' शैली : इस जीत के साथ ही भारत ने इंग्लैंड की आक्रामक खेल की 'बैजबॉल' शैली को भी नाकाम साबित कर दिया. पिछले दो साल से इंग्लैंड की जीत का मंत्र साबित हुई इस शैली की अब काफी आलोचना हो रही है. ब्रेंडन मैकुलम के कोच और बेन स्टोक्स के कप्तान बनने के बाद से हर हालात में आक्रामक खेल की इंग्लैंड की रणनीति को 'बैजबॉल' कहा जाता है. भारत ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया है और इसकी सूत्रधार भारत की युवा ब्रिगेड रही.

टीम	लगातार घरेलू टेस्ट सीरीज	कब से	कब तक
भारत	17	फरवरी 2013	अभियान जारी
ऑस्ट्रेलिया	10	नवंबर 1994	नवंबर 2000
ऑस्ट्रेलिया	10	जुलाई 2004	नवंबर 2008
वेस्टइंडीज	08	मार्च 1976	फरवरी 1986
वेस्टइंडीज	07	मार्च 1998	नवंबर 2001
साउथ अफ्रीका	07	मई 2009	मई 2012

17 घरेलू टेस्ट सीरीज की जीत के आंकड़े

1. ऑस्ट्रेलिया : भारत ने 4-0 (4) से जीती सीरीज (फरवरी 2013) **2. वेस्टइंडीज :** भारत ने 2-0 (2) से जीती सीरीज (नवंबर 2013) **3. साउथ अफ्रीका :** भारत ने 3-0 (4) से जीती सीरीज (नवंबर 2015) **4 .न्यूजीलैंड :** भारत ने 3-0 (3) से जीती सीरीज (सितंबर 2016) **5. इंग्लैंड :** भारत ने 4-0 (5) से जीती सीरीज (नवंबर 2016) **6. बांग्लादेश :** भारत ने 1-0 (1) से जीती सीरीज (फरवरी 2017) **7. ऑस्ट्रेलिया :** भारत ने 2-1 (4) से जीती सीरीज (फरवरी 2017) **8. श्रीलंका :** भारत ने 1-0 (3) से जीती सीरीज (नवंबर 2017) **9. अफगानिस्तान :** भारत ने 1-0 (1) से जीती सीरीज (जून 2018) **10. वेस्टइंडीज :** भारत ने 2-0 (2) से जीती सीरीज (अक्टूबर 2018) **11. साउथ अफ्रीका :** भारत ने 3-0 (3) से जीती सीरीज (अक्टूबर 2019) **12. बांग्लादेश :** भारत ने 2-0 (2) से जीती सीरीज (नवंबर 2019) **13. इंग्लैंड :** भारत ने 3-1 (4) से जीती सीरीज (2020-2021) **14. न्यूजीलैंड :** भारत ने 1-0 (2) से जीती सीरीज (2021) **15. श्रीलंका :** भारत ने 2-0 (2) से जीती सीरीज (2022) **16. ऑस्ट्रेलिया :** भारत ने 2-1 (4) से जीती सीरीज (2023) **17. इंग्लैंड :** भारत 3-1 (5) से आगे (एक मैच बाकी).

जो रूट ने तोड़ी साझेदारी

श्रृंखला में जायसवाल ने 44 गेंद में 37 रन जोड़े. आफ स्पिनर जो रूट ने जायसवाल को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा. उसके बाद बायें हाथ के स्पिनर टॉम हार्टल ने रोहित का विकेट लिया. स्पिनर शोएब बशीर ने रजत पाटीदार (0) को पवेलियन भेजा. अपने कल के स्कोर बिना किसी नुकसान के 40 रन से आगे खेलते हुए भारत ने सकारात्मक शुरूआत की. रोहित ने जेम्स एंडरसन की गेंद पर लांग आन में छक्का जड़ा. रोहित और जायसवाल ने सहज होकर स्पिनरों और तेज गेंदबाजों को रन बनाये.

बशीर ने लिए 8 विकेट

श्रृंखला में रोहित ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में नौ हजार रन भी पूरे कर लिये. दोनों को आसानी से खेलते देख बेन स्टोक्स ने जो रूट को गेंद सौंपी, जिन्होंने कप्तान के भरोसे पर खरे उतरते हुए जायसवाल को आउट किया. एंडरसन ने बैकवर्ड प्वाइंट पर डाइव लगाकर उनका शानदार कैच लपका. स्टोक्स ने इसके बाद बशीर और हार्टली से गेंदबाजी कराई. गिल स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पा रहे थे और रोहित भी दबाव में आ गए जिसे रनगति पर अंकुश लगा. हार्टली ने भारतीय कप्तान का कीमती विकेट लिया जो विकेट के पीछे बेन फोक्स को कैच दे बैठे. इंग्लैंड के लिये बशीर ने अपने दूसरे टेस्ट में आठ विकेट चटकाये.

भारत का शानदार प्रदर्शन

निजी कारणों से श्रृंखला से बाहर विराट कोहली और चोटिल केएल राहुल के बिना भारत ने श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए हैदराबाद में पहले टेस्ट में मिली हार के बाद लगातार तीन जीत दर्ज की. भारत के युवा खिलाड़ियों सरफराज खान, जुरेल और तेज गेंदबाज आकाश दीप ने मौके को बखूबी भुनाया. जुरेल ने चौथे टेस्ट की पहली पारी में 90 और दूसरी में नाबाद 39 रन बनाये. चौथे दिन सोमवार को रोहित ने (81 गेंद में 55 रन) ने यशस्वी जायसवाल के साथ 84 रन की बड़ी साझेदारी की.

हनुमा को आंध्र की टीम से इस्तीफा देना पड़ा था

हनुमा विहारी ने अपनी चुप्पी तोड़ी

भाषा । नयी दिल्ली

रणजी ट्राफी 2024 में आखिर में आंध्र क्रिकेट टीम सोमवार को क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई. आंध्र को क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश के हाथों 4 रन से हार का सामना करना पड़ा. इस हार के बाद ऑलराउंडर हनुमा विहारी ने अपनी चुप्पी तोड़ी. उन्हें सीजन के पहले मैच के बाद ही कप्तानी से हटा दिया गया था. विहारी ने कहा कि एक खिलाड़ी पर चिल्लाने की वजह से कप्तानी गंवानी पड़ी क्योंकि उसके पिता पॉलिटिशियन हैं. उनकी जगह रिकी भुई को बचे हुए टूर्नामेंट के लिए आंध्र की कमान सौंपी गई थी. विहारी ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि हमने अंत तक कड़ा संघर्ष किया लेकिन ऐसा होना तय नहीं था. आंध्र के साथ एक और क्वार्टर हारने से निराश हूं.

हनुमा विहारी ने कहा कि यह पोस्ट कुछ तथ्यों के बारे में है जिन्हें मैं सामने रखना चाहता हूं. मैं, बंगाल के खिलाफ पहले मैच में मैं कप्तान था. उस गेम के दौरान मैं 17वें खिलाड़ी पर चिल्लाया और उसने अपने पिता (जो एक पॉलिटिशियन हैं) से शिकायत कर दी. इसके बाद, उसके पिता ने एसोसिएशन से मेरे खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा. हालांकि, हमने पिछले साल फाइनलिस्ट बंगाल के खिलाफ 410 रन का पीछा किया था लेकिन मुझे बिना किसी गलती के कप्तानी से इस्तीफा देने के लिए कहा गया.

मैं अब आंध्र के लिए कभी नहीं खेलूंगा

उन्होंने कहा कि मुझे शर्मिंदगी महसूस हुई लेकिन इस सीजन में खेलना जारी रखने का एकमात्र कारण यह था कि मैं गेम और अपनी टीम का सम्मान करता हूं. दुखद बात यह है कि एसोसिएशन को लगता है कि वो जो भी कहे, खिलाड़ी को उसे सुनना पड़ेगा क्योंकि खिलाड़ी उनकी वजह से ही वहां हैं. मुझे अपमान और शर्मिंदगी महसूस हुई लेकिन मैंने इसे आज तक व्यक्त नहीं किया. विहारी ने कहा कि मैंने फैसला किया है कि मैं आंध्र के लिए कभी नहीं खेलूंगा, जहां मैंने अपना आत्मसम्मान खो दिया है. मुझे टीम से प्यार है. जिस तरह से हम हर सीजन में बढ़ रहे हैं, मुझे वो पसंद है लेकिन एसोसिएशन नहीं चाहती कि हम आगे बढ़ें.

भारत की सैफ अंडर 16 महिला फुटबॉल टीम घोषित

नयी दिल्ली । मुख्य कोच बिबी थॉमस मुत्ताह ने सोमवार को एक से 10 मार्च तक नेपाल में होने वाली सैफ अंडर 16 महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप के लिये 23 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान किया है. भारत ने 2018 और 2019 में अंडर 15 प्रारूप में जीत दर्ज की थी. दोनों बार भारत ने फाइनल में बांग्लादेश को हराया था. पहली बार टूर्नामेंट अंडर 16 प्रारूप में खेला जा रहा है. अंतिम टीम का चयन संभावितों में से किया गया जो गोवा में अभ्यास कर रहे हैं. भारतीय टीम मंगलवार को नेपाल रवाना होगी. उसे एक मार्च को भूटान से, और सात मार्च को नेपाल से खेलना है.

हॉफेनहेम ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 3-2 से हराया

भाषा । बर्लिन

बुंडेसलीगा में हॉफेनहेम ने घरेलू मैदान पर बोरुसिया डॉर्टमुंड को 3-2 से हरा दिया. 2024 में बोरुसिया डॉर्टमुंड की यह पहली हार है. हॉफेनहेम ने मैच में एक परी-कथा जैसी शुरुआत की और मैच के दूसरे मिनट में ही इहलास बेबौ ने बेहतरीन गोल कर डॉर्टमुंड को चौंका दिया. इसके बाद डॉर्टमुंड ने वापसी का प्रयास किया और 21वें मिनट में डोनियल मैलेन ने जूलियन ब्रांट के फ्लिक-ऑन कॉर्नर को गोल में तब्दील कर दिया.

इसके चार मिनट बाद ही मेजबान टीम के लिए निको श्लोटरबेक ने मार्को रीस की फ्री किक पर बाउमन को छकाते हुए गोल कर डॉर्टमुंड को 2-1 से आगे कर दिया. हॉफेनहेम ने जूलियन रायर्सन के गलत पास का फायदा उठाते हुए मैक्सिमिलियन बेयर ने गोल कर हॉफेनहेम को 2-2 की बराबरी दिला दी.

मैच का मजा

इंटर मिलान ने लेसी को 4-0 से हराया

रोम । इंटर मिलान ने लुटारो मार्टिनेज को दो गोलों की बदौलत लेसी को 4-0 से हरा दिया. अपने इन दो गोलों की बदौलत मार्टिनेज ने सीरी ए में अपने कुल गोलों की संख्या 101 तक पहुंचा दी. मैच में इंटर मिलान ने तेज शुरुआत की और मैच के 15वें मिनट में मार्टिनेज ने गोल कर अपने शतक का जश्न मनाते हुए अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया. मध्यांतर तक मिलान की टीम 1-0 से आगे रही. मध्यांतर के बाद डेविड फ्रैटेसी ने 54वें मिनट में गोल कर मिलान की बढ़त 2-0 कर दी. दो मिनट बाद मार्टिनेज ने तेजी से गति पकड़ी और अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने फ्रैटेसी की सहायता से गोल कर बढ़त 3-0 कर दी. इसके बाद 67वें मिनट में स्टीफन डी व्रिज ने फेडरिको डिमार्को के पास पर हेडर से गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ. एक मैच हाथ में होने के बावजूद, इंटर अभी भी दूसरे स्थान पर मौजूद जुवेंटस से नौ अंक से आगे है, जिसने फ्रोसिनोन पर कड़ी टक्कर में 3-2 से जीत दर्ज की.

आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने दिया इस्तीफा

जयपुर । राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के अध्यक्ष वैभव गहलोत ने अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया. गहलोत ने ऐसे समय में अपना पद छोड़ा है जब राजस्थान राज्य खेल परिषद (आरएसएससी) ने बकाये का भुगतान न करने पर सवाई मान सिंह स्टेडियम और आरसीए कार्यालय को शुक्रवार को सील कर दिया था. सवाई मानसिंह स्टेडियम को अगले महीने से आईपीएल के मैचों की मेजबानी करनी है. गहलोत ने बयान में कहा कि आरसीए कार्यालय में जल्दबाजी में ताला लगा दिया गया.

भारत की डब्ल्यूटीसी तालिका में स्थिति मजबूत

भाषा । दुबई

भारत ने सोमवार को रांची में चौथे टेस्ट में बेन स्टोक्स की अगुआई वाली इंग्लैंड की टीम के खिलाफ पांच विकेट की जीत के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली. रोहित शर्मा की अगुआई वाली मेजबान टीम ने पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में 3-1 की विजयी बढ़त बना ली है.

कड़े मुकाबले में जीत के बाद भारत का अंक प्रतिशत 59.52 से बढ़कर 64.58 हो गया है. भारत ने क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया (55 प्रतिशत अंक) और बांग्लादेश (50 प्रतिशत अंक) पर मजबूत बढ़त बना ली है. इंग्लैंड 19.44 प्रतिशत अंक के साथ आठवें स्थान पर है. श्रीलंका नौवें स्थान पर है जिसने अभी खाता नहीं खोला है.

भारत ने मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में अब तक आठ टेस्ट खेले हैं. जिनमें से पांच में उसे जीत और दो में हार मिली जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है. ऐसा लगता है कि इंग्लैंड को 'बैजबॉल' (हर हाल में आक्रामक होकर खेलने की रणनीति) रवैये से फायदा नहीं हो रहा है. टीम ने नौ में से अब तक केवल तीन मैच जीते हैं. जबकि पांच में उसे शिकस्त का सामना करना पड़ा और एक मुकाबला ड्रॉ रहा. न्यूजीलैंड 75 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है लेकिन उसने अब तक केवल चार टेस्ट खेले हैं. टेस्ट मैच जीतने पर 12 अंक, टाई पर छह और ड्रॉ के लिए चार अंक दिए जाते हैं. अंकों के प्रतिशत के अनुसार टीमों को स्थान दिया जाता है. शीर्ष दो टीमें 2025 में लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में खेलेंगी. डब्ल्यूटीसी की शुरुआत के बाद से भारत अब तक दोनों बार फाइनल में पहुंचा है. टीम उद्घाटन चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड से हार गई थी जबकि दूसरे सत्र में टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी.

रांची के दिग्गज क्रिकेटर सिद्धार्थ बनर्जी का निधन

राची । रांची क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी सिद्धार्थ बनर्जी (सुब्रो) का

बीते रविवार की रात निधन हो गया. वे 62 वर्ष के थे. सोमवार को उनका अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में कर दिया गया. पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य की समस्या से ग्रसित थे. तीन दिन पहले उन्हें दिल का दौरा पड़ने पर सैंटाविटा अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था. सुब्रो ने रांची कॉलेज, आरएंडडी सेल व रांची ज़िला क्रिकेट टीमों का प्रतिनिधित्व किया था.

पुरुष हॉकी | भारत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग के घरेलू चरण में आयरलैंड को 4-0 से हराया था

भारतीय टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज

भाषा । राउरकेला

टीम मजबूत

- भारत को फ्रांस के खिलाफ एक जीत मिली थी
- भारत ने स्पेन पर 4-1 की जीत के साथ शुरुआत की

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के हालिया दौरे में टीम से जुड़ी गतिविधियों ने उन्हें मजबूत बनाया. भारत ने चार देशों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था, जहां मेजबान टीम के खिलाफ उसने जीत दर्ज की. फ्रांस के खिलाफ टीम को एक जीत मिली और एक मुकाबला ड्रॉ रहा जबकि नीदरलैंड के खिलाफ टीम को हार का सामना करना पड़ा. रविवार को भारत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग के घरेलू चरण के अपने अंतिम मैच में आयरलैंड को 4-0 से हरा दिया था. भारत फिलहाल अंक तालिका में नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बाद तीसरे स्थान पर है. हरमनप्रीत ने रविवार की जीत के बाद कहा कि मुझे लगता है कि हम दक्षिण अफ्रीका दौरे से मानसिक और शारीरिक रूप से तरोताजा होकर वापस आए हैं. हमने वहां टीम से जुड़ी कई गतिविधियों में हिस्सा लिया. जिससे हम एक मजबूत इकाई बन गए. मुझे लगता है कि हमने यहां अच्छा प्रदर्शन किया और दुनिया की शीर्ष टीमों की चुनौती का सामना किया. प्रो लीग के घरेलू चरण में भारत ने भुवनेश्वर में स्पेन पर 4-1 की जीत के साथ शुरुआत की. इसके बाद नीदरलैंड को शूट आउट में 4-2 से हराया. भारत हालांकि ऑस्ट्रेलिया से 4-6 से हार गया लेकिन राउरकेला आने से पहले उन्होंने आयरलैंड को 1-0 से हराया. हरमनप्रीत से सहमति जताते हुए उप कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि मुझे लगता है कि हमने इन भुवनेश्वर और राउरकेला दोनों जगह हुए मुकाबलों में बहुत अच्छा जज्बा दिखाया.

हमने मैच दर मैच अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और अपने डिफेंस में काफी सुधार किया. उन्होंने कहा कि पेरिस ओलंपिक की हमारी तैयारियों के लिए ये मैच महत्वपूर्ण थे और अब हम बैठकर विश्लेषण करेंगे कि हम यहां से अपने प्रदर्शन में कैसे सुधार कर सकते हैं. भारत 22 मई से बेल्जियम में मेजबान टीम और अर्जेंटीना के खिलाफ मैचों के साथ अपनी प्रो लीग प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाएगा और फिर एक जून से लंदन में जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ खेलेगा.

हम एशियाई देशों के संपर्क में हैं: सुमित

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) ने सोमवार को कहा कि वह इस खेल को पैरा एशियाई खेलों में शामिल कराने का पूरा प्रयास कर रहा है. आईडीसीए भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद का संस्थापक सदस्य है, जिसे बीसीसीआई का सहयोग हासिल है. आईडीसीए अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा कि हम काम कर रहे हैं. हम एशियाई देशों के संपर्क में हैं. हमने हांगकांग दौरा किया है जो आईडीसीए के साथ पहला एशियाई मैच कराने को तैयार है.

फिलहाल हमारा फोकस विश्व कप पर है. उन्होंने कहा कि हमें सारे सरकारी सर्टिफिकेशन मिल गए हैं और कुछ प्रक्रिया में हैं जो जल्दी ही मिल जायेंगे. अभी प्रक्रिया चल रही है और हम काफी प्रयास कर रहे हैं. बीसीसीआई से मान्यता और सहयोग मिलने के बावजूद आईडीसीए को देश के क्रिकेट बोर्ड से कोई वित्तीय सहायता नही मिलती है, लेकिन भविष्य में उसे यह मिलने की उम्मीद है. आईडीसीए की सीईओ रोमा बलवानी ने कहा कि बीसीसीआई फिलहाल हमें डीसीसीआई के तहत मान्यता देता है. उससे हमें किट्स और अन्य क्रिकेट उपकरण मिलते हैं लेकिन वित्तीय सहायता नहीं. उम्मीद है कि भविष्य में वह भी मिलेगी. भारत की 15 सदस्यीय बधिर क्रिकेट टीम शारजाह में छह से 12 मार्च तक होने वाले बधिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद टी20 चैम्पियंस ट्रॉफी 2024 में भाग लेगी. इसमें भारत के अलावा आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें खेलेंगी.

ब्रीफ खबरें

ट्रक ने साइकिल सवार को रौंदा, मौत

कटिहार। कटिहार में बेलगाम ट्रक ने एक साइकिल सवार को कुचल दिया. हादसे में साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गयी. इस घटना से आक्रोशित लोगों ने कटिहार-मनिहारी सड़क जाम कर प्रदर्शन किया. टायर जलाकर विरोध प्रकट किया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये कटिहार सदर अस्पताल भेज दिया है. घटना जिले के सहायक थाना क्षेत्र की है. ललियाही में बेलगाम ट्रक ने साइकिल सवार को रौंद दिया. मृतक की पहचान सुनील पासवान के रूप में हुई हैं.

जू. डॉक्टर ने छात्राओं के साथ की छेड़खानी

गया। मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में पीजी डॉक्टर रोहित दुबे पर दो जूनियर डॉक्टर छात्राओं के साथ छेड़खानी का आरोप लगा है. इस घटना के विरोध में जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं. उनका कहना है कि जब तक आरोपी डॉक्टर रोहित दुबे पर कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक काम का बहिष्कार करेंगे. हाथों में बैनर लेकर अधीक्षक कार्यालय पहुंचे जूनियर डॉक्टर्स का कहना है कि जब तक आरोपी पर कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा. वहीं अधीक्षक का कहना है कि आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत प्राचार्य, जिलाधिकारी और स्थानीय थाने को दिया गया है.

ट्रेन से गिरकर रेल कर्मी की मौत

जमुई। किउल-जसीडीह रेलखंड के झाझा रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म संख्या चार पर झाझा पटना स्पेशल ट्रेन से गिरकर एक रेल कर्मी की मौत हो गई. जिसे रेल पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है. मृतक रेल कर्मी की पहचान झाझा रेल पीडब्ल्यूडी में कार्यरत रेलकर्मी 54 वर्षीय कृष्ण देव मंडल के रूप में की गई है. बताया जाता है कि कृष्ण देव मंडल झाझा रेल में ही पीडब्ल्यूडी के कर्मचारी थे और वह बीते कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे. अपने इलाज के लिए सोमवार की सुबह झाझा पटना स्पेशल ट्रेन से इलाज के लिए रेल अस्पताल दानापुर जा रहे थे.

प्रधानमंत्री ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बिहार में रेलवे परियोजनाओं का किया शिलान्यास

33 रेलवे स्टेशनों व 72 अन्य परियोजनाओं का होगा निर्माण

संवाददाता। पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को डिजिटल माध्यम से पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) क्षेत्र के अंतर्गत बिहार के 33 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास और 72 अन्य परियोजनाओं के निर्माण की आधारशिला रखी. प्रधानमंत्री ने सोमवार को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बिहार में रेलवे परियोजनाओं का शिलान्यास किया.

राजधानी पटना से प्रधानमंत्री के इस समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा शामिल हुए. समारोह के तुरंत बाद मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि बिहार में जिन 33 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा. ईसीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इस परियोजना का लक्ष्य पूरे देश में संपर्क, व्यापार और व्यवसाय को बढ़ाना है. योजना के तहत स्टेशनों को खरीदारी स्थल, जलपान स्थल, बच्चों के खेलने के लिए विशेष क्षेत्र आदि जैसी सुविधाओं के प्रावधान के साथ पुनर्विकसित किया जाएगा. उन्होंने कि स्टेशनों पर प्रवेश और निकासी के लिए अलग-अलग द्वार, बहुमंजिला पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर, प्रतीक्षा कक्ष आदि का प्रावधान होगा. केंद्र की इस योजना के तहत अकेले समस्तीपुर मंडल के नौ रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जाएगा.

प्रधानमंत्री ने जिन परियोजनाओं का उद्घा टन किया उनमें समस्तीपुर मंडल से जुड़ी कम से कम 28 परियोजनाएं भी शामिल हैं. अधिकारी ने बताया कि चौसा, लखीसराय, नवादा और दनियावां-बिहारशरीफ, पटना-डीडीयू, पटना-गया और फतुहा-इस्लामपुर मार्गों पर सड़क पुल, अंडरपास और सीमित ऊंचाई वाले पार पथ बनाए जाएंगे. अधिकारी ने कहा, सबसे अधिक असुरक्षित माने जाने वाले पटना-गया मार्ग पर कम से कम छह सीमित ऊंचाई वाले पार पथ बनाए जाएंगे.

इन स्टेशनों का होगा पुनर्विकास

बरौनी, सीवान, मुंगेर, थावे, सबौर, अररिया, शिवनारायणपुर, दौरम मधेपुरा, डेहरी ऑन सोन, गुरारू, करहागोला रोड, चौसा, लहेरियासराय, बांका, सिमरी बख्तियारपुर, सुपौल, नवादा, रक्सौल, मोतीपुर, लक्खीसराय, मशरख, रफीगंज, मैरवा, पीरो, बिक्रमगंज, लाभा, जनकपुर रोड, चकिया, नबीनगर रोड, घोड़ासहन, सालमारी, एकमा और शाहपुर पटोरी शामिल हैं.

ट्रांसफर-पोस्टिंग का मामला

जीतन राम मांझी ने तेजस्वी पर किया हमला, बोले-

50-50 लाख रुपये लेकर हजारों-करोड़ों कमा लिए

संवाददाता। पटना

पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर बड़ा दावा किया है. सोमवार को मांझी ने पत्रकारों से बातचीत में पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर शिक्षक नियुक्ति की वो (तेजस्वी यादव) बात करते हों तो मैंने तो कहा है कि सोमवार को 21 लाख एकड़ जमीन भूदान, सीलिंग और बिहार सरकार की है. हमारे यहां मात्र 13 या 14 लाख परिवार ऐसे हैं जिनके पास एक धुर जमीन नहीं है. अगर बंटवा देते वो (तेजस्वी यादव) तब हम मानते. राजस्व विभाग उनके ही पास था, तो वो तो ट्रांसफर पोस्टिंग में पड़े थे जिसको मुख्यमंत्री ने बंद कर दिया. मांझी ने कहा कि इससे क्या साबित होता है कि मुख्यमंत्री का चलता है कि मंत्री का? इससे भी वो नहीं समझते हैं? अगर चलता तो आज सभी अंचलाधिकारी से 50-50 लाख रुपया लेकर हजारों करोड़ रुपया कमा लिए थे लोग, आज नतीजा होता कि सबकी पोस्टिंग हो जाती, लेकिन नीतीश कुमार ने रोक दिया. मुख्यमंत्री का वर्चस्व होता है. नियुक्ति में भी वही होता है.

बिहार में पार्टी की प्रदेश कमान सौंपने की तैयारी शुरू

कौन होंगे भाजपा के नए 'सम्राट'

ज्ञानवर्द्धन मिश्र/पटना

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी का उपमुख्यमंत्री बनने के बाद सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज है कि 'एक व्यक्ति, एक पद' की नीति पर चलते हुए भाजपा किसे पार्टी की कमान सौंपेगी. मतलब बिहार भाजपा के नये 'सम्राट' कौन होंगे. क्या भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस पद के लिए एक बार फिर पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्ग से आनेवाले वाले किसी योग्य व्यक्ति की तलाश करेगी या फिर किसी अगड़ी जाति या दलित वर्ग की तरफ रुख करेगी. वैसे, माना जा रहा है कि भाजपा एक बार फिर प्रदेश अध्यक्ष पद पर पिछड़ा - अतिपिछड़ा वर्ग के किसी व्यक्ति को बैठाना चाहेगी, तो संजीव चौरसिया का नाम सबसे आगे है. संजीव चौरसिया का आरएसएस से पुराना संबंध रहा है और वे पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद के पुत्र हैं. श्री चौरसिया वर्तमान में पटना शहर के दीघा से विधायक हैं. लेकिन, जानकारों का मानना है कि बार-बार पिछड़ा-अति पिछड़ा कार्ड खेलने से भाजपा को यह डर भी सताने लगा है कि कहीं, उसका परंपरागत अगड़ी जाति का वोट बैंक (ब्राह्मण, भूमिहार, राजपूत और कायस्थ) बिखर न जाये. भाजपा का यह डर उपमुख्यमंत्री के चयन में भी दिखता है. पिछली एनडीए सरकार में तारकिशोर प्रसाद और रेणु देवी को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था. दोनों पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्ग से आते थे. वहीं, इस बार भाजपा कोटे से बने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कुशवाहा जाति (पिछड़ा वर्ग) और विजय कुमार सिन्हा भूमिहार (अगड़ी जाति) से आते हैं. विजय कुमार सिन्हा को उपमुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने यह संकेत दे दिया है कि वह अपने परंपरागत वोट बैंक को एकजुट रखना चाहती है. दूसरी बात यह कि भाजपा की ओर से पिछड़ी-अतिपिछड़ी जातियों के लिए जितना किया जाना था, वह काफी हद तक किया जा चुका है. सम्राट चौधरी उपमुख्यमंत्री हैं. वहीं, अति पिछड़ा वर्ग से आनेवाले भीम सिंह और वैश्य समाज से आनेवाली धर्मशीला गुप्ता को राज्यसभा भेजा गया है. पिछड़ा वर्ग से आनेवाले नंदकिशोर यादव को विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया है. वहीं, चंद्रवंशी समाज के डॉ. प्रेम कुमार मंत्रिपरिषद के सदस्य हैं. ऐसे में अब पिछड़ा-अति पिछड़ा वर्ग के लोगों को कोई और पद देने से असंतुलन और असंतोष की स्थिति बन सकती है. जाहिर तौर पर भाजपा इससे बचना चाहेगी. इन स्थितियों में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री और पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद का नाम सामने आये, तो आश्चर्य नहीं. वैसे रेस में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष मिथिलेश तिवारी का भी नाम है.

पूर्व राज्यसभा सदस्य सुशील मोदी भी प्रदेश अध्यक्ष की रेस में

अटकलों का बाजार गर्म है कि सुशील कुमार मोदी को न तो बिहार सरकार में कोई पद दिया गया है और न ही केंद्र की सरकार में. इस बार उन्हें राज्यसभा भी नहीं भेजा गया. ऐसे में माना जा रहा है कि सुशील कुमार मोदी को संगठन में कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है. वह बड़ी जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष पद की भी हो सकती है. हालांकि वे पहले भी अध्यक्ष रह चुके हैं.

क्या दलित चेहरा को आगे लायेगी भाजपा

भाजपा को अपने परंपरागत वोटरों पर भरोसा है कि वह छिटक नहीं सकता. वहीं, पिछड़ा-अति पिछड़ा के लिए जितना किया जाना था, वह लगभग कर लिया गया है. ऐसे में अपने वोट बैंक के विस्तार के लिए भाजपा की नजर दलित वोटरों पर हो सकती है. दलित वोटरों को साधने का एक नायाब तरीका किसी दलित समुदाय के व्यक्ति को प्रदेश अध्यक्ष बनाना हो सकता है. अगर भाजपा दलित चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष बनाना चाहेगी, तो दावेदारों में सबसे आगे जनक चमार का नाम होगा. वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ संजय पासवान, उनके बेटे गुरु प्रकाश पासवान, शिवेश राम और योगेंद्र पासवान के नाम पर भी विचार किया जा सकता है.

मुजफ्फरपुर में ऑटो, बाइक और डंपर में टक्कर

तीन लोगों की मौत, चार घायल

संवाददाता। मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में रविवार देर रात सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए. हालांकि दो लोगों ने सोमवार सुबह दम तोड़ दिया. दरअसल, सभी लोग ऑटो से पूजा करवाने के लिए शहर में आ रहे थे, तभी तेज रफ्तार एक हाइवा डंपर ने यात्री से भरे हुए सीएनजी ऑटो में टक्कर मार दी. इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि अन्य लोग गंभीर रूप में घायल हो गए. वहीं, घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची जैतपुर ओपी पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया. जहां से गंभीर हालत को देखते हुए घायलों को एसकेएमसीएच में भेजा गया. जहां पर सोमवार सुबह दो लोगों की मौत हो गई. घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई. वहीं, इस दुर्घटना में चार अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं. मृतक की पहचान वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र निवासी उपेंद्र पासवान (45) के रूप में की गई है. जबकि अन्य मृतकों में जैतपुर ओपी क्षेत्र के चाको छपरा निवासी विजय कुमार और लखींद्र पासवान (45) शामिल हैं.

इस मामले को लेकर एसडीपीओ सरैया कुमार चंदन ने बताया कि सरैया थाना क्षेत्र के जैतपुर ओपी क्षेत्र में रविवार देर रात सड़क दुर्घटना में एक की मौत मौके पर हुई थी, जबकि दो अन्य की मौत इलाज के दौरान हुई है. शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है. दो लोग वैशाली जिले के रहने वाले बताए गए थे.

जन विश्वास यात्रा

तेजस्वी यादव पर जेसीबी से बरसाए गए फूल

अररिया । पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव जनता का विश्वास जीतने के लिए जन विश्वास यात्रा पर हैं. इसी कड़ी में तेजस्वी यादव सोमवार को अररिया जिला पहुंचे. जहां हजारों की संख्या में राजद के कार्यकर्ता और समर्थकों ने जेसीबी पर खड़े होकर फूलों की बारिश कर उनका हौसला आफजाई किया. मौके पर तेजस्वी यादव ने कहा कि लोगों का प्यार व आशीर्वाद मिल रहा है. अगर इसी तरीके से आशीर्वाद मिलता रहा तो पूरी बहुमत के साथ राजद की सरकार बनने से कोई रोक नहीं सकता.

जहानाबाद में ट्रेन की चपेट में आने से बाप-बेटे की मौत

संवाददाता। पटना

पटना-गया रेलखंड के जहानाबाद में ट्रेन की चपेट में आने से सोमवार सुबह दो लोगों की मौत हो गई. दोनों रिश्ते में बाप-बेटा थे. दोनों एक रिश्तेदार के तिलक समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकले थे. घटना टेहटा स्टेशन के पास की है. मृतकों की पहचान गया जिले के बाला बीघा गांव निवासी श्रवण कुमार और उनका बेटा जैकी कुमार के रूप में हुई है. दोनों बाप-बेटा घर से तिलक समारोह में जाने के लिए निकले थे. इसी दौरान टेहटा स्टेशन के पास रेल पटरी पार करने के दौरान ट्रेन आ गई और दोनों उसकी चपेट में आ गए. दोनों बाप-बेटा की ट्रेन से कट कर मौत हो गई. जब दोनों वापस घर नहीं लौटे तो परिजनों को अनहोनी की आशंका सताने लगी. परिजनों ने फोन कर रिश्तेदारों से पूछताछ की लेकर उनका कहीं पता नहीं चला. इसी बीच जानकारी मिली कि दोनों की ट्रेन से कट कर मौत हो गई है. जहानाबाद रेल थाना की पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए जहानाबाद सदर अस्पताल में भेज दिया है.

कारोबार

लॉग9 मैटेरियल्स ने की साझेदारी

मुंबई। उन्नत बैटरी प्रौद्योगिकी कंपनी लॉग9 मैटेरियल्स ने इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी ईटीओ मोटर्स के साथ साझेदारी की है. कंपनी ने सोमवार को बताया कि इसके तहत लॉग9 मैटेरियल्स ईटीओ मोटर्स के वाहन बेड़े को बैटरी समाधान प्रदान करेगी. लॉग9 मैटेरियल्स की अत्याधुनिक बैटरियों को ईटीओ मोटर्स के इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों में उनकी दो से तीन साल पुरानी बैटरियों की जगह लगाया जाएगा. लॉग9 मैटेरियल्स की इन उन्नत बैटरियों के साथ हमने वाहनों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है.

धारावी परियोजना में सेवा कर रिफंड मिलेगा

मुंबई। मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी-बस्ती धारावी का पुनर्विकास पूरा होने के बाद स्थानीय कारोबारी इकाइयां राज्य माल एवं सेवा कर रिफंड सहित कई लाभ हासिल कर सकेंगी. अडाणी समूह और धारावी पुनर्विकास परियोजना ने कहा कि यह स्थानीय कारोबार क्षेत्रों को संगठित बनाने का एक कदम है और कर रियायतें महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए निविदा शर्तों के अनुसार हैं. डीआरपी के प्रवक्ता ने कहा कि हजारों करोड़ की पुनर्विकास परियोजना व्यवसायों की अनौपचारिक प्रकृति को बदलने के लिए तैयार है.

एयरटेल के ग्राहकों को मिलेगी 5जी सेवा

नयी दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने सोमवार को कहा कि वह कोलकाता मेट्रो के यात्रियों को 5जी कनेक्टिविटी देने के लिए हुगली नदी के नीचे 35 मीटर की गहराई में उच्च क्षमता वाले नोड्स तैनात करेगी. हुगली नदी के नीचे एक सुरंग के जरिये हावड़ा को कोलकाता से जोड़ने वाली भारत की पहली अंडरवॉटर मेट्रो का जून, 2024 में परिचालन शुरू होने की उम्मीद है. कंपनी ने बयान में कहा कि उच्च क्षमता वाले नोड्स लगाए जाने के बाद एयरटेल कोलकाता मेट्रो के पूर्व-पश्चिम गलियारे में निर्बाध 5जी कनेक्टिविटी देने वाली पहली कंपनी बन जाएगी. यह 4.8 किलोमीटर लंबा गलियारा हावड़ा मैदान को एस्प्लेनेड से जोड़ता है.

पिछले साल अगस्त में मुकेश अंबानी ने 100 सीबीजी संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की थी

सीबीजी स्थापित करने की तैयारी में रिलायंस

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय उद्योगपति मुकेश अंबानी किसी प्रोजेक्ट की घोषणा करने के साथ ही उसकी तैयारी में भी लग जाते हैं. अब खबर है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) में भी बड़ा दांव लगाने जा रही है. कंपनी अगले दो वर्षों में 5,000 करोड़ से अधिक की लागत से 50 से अधिक सीबीजी संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है. बता दें कि पिछले साल अगस्त में आरआईएल की वार्षिक आम बैठक में, अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने पांच वर्षों में 100 सीबीजी संयंत्र स्थापित करने की योजना की घोषणा की थी. उस घोषणा के एक साल भी पूरे नहीं हुए और आगे की रणनीति तैयार होने लगी.

रिलायंस के एक अधिकारी ने बताया कि आरआईएल ने 50 से अधिक सीबीजी प्लांट बनाने के लिए निविदा जारी की है. ये प्लांट अगले दो साल के अंदर लगने वाले हैं. इसके अलावा जल्द ही शेष प्लांट्स के लिए निविदा जारी करेगी.

उन्होंने बताया कि यह टेंडर टेक्नोलोजी के साथ साथ इंजीनियरिंग, प्रोक्यूरमेंट और कंस्ट्रक्शन के लिए है. इस व्यक्ति ने बताया कि रिटेल से लेकर ऑयल रिफाइनिंग ग्रुप ने भी सीबीजी प्लांट की संख्या के लक्ष्य को 100 से संशोधित कर 106 कर दिया है. इस बारे में कंफर्मेशन के लिए ईटी ने आरआईएल को बीते 19 फरवरी को ही प्रतिक्रिया के लिए ईमेल भेजे गए थे, लेकिन इसका जवाब नहीं दिया गया.

बता दें कि सीबीजी अपशिष्ट या बायोमास स्रोतों से उत्पादित ग्रीन फ्यूल है. इसमें कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) के समान गुण हैं. इसका उपयोग ऑटोमोटिव, औद्योगिक और वाणिज्यिक उपयोग के लिए किया जा सकता है.

- 50 से अधिक सीबीजी संयंत्र स्थापित करने की योजना
- रिलायंस ₹5,000 करोड़ से अधिक का करेगी निवेश
- यह अपशिष्ट या बायोमास स्रोतों से उत्पादित ग्रीन फ्यूल है

सालाना 2.5 मिलियन टन जैविक खाद का उत्पादन करने का भी लक्ष्य रखा

आरआईएल ने अपनी सीबीजी इकाइयों के माध्यम से 5.5 मिलियन टन कृषि-अवशेषों और जैविक कचरे का उपयोग करने का लक्ष्य रखा है. कंपनी ने लगभग 2 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन को कम करने और सालाना 2.5 मिलियन टन जैविक खाद का उत्पादन करने का भी लक्ष्य रखा है. ऐसा होता है तो आयातित लिक्विड नेचुरल गैस में प्रति वर्ष लगभग 0.7 मिलियन टन की कमी आएगी. ये सीबीजी यूनिट्स आरआईएल को शीघ्र ही जियो-बीपी के फ्यूल रिटेल शॉप पर सीबीजी और बायो-सीएनजी (बायोगैस का शुद्ध रूप) की खुदरा बिक्री बढ़ाने में मदद करेंगी. कंपनी की जियो-बीपी आउटलेट्स की स्थापना रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड द्वारा की गई है, जो आरआईएल और ब्रिटिश ऊर्जा प्रमुख बीपी पीएलसी का संयुक्त उद्यम है.

'ट्रू-कॉलर' ने भारत में शुरू की एआई-संचालित रिकॉर्डिंग सुविधा

भाषा। नयी दिल्ली

कॉल करने वाले की पहचान से संबंधित ऐप 'ट्रूकॉलर' ने सोमवार को भारत में कृत्रिम मेधा (एआई) से संचालित कॉल रिकॉर्डिंग सुविधा शुरू करने की घोषणा की. इस सुविधा में कॉल का सारांश एवं ब्योरा भी मिलेगा. कंपनी ने कहा कि एआई-आधारित कॉल रिकॉर्डिंग सुविधा के लिए शुल्क लगेगा और यह प्रीमियम सदस्यता के साथ उपलब्ध होगी. यह एंड्रॉयड और आईओएस दोनों ऑपरेटिंग प्रणालियों वाले मोबाइल फोन पर काम करेगी. इस सुविधा के तहत उपयोगकर्ताओं को सीधे ट्रूकॉलर ऐप के भीतर इनकमिंग और आउटगोइंग कॉल रिकॉर्ड करने की क्षमता होगी. यह महत्वपूर्ण बातचीत को दर्ज करने और उनके प्रबंधन का एक सुविधाजनक एवं कुशल तरीका मुहैया कराता है. ट्रूकॉलर ने इस सुविधा की शुरुआत की घोषणा करते हुए बयान में कहा कि कृत्रिम मेधा प्रौद्योगिकी के आने से उपयोगकर्ताओं को जरूरी ब्योरा दर्ज करने की चिंता नहीं रह जाएगी और इससे कॉल के दौरान उत्पादकता सुधरेगी.

कंपनी ने कहा कि इस सुविधा के इस्तेमाल से समूची बातचीत का विस्तृत ब्योरा और उसका सारांश भी उपलब्ध हो जाएगा. इसके अलावा किसी भी कॉलर की बातचीत को अंग्रेजी और हिंदी में लिखित रूप में बदला जा सकेगा. यह खास सुविधा प्रीमियम प्लान के तहत ही उपलब्ध कराई जा रही है जो 75 रुपये मासिक या 529 रुपये सालाना की दर से शुरू होता है. ट्रूकॉलर के प्रबंध निदेशक और मुख्य उत्पाद अधिकारी ऋषित झुनझुनवाला ने कहा कि नवीनतम पहल ग्राहकों को अपनी बातचीत के प्रबंधन में अधिक नियंत्रण और लचीलापन देती है.

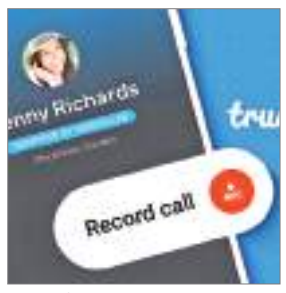

कमजोर हाजिर मांग से चांदी वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली : कमजोर हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से सोमवार को वायदा कारोबार में चांदी की कीमत 329 रुपये की गिरावट के साथ 70,150 रुपये प्रति किग्रा रह गया. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के मार्च महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 329 रुपये यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 70,150 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया. इसमें 18,884 लॉट का कारोबार हुआ. वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी की कीमत 0.58 प्रतिशत की हानि के साथ 23.06 डॉलर प्रति औंस रह गयी.

मुनाफावसूली | सूचना प्रौद्योगिकी, धातु व टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के शेयरों में आई गिरावट

सेंसेक्स 353 अंक टूटा, निफ्टी भी नुकसान में

भाषा। मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 353 अंक के नुकसान में रहा. वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच सूचना प्रौद्योगिकी, धातु तथा टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के शेयरों में मुनाफावसूली से घरेलू बाजार में गिरावट रही. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 352.67 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,790.13 अंक पर बंद हुआ. सेंसेक्स के 26 शेयर नुकसान में जबकि चार लाभ में रहे. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 90.65 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,122.05 अंक पर बंद हुआ. निफ्टी के 50 शेयरों में से 37 नुकसान में रहे. इन्फोसिस, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले शेयरों में गिरावट से मानक सूचकांक नुकसान में रहा. सेंसेक्स के शेयरों में एशियन पेंट्स सर्वाधिक 3.9 प्रतिशत का नुकसान में रहा. विश्लेषकों ने आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी ग्रासिम इंडस्ट्रीज के पेंट बाजार में आने से घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने को लेकर चिंता जतायी है. इससे कंपनी का शेयर नुकसान में रहा.

अमेरिकी बाजार में मुद्रास्फीति को लेकर चिंता के बीच आईटी शेयरों में इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, विप्रो और टेक महिंद्रा में गिरावट जारी रही. इसके अलावा नुकसान में रहने वाले अन्य शेयरों में टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाइटन, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस और मारुति शामिल हैं.

हाल की तेजी के बाद बाजार में सुस्ती

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, हाल की तेजी के बाद बाजार में सुस्ती रही. निवेशकों की नजर अब कंपनियों के तिमाही परिणाम से आर्थिक संकेतकों की ओर है. उन्होंने कहा, अमेरिका और भारत में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद), यूरो क्षेत्र में मुद्रास्फीति तथा अमेरिका में बेरोजगारी के आंकड़े महत्वपूर्ण है. केंद्रीय बैंक इन्हीं आंकड़ों के आधार पर ब्याज दर के बारे में निर्णय करेगा. इससे अल्पकाल में बाजार को दिशा मिलेगी. बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.38 प्रतिशत नीचे आया जबकि बीएसई 0.06 प्रतिशत के नुकसान में रहा. एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कम्पोजिट और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे. हालांकि, जापान का निक्की लाभ में रहा. यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रुहा. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76.11 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया. विदेशी संस्थागत निवेशक शुक्रवार को शुद्ध लिवाल रहे. उन्होंने 1,276.09 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे.

यात्री वाहन क्षेत्र की वृद्धि अगले वित्त वर्ष में 7% रहेगी : क्रिसिल

एजेंसी। मुंबई

यात्री वाहन (पीवी) क्षेत्र में अगले वित्त वर्ष में पांच से सात प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है. क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने सोमवार को कहा कि स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) खंड की अगुवाई में यात्री वाहन क्षेत्र लगातार तीसरी बार नया शिखर छूएगा. एजेंसी ने कहा कि इसे चालू वित्त वर्ष में कारों और निर्यात की मांग सुस्त बनी रहने के बावजूद छह से आठ प्रतिशत की अनुमानित दर से बढ़त मिल सकती है. रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उपभोक्ता प्राथमिकता में एक महत्वपूर्ण बदलाव ने एसयूवी की मांग को बढ़ा दिया है, जिससे इस वित्त वर्ष में इसकी बाजार हिस्सेदारी दोगुनी होकर कुल घरेलू मात्रा का लगभग 60 प्रतिशत हो गई है. वित्त वर्ष 2018-19 में कोविड-19 महामारी से पहले एसयूवी खंड की घरेलू बाजार हिस्सेदारी लगभग 28 प्रतिशत थी. एजेंसी ने कहा कि पिछले तीन-चार साल में वाहनों की लागत में वृद्धि हुई है क्योंकि विनिर्माता प्रीमियम वाहनों की कीमतें बढ़ा रहे हैं और उन्हें सुरक्षा और उत्सर्जन पर अधिक कड़े नियमों का पालन करना पड़ रहा है. निर्यात के मामले में भी स्थिति ऐसी ही है. यात्री वाहन निर्यात की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2018-19 में लगभग 17 प्रतिशत की तुलना में चालू वित्त वर्ष में धीमी होकर 14 प्रतिशत रहने का अनुमान है. अगले वित्त वर्ष में भी यही रुझान रहने की संभावना है.

'भारत टेक्स-2024'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले-

विकसित भारत के लक्ष्य में कपड़ा क्षेत्र का बड़ा योगदान

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कपड़ा क्षेत्र को पूरा सहयोग देने का वादा किया और साथ ही इस बात पर बल दिया कि यह क्षेत्र 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. भारत 2047 में आजादी के सौ साल पूरे करेगा. मोदी ने 'भारत टेक्स-2024' का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में कपड़ा क्षेत्र के योगदान को और बढ़ाने के लिए सरकार बहुत व्यापक स्तर पर काम कर रही है. 'भारत टेक्स' देश में आयोजित सबसे बड़े वैश्विक कपड़ा कार्यक्रमों में से एक है. मोदी ने कहा कि हमने अगले 25 साल में भारत को विकसित राष्ट्र में बदलने का संकल्प लिया है. विकसित भारत के चार महत्वपूर्ण स्तंभ- गरीब, युवा, किसान और महिलाएं हैं. विशेष रूप से, भारत का कपड़ा क्षेत्र इन सभी स्तंभों से जुड़ा हुआ है. इसलिए 'भारत टेक्स' जैसा आयोजन हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है. उन्होंने कहा कि 2014 में भारत के कपड़ा बाजार का मूल्यांकन सात लाख करोड़ रुपये से भी कम था जबकि अब यह 12 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है.

ब्रीफ खबरें

ईडी के समक्ष पेश नहीं होंगे सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष सोमवार को भी पेश नहीं होंगे. केंद्रीय जांच एजेंसी ने सातवीं बार समन भेजकर केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था. हम ने इस समन पर भी सोमवार को जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री ईडी के दफ्तर नहीं जाएंगे. पार्टी ने कहा कि चूंकि अभी मामला अदालत में लंबित है.

पूर्व विधायक सहित 12 पर मुकदमा दर्ज

चंडीगढ़ । दिल्ली से सटे हरियाणा के झज्जर जिले के बहादुरगढ़ में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष नफे सिंह राठी और एक पार्टी कार्यकर्ता की हत्या के मामले में पुलिस ने सोमवार को हरियाणा के एक पूर्व विधायक और 11 अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है. राठी और पार्टी कार्यकर्ता जय किशन की रविवार को हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी.

संदेशखाली में तृणमूल नेता को किया गिरफ्तार

कोलकाता । पश्चिम बंगाल पुलिस ने ग्रामीणों की जमीन हड़पने के आरोप में उत्तरी 24 परगना जिले के अशांत संदेशखाली से टीएमसी नेता अजीत मैती को गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि फरार शाहजहां शेख के करीबी सहयोगी माने जाने वाले मैती को रविवार शाम को एक व्यक्ति के आवास से हिरासत में लिया गया, जहां उन्होंने ग्रामीणों द्वारा पीछा किए जाने के बाद खुद को चार घंटे से अधिक समय तक बंद कर रखा था.

फलस्तीन के प्रधानमंत्री शतायेह ने इस्तीफा दिया

यरूशलम। फलस्तीन के पीएम मोहम्मद शतायेह ने सोमवार को बताया कि उनकी सरकार इस्तीफा दे रही है. उनके इस कदम से फलस्तीनी प्राधिकरण में अमेरिका समर्थित सुधारों का रास्ता खुल सकता है. राष्ट्रपति महमूद अब्बास को अभी यह तय करना होगा कि वह शतायेह और उनकी सरकार का सोमवार को दिया गया इस्तीफा स्वीकार करते हैं या नहीं. यह कदम पश्चिमी समर्थित फलस्तीनी नेतृत्व द्वारा उस बदलाव को स्वीकार करने की इच्छा का संकेत देता है.

पीएम ने 2 हजार रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का किया शिलान्यास, बोले-

लीकेज-घोटालों को रोकने से रेलवे के विस्तार को मिली गति

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लगभग 2 हजार रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण किया. लीकेज और घोटालों को रोकने को अपनी सरकार की उपलब्धि के तौर पर गिनाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बजटीय आवंटन अधिक होने पर भी लीकेज से विकास बाधित होता है. 2014 से पहले की तुलना में नई रेलवे लाइनें बिछाने की गति दोगुनी हो गई है. युवाओं को आधुनिक परियोजनाओं का शीर्ष लाभार्थी मानते हुए उन्होंने कहा कि इससे उनके लिए रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होंगे.

'विकसित भारत' युवा आकांक्षाओं का भारत है. वे युवाओं से कहना चाहते हैं,उनकी आकांक्षाएं ही मेरा संकल्प हैं! मेरे संकल्प के साथ आपके सपने और कड़ी मेहनत ही 'विकसित भारत' की गारंटी है. आधुनिक ढांचागत सुविधाओं को निवेश के लिए जरूरी बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले 5 वर्षों में हजारों स्टेशनों के आधुनिक होने पर भारतीय रेल की क्षमता बढ़ेगी और निवेश की एक बहुत बड़ी क्रांति आएगी.

भारत सपनों को जल्द से जल्द साकार करने की ओर बढ़ चुका है

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को नये भारत की कार्यशैली का प्रतीक बताया और कहा कि अब भारत अभूतपूर्व स्तर पर अभूतपूर्व गति से काम कर रहा है. छोटी-छोटी आकांक्षाओं से अलग होकर आज का भारत बड़े सपने देखने और उन सपनों को जल्द से जल्द साकार करने की ओर बढ़ चुका है. अपनी सरकार की वापसी पर विश्वास जताते हुए प्रधानमंत्री ने अगले कार्यकाल में विकास की गति को और अधिक विस्तार और गति देने का वादा किया. उन्होंने कहा कि इस सरकार के तीसरे टर्म की शुरुआत जून महीने से होने वाली है लेकिन अभी से जिस स्तर और गति से काम होना शुरू हो गया है, वो सबको हैरत में डालने वाला है.

40 हजार करोड़ की परियोजनाएं एक साथ जमीन पर उतरीं

खास बातें

- बोले-परियोजना आने से रोजगार के अवसर आएंगे
- कड़ी मेहनत ही विकसित भारत की गारंटी है
- भारतीय रेल की क्षमता बढ़ेगी, निवेश बढ़ेगा

प्रधानमंत्री ने सोमवार को 27 राज्यों के करीब 300 से अधिक जिलों में 550 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प का शिलान्यास किया. इसमें 1,500 से ज्यादा रोड, ओवरब्रिज, अंडरपास जैसी परियोजनाएं भी शामिल हैं. 40 हजार करोड़ की परियोजनाएं एक साथ जमीन पर उतर रही हैं. प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में रेलवे में अभूतपूर्व कार्य हुआ है. कभी कल्पना में जिन बातों को सोचा जाता था, आज वे हकीकत बन रही हैं. एक दशक पहले तक अमृत भारत जैसी आधुनिक ट्रेन की कल्पना बहुत मुश्किल थी. एक दशक पहले तक नमो भारत जैसी शानदार रेल सेवा के बारे में किसी ने कभी सोचा नहीं था. बीते 10 वर्षों में नई रेलवे लाइन बिछाने की गति दोगुनी हो गई है. जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक भारतीय रेल पहुंच रही है.

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दिया आदेश

पूजा जारी रखने की दी अनुमति

भाषा। प्रयागराज

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के भीतर व्यास जी के तहखाने का वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट को 'रिसीवर' (प्रभारी) नियुक्त करने और तहखाने में पूजा की अनुमति देने के वाराणसी के जिला न्यायाधीश के निर्णयों के खिलाफ दायर अपील सोमवार को खारिज कर दी.

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद 15 फरवरी को अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था. न्यायमूर्ति अग्रवाल ने कहा कि व्यास जी के तहखाना में पूजा-अर्चना जारी रहेगी. ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन करने वाली

ज्ञानवापी का मामला

अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने वाराणसी जिला न्यायाधीश के दोनों निर्णयों के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी. दोनों ही अपील को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति अग्रवाल ने कहा, इस मामले के संपूर्ण रिकॉर्ड को देखने और संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत को वाराणसी के जिला जज द्वारा पारित निर्णय में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं मिला.

अदालत ने कहा कि इन दो आदेशों (वाराणसी की अदालत के) के खिलाफ दायर अपील में मस्जिद कमेटी अपने मामले को सिद्ध करने और जिला अदालत के आदेश में किसी प्रकार की अवैधता दर्शाने में विफल रही है. इसलिए इस अदालत द्वारा किसी तरह का हस्तक्षेप वांछित नहीं है. न्यायमूर्ति अग्रवाल ने कहा कि उस स्थान पर पूजा पहले ही प्रारंभ हो चुकी है और जारी है इसलिए उसे रोकने का कोई औचित्य नहीं है.

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम ने तीन दिनों में 4 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया

मुंबई । मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम की टीम ने तीन दिनों के भीतर नौ अलग-अलग मामलों में 4.06 करोड़ रुपये का 7.57 किग्रा से अधिक सोना और एक आईफोन जब्त किया है. बरामद किया गया सोना यात्रियों के पहने हुए कपड़ों, शरीर पर और उनके हैंडबैग में छुपाया था. कस्टम सूत्रों के अनुसार उनकी टीम मुंबई एयरपोर्ट पर नियमित निगरानी कर रही है. पिछले तीन दिनों में अलग-अलग नौ मामलों में कस्टम की टीम ने विभिन्न देशों से आए यात्रियों की तलाशी ली. इन सभी ने क्रॉकरी के बॉक्स, पहने हुए कपड़े, हैंड बैग के फ्रेम में सोना छुपाया था, जिसे बहुत तकनीकी तरीके से तलाशी लेकर पकड़ लिया गया है.

जौनपुर में बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर, छह मजदूरों की मौत

भाषा। जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद में रोडवेज बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से छह मजदूरों की मौत हो गई है. इस हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं. यह हादसा सिकरारा थाना क्षेत्र के समाधगंज इलाके में हुआ. अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने सोमवार को यह बताया कि रविवार देर रात्रि करीब 11.15 बजे सिकरारा अंतर्गत समाधगंज बाजार के पास जौनपुर-प्रयागराज हाईवे पर मकान की छत ढालने वाले मजदूर ट्रैक्टर ट्राली पर सवार होकर जा रहे थे. इस दौरान प्रयागराज की तरफ से आ रही रोडवेज बस की टक्कर ट्रैक्टर ट्राली से हो गई और वह असंतुलित होकर पलट गई. हादसे में ट्राली पर सवार छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को इलाज के लिए सीएचसी मछली शहर भेजा गया. शवों को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई की जा रही है. एएसपी ने बताया कि हादसे की तस्वीरें देखने से पता चल रहा है कि वाहन तेज रफ्तार में थे. दुर्घटना में पांच की मौत मौके पर हो गई थी, जबकि इलाज के दौरान एक की मौत हो गई. इस तरह से इस हादसे में कुल छह लोगों की मौत हुई है. घटना में विधिक कार्रवाई की जा रही है.

राहुल-थरूर के खिलाफ सीपीआई ने उतारे कैंडिडेट

नयी दिल्ली । इंडिया ब्लॉक को झटका देते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने सोमवार को केरल में आगामी लोकसभा चुनावों के लिए अपने चार उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की. सीपीआई ने तिरुवनंतपुरम से पन्नियन रवींद्रन और वायनाड से एनी राजा को मैदान में उतारा है. वीएस सुनील कुमार त्रिशूर से और अरुण कुमार मावेलिकारा से चुनाव लड़ेंगे. बता दें कि सीपीआई राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है, फिर भी उसने केरल में उन दो सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं, जहां से कांग्रेस के दो बड़े नेता वर्तमान में सांसद हैं. कांग्रेस के शशि थरूर तिरुवनंतपुरम से और राहुल गांधी वायनाड से सांसद हैं.

मरयम बनीं पाक के पंजाब प्रांत की पहली महिला सीएम

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की वरिष्ठ नेत्री एवं पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी व मरयम नवाज सोमवार को पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं. पीएमएल-एन की 50-वर्षीया वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरयम ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी 'पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ' - समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के निर्वाचित प्रतिनिधियों के बहिर्गमन के बीच मुख्यमंत्री पद का चुनाव जीता. मरयम पीटीआई-समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के राणा आफताब को हराकर

राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री बनीं. पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की आबादी 12 करोड़ है. मुख्यमंत्री पद के चुनाव के लिए पंजाब प्रांत के विस पहुंचने से पहले अपनी मां कुलसूम नवाज की जाति उमरा स्थित कब्र पर गईं. सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिये पीएमएल-एन ने जानकारी दी कि मरयम ने अपने दादा-दादी की कब्र का भी दौरा किया.

बंगाल में टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के अशोकनगर में 49 वर्षीय तृणमूल कांग्रेस नेता (टीएमसी) की जमीन विवाद को लेकर लोगों के एक समूह ने गोली मारकर हत्या कर दी. पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि टीएमसी नेता की पहचान बिजन दास के रूप में की गई है. बिजन दास पर यह हमला तब हुआ जब वह पार्टी के एक सहयोगी के घर गए थे. पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुमा एक पंचायत के उप मुखिया दास को नजदीक से दो बार गोली मारी गई, एक गोली उनके सिर में लगी और दूसरी उनके बाएं कान को पार कर गई. पुलिस ने बारासात मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया.

मराठा आरक्षण आंदोलन

महाराष्ट्र के तीन जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित

भाषा। मुंबई

मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में जारी आंदोलन के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए महाराष्ट्र के जालना, छत्रपति संभाजीनगर और बीड जिलों में सोमवार को इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं. अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि इन जिलों की सीमाएं भी एहतियातन सील कर दी गई हैं. एक अधिकारी ने राज्य गृह विभाग के एक आदेश का हवाला देते हुए कहा कि सोशल मीडिया मंचों पर अफवाहों के प्रसार के मद्देनजर किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए तीन जिलों में इंटरनेट सेवाएं सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक निलंबित कर दी गई हैं. एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बीड जिले में बिना अनुमति के प्रदर्शन करने के आरोप में तीन मामले दर्ज किए गए हैं और राज्य परिवहन की एक बस को नुकसान पहुंचाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है. वहीं, महाराष्ट्र के जालना जिले के अंबड तालुका में कर्फ्यू लगा दिया गया है.

निक्की हेली बोलीं-

साउथ कैरोलाइना में ट्रंप से हार कहानी का अंत नहीं

ट्रॉय (अमेरिका) । अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की दावेदार निक्की हेली ने अपने गृह राज्य साउथ कैरोलाइना के प्राइमरी चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के

हाथों हार मिलने के बाद कहा कि वह अब भी मुकाबले में बनी हुई हैं और कहानी अभी खत्म नहीं हुई है. साउथ कैरोलाइना में रिपब्लिकन पार्टी के सदस्यों ने हेली को शनिवार की हार के बाद मुकाबला से अपना नाम वापस लेने की सलाह दी लेकिन हेली इसे अनसुना कर रविवार को मिशिगन रवाना हो गईं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

ज्वेलरी डिजाइनिंग पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर बना सकते हैं कॅरियर

भारतीय ट्रेडिशन में गहनों को पवित्र और कीमती माना जाता है. आभूषण महिलाओं के श्रृंगार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, हालांकि प्राचीन काल में इनका स्वरूप मोती मणियों के आभूषण के रूप में था, जो अब बदल कर सोने-चांदी के आभूषण हो गए हैं. इन आभूषणों को अलग-अलग तरीके से तैयार किया जाता है, सोने-चांदी के गहने तैयार करने में काफी बारीकी से काम किया जाता है. महीन कलाकृतियां भी उकेरी जाती हैं. इसके लिए ज्वेलरी डिजाइनर्स की जरूरत पड़ती है. देश-दुनिया में ज्वेलरी डिजाइनर्स की काफी डिमांड है, खासकर वैसे डिजाइनर्स की जिन्होंने ज्वेलरी डिजाइनिंग पाठ्यक्रम पूरा किया है. 20वीं सदी के दौरान ज्वेलरी की डिजाइनिंग फॉर्मेट में लगातार बदलाव हुए हैं.

ज्वेलरी डिजाइनिंग के कौन-कौन से कोर्स

- बीडी ज्वेलरी डिजाइनिंग
- बीए ज्वेलरी डिजाइनिंग
- बीकॉम ज्वेलरी डिजाइनिंग एवं टेक्नॉलोजी
- बीएससी ज्वेलरी डिजाइनिंग एंड मैनेजमेंट
- बीबीए ज्वेलरी डिजाइनिंग एंड मैनेजमेंट
- डिप्लोमा प्रोग्राम इन ज्वेलरी डिजाइनिंग एवं टेक्नॉलोजी
- कांप्रिहेंसिव ज्वेलरी डिजाइनिंग
- बेसिक ज्वेलरी डिजाइनिंग
- ज्वेलरी डिजाइनिंग : फिनिशिंग, पॉलिशिंग एंड इलेक्ट्रोप्लेटिंग
- ज्वेलरी डिजाइनिंग : इंग्रेविंग एंड इनमेलिंग
- ज्वेलरी डिजाइनिंग : स्टोन सेटिंग
- जेमोलॉजी पाठ्यक्रम
- डायमंड ग्रेडिंग कोर्स

ज्वेलरी डिजाइनिंग के लिए प्रवेश परीक्षा

- ऑल इंडिया एंट्रेंस एग्जाम फॉर डिजाइनिंग
- जीडी ज्वेलरी डिजाइनिंग एप्टिट्यूट टेस्ट
- जीएसएस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइनिंग एप्टिट्यूट टेस्ट
- पर्ल एकेडमी एंट्रेंस एग्जाम
- एनआईएफटी एंट्रेंस एग्जाम
- एआईईईडी एंट्रेंस एग्जाम

ज्वेलरी डिजाइनिंग कोस लिए टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज

- आर्क एकेडमी ऑफ डिजाइन, जयपुर
- महात्मा ज्योति राव फूले विश्वविद्यालय, जयपुर
- आरटीएमएनयू, नागपुर
- सेंट्रल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मॉस कम्यूनिकेशन, नागपुर
- जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर
- एएएफटी मीडिया और कला विश्वविद्यालय, रायपुर
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गुड़गांव
- भारतीय रत्न और आभूषण संस्थान, नई दिल्ली और मुंबई
- जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- भारतीय आभूषण संस्थान, मुंबई
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन, दिल्ली, जयपुर, मुंबई और नोएडा
- वोग इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बेंगलोर में कला और डिजाइन कॉलेज

कैसे करें आवेदन प्रक्रिया

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट पर साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें, जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है, तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें, फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

विदेशी यूनिवर्सिटी

- कला विश्वविद्यालय, लंदन
- बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी
- हर्टफोर्डशायर विश्वविद्यालय
- इंग्लैंड का पश्चिम विश्वविद्यालय
- रॉबर्ट गॉर्डन विश्वविद्यालय
- ग्रिफ़िथ विश्वविद्यालय
- एनएससीएडी विश्वविद्यालय
- क्रिएटिव आर्ट्स के लिए विश्वविद्यालय
- अल्स्टर यूनिवर्सिटी
- लासाल कॉलेज
- डंडी विश्वविद्यालय

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)